शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

हम जाति और धर्म के बजाय राजनीति के आधार पर कराएंगे चुनाव: शिवकुमार @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 01 अप्रैल, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 ।❊। मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-91

कच्चातिवु द्वीप श्रीलंका को देने पर पीएम मोदी का कांग्रेस पर हमला

श्रीलंका को क्यों दिया भारत का द्वीप?

मेरठ, 31 मार्च (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसके खिलाफ ऐक्शन जरूर होगा उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस और इंडी गठबंधन को सीधे निशाने पर लेते हुए कहा कि देश आजतक कांग्रेस और उसके साथियों के रवैये की कीमत चुका है। प्रधानमंत्री मोदी लोकसभा चुनाव के ऐलान के बाद रविवार को मेरठ में गौरव समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज ही कांग्रेस का एक और देश विरोधी कारनामा देश के सामने आया है। तमिलनाडु में भारत के समुद्री तट से कुछ दूर श्रीलंका और तमिलनाडु के बीच में समुद्र में एक द्वीप है जिसे कच्चातिवु द्वीप के नाम से जाना जाता है। ये सुरक्षा की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण है। देश आजाद हुआ तब ये हमारे पास था। लेकिन कांग्रेस ने चार-पांच दशक पहले कह दिया कि ये द्वीप फालतू और गैर जरूरी है। इसके बाद मां भारती का एक अंग कांग्रेस के लोगों ने काट दिया और भारत से अलग कर दिया। देश कांग्रेस के इस रवैये की कीमत आजतक चुका रहा है। भारत के मछुआरे मछली पकड़ने के लिए समंदर में जाते हैं और जब इस द्वीप की तरफ जाते हैं तो इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाता है। उनकी नाव को कब्जा कर लिया जाता है। ये कांग्रेस के पाप का परिणाम है कि हमारे मछुआरे आज भी सजा भुगत रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि कच्चातिवु द्वीप को लेकर दाखिल की गई एक आरटीआई रिपोर्ट रविवार को सामने आई। उन्होंने कहा कि आरटीआई रिपोर्ट में आंखें खोलने और चौंकाने वाला सच सामने आया है। विपक्षियों को घेरते हुए पीएम मोदी ने कहा कि रिपोर्ट से पता चलता है कि कांग्रेस ने किस तरह बेरहमी से कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को उपहार के रूप में सौंप दिया था। हर भारतीय इससे नाराज है। भारत की एकता, अखंडता और हितों को कमजोर करना कांग्रेस का 75 सालों से काम करने का तरीका रहा है। हम कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं कर सकते।

बताते चलें कि तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के अन्नामलाई ने आरटीआई दायर कर कच्चातिवु के बारे में पूछा था। अब आरटीआई सामने आने पर पता चला है कि सन 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और श्रीलंका की राष्ट्रपति श्रीमावो भंडारनायके ने एक समझौता किया था। इसके तहत कच्चातिवु द्वीप को श्रीलंका को औपचारिक रूप से सौंप दिया गया था। बताया गया है कि इंदिरा गांधी ने तमिलनाडु में लोकसभा अभियान को देखते हुए यह समझौता किया था। संसद के आधिकारिक दस्तावेजों और रिकॉर्ड से पता चलता है कि किस तरह अस्थिर भारत पाक जलडमरूमध्य में द्वीप पर नियंत्रण की लड़ाई एक छोटे देश से हार गया, जो इसे छीनने के लिए प्रतिबद्ध था।

इतना ही नहीं रिपोर्ट में इस मुद्दे पर प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की टिप्पणियों का भी हवाला दिया गया है। बताया गया है कि नेहरू ने कहा था कि उन्हें द्वीप पर दावा छोड़ने में कोई संकोच नहीं होगा। उन्होंने कहा था, मैं इस छोटे से द्वीप को कोई महत्व नहीं देता हूं और मुझे इसके लिए अपने दावों को छोड़ने में कोई संकोच नहीं होगा। नेहरू ने लिखा था कि मुझे यह पसंद नहीं है कि यह अनिश्चित काल के लिए लंबित रहे और संसद में इस मुद्दे को फिर से उठाया जाए। कच्चातिवु पाक जलडमरूमध्य में एक छोटा सा द्वीप है, जो बंगाल की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ता है।

मेरठ से मोदी ने फूंका चुनावी बिगुल, इंडी गठबंधन पर जमकर किया प्रहार

देश की अखंडता कमजोर कर रही कांग्रेस, यह पार्टी भरोसे योग्य नहीं

भ्रष्टाचारी चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, एक्शन जरूर होगा

1974 में इंदिरा की सरकार ने इस द्वीप को श्रीलंका को गिफ्ट कर दिया था

मोदी की गारंटी पर भारत को भरोसा: योगी

मेरठ, 31 मार्च (एजेंसियां)। सम्पूर्ण देश मोदी की गारंटी पर विश्वास करता है। मोदी की गारंटी का मतलब 12 करोड़ किसानों के लिए पीएम किसान सम्मान निधि, चार करोड़ गरीबों को आवास, दस करोड़ गरीबों के घर में रसोई गैस का सिलेंडर, 12 करोड़ के घरों में शौचालय की व्यवस्था, 80 करोड़ गरीबों को फ्री राशन, 60 करोड़ गरीबों को पांच लाख की स्वास्थ्य बीमा का कवर, मोदी की गारंटी के कारण यह देश एक स्वर में बोल रहा है, फिर एक बार मोदी सरकार। यही मोदी की गारंटी है, जो कहते हैं, वो करके रहते हैं।

आयकर ने कांग्रेस को थमाया 1745 करोड़ रुपए का नया टैक्स नोटिस

दो दिन पहले 1823 करोड़ का नोटिस भेजा था, आईटी ने कुल 3567 करोड़ की देनदारी निकाली

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)।

कांग्रेस को आयकर विभाग ने नया नोटिस दिया है। इसमें 2014 से 2017 के लिए 1745 करोड़ रुपए के टैक्स की डिमांड की गई है। इस नए नोटिस के साथ कांग्रेस पर टैक्स डिमांड बढ़कर 3567 करोड़ रुपए हो गई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 2014-15 के लिए 663 करोड़ रुपए, 2015-16 के लिए 664 करोड़ रुपए और 2016-17 के लिए 417 करोड़ रुपए का टैक्स डिमांड नोटिस कांग्रेस को भेजा गया है। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का दावा है कि आयकर विभाग ने राजनीतिक दलों को मिलने वाली टैक्स रिबेट खत्म कर दी है और पूरे कलेक्शन के लिए पार्टी पर टैक्स लगा दिया है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि जांच एजेंसी ने छापे में कांग्रेसी नेताओं से जब्त डायरियों की थर्ड पार्टी को लेकर हुई एंट्रीज पर भी टैक्स लगाया है।

कांग्रेस को 2 दिन पहले यानी 29 मार्च को ही शुक्रवार को आयकर विभाग से पहला नोटिस मिला था। जिसमें करीब 1823 करोड़ रुपए का भुगतान करने कहा गया है। यह डिमांड नोटिस 2017-18 से 2020-21 के लिए है। इसमें जुर्माने के साथ ब्याज भी शामिल हैं।

कांग्रेस के सीनियर नेता विवेक तन्खा ने एक्स पर अपनी पोस्ट में लिखा, पागलपन की पराकाष्ठा है। पिछले 3 दिनों में कांग्रेस पर 3567.33 करोड़ रुपए के एस्ट्रोनॉमिकल फिगर से टैक्स की मांग हुई है। कांग्रेस मुक्त भारत के भाजपा मिशन के लिए उनके निष्ठावान राजस्व विभाग के अधिकारियों को धन्यवाद।

लेकिन ये याद रखें, भारतीय मतदाताओं ने कभी भी निरंकुश आचरण का समर्थन नहीं किया है। विपक्षी दलों के बिना कोई भी लोकतंत्र संभव नहीं है। टैक्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने पिछले सालों से जुड़ी टैक्स डिमांड के लिए पार्टी के खातों से 135 करोड़ रुपए पहले ही वसूल कर लिए हैं।

हालांकि कांग्रेस ने इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है, जिस पर सोमवार को सुनवाई हो सकती है।

कांग्रेस ने चार साल (2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21) के लिए इनकम टैक्स रीअसेसमेंट प्रोसिडिंग शुरू करने के खिलाफ याचिका दायर की थी। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा और जस्टिस पुरुषेंद्र कौरव की बेंच ने 28 मार्च को याचिका खारिज करते हुए कहा था कि कांग्रेस के खातों में कई बेहिसाब लेनदेन थे। इनकम टैक्स अधिकारियों के पास टैक्स असेसमेंट पर एक्शन लेने के लिए ठोस सबूत थे, इसलिए एक्शन लिया गया है। कांग्रेस ने दिल्ली हाईकोर्ट में यह याचिका चार साल (2017-18, 2018-19, 2019-20 और 2020-21) के लिए इनकम टैक्स रीअसेसमेंट प्रोसीडिंग शुरू करने के खिलाफ दायर की थी। इससे पहले भी कांग्रेस ने 2014-15 से 2016-17 तक असेसमेंट प्रोसीडिंग को चुनौती दी थी।

उसे भी कोर्ट ने खारिज कर दिया था। 25 मार्च को भी कोर्ट ने कांग्रेस की तीन याचिकाएं यह कहते हुए खारिज कर दी थीं कि कांग्रेस ने मूल्यांकन पूरा होने का समय खत्म होने से कुछ दिन पहले और प्रोसिडिंग के लास्ट स्टेज में कोर्ट में अपील करने का विकल्प चुना है।

8 मार्च को कोर्ट ने इनकम टैक्स अपीलेट ट्रिब्यूनल (आईटीएटी) के आदेश को बरकरार रखा था। ट्रिब्यूनल ने 2018-19 के लिए 100 करोड़ रुपए से ज्यादा के बकाया टैक्स की वसूली के लिए कांग्रेस को जारी डिमांड नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

गोवा चुनाव प्रचार में प्रयोग हुए थे रिश्वत से मिले 45 करोड़

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली शराब नीति घोटाले को लेकर ईडी ने बड़ा खुलासा किया है। ईडी ने कहा है कि इस घोटाले से मिले 45 करोड़ रुपयों का इस्तेमाल आम आदमी पार्टी द्वारा 2022 में हुए गोवा चुनाव में अपने प्रचार अभियान के लिए प्रयोग किए थे। अदालत में दाखिल दस्तावेजों में यह भी दावा किया गया है कि इस बात की पुष्टि सीबीआई और आयकर विभाग ने भी अपनी अलग-अलग जांच में की है। इन दस्तावेजों में ईडी ने अदालत को बताया है कि मामले में जांच के क्रम में प्रवर्तन निदेशालय हवाला ऑपरेटरों और अंगड़ियाओं के नेटवर्क की भी जांच कर रहा है। ईडी ने 45 करोड़ रुपयों की मनी ट्रेल के लिए पांच अंगड़िया फर्म संचालकों के बयान भी दर्ज किए हैं। 45 करोड़ रुपयों को लेकर ईडी ने दावा किया है कि ये रुपये राजनेताओं और शराब व्यवसायियों द्वारा आम आदमी पार्टी को दी गई कुल 100 करोड़ रुपये की रिश्वत राशि का हिस्सा है। ईडी का कहना है कि आम आदमी पार्टी ने गोवा चुनाव प्रचार के लिए इन्ही रुपयों में से 45 करोड़ रुपये खर्च किए थे।

गौरतलब है कि ईडी ने ये दावा तब किया है, जब हाल ही में इस मामले में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की गई है। साथ ही कहा गया था कि मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर उनके और उनकी पार्टी पर मुकदमे की कार्रवाई हो सकती है। शराब घोटाले में ईडी दिल्ली सीएम से पहले 16 लोगों की गिरफ्तारी कर चुकी है।

मदरसा शिक्षक हत्या मामले में आरएसएस के तीन कार्यकर्ता बेदाग रिहा

कोच्चि, 31 मार्च (एजेंसियां)।

केरल की एक अदालत ने मदरसा शिक्षक की हत्या से जुड़े एक मामले में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के तीन कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया। तीनों आरोपियों ने बिना जमानत के सात साल जेल में बिताएं हैं। कासरगोड प्रधान सत्र न्यायालय के न्यायाधीश केके बालाकृष्णन ने अपने आदेश में कहा कि अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर पाया कि आरोपियों की मुस्लिम समुदाय से किसी तरह की दुश्मनी थी। इसके अलावा, अभियोजन पक्ष यह भी साबित नहीं कर पाए कि आरोपी का आरएसएस से किसी भी तरह का संबंध रहा है। मामला 2017 का है। आरोप है कि तीन आरएसएस कार्यकर्ताओं- अखिलेश, निधिन और अजेश ने चुरी की मुहयुद्दीन जुमा मस्जिद के अंदर मुअज्जिन मोहम्मद रियास मौलवी (34) और चूरी के मदरसा शिक्षक की हत्या कर दी थी। तीनों पर कथित तौर पर आरोप है कि उन्होंने मौलवी का गला काट दिया था।अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह जानने की कोशिश नहीं की कि मृतक ने किन-किन लोगों से बात की। उन्होंने एक अच्छा मौका गंवा दिया। इस मामले में अभियोजन पक्ष की चुप्पी ही तीनों व्यक्तियों पर लगे आरोपों को खारिज करने के लिए पर्याप्त है।

तीनों आरोपियों ने बिना जमानत के सात साल जेल में बिताए

सबूतों और गवाहों के आधार पर यह कहा जा सकता है कि जांच मानकों के अनुसार ही हुई है। अभियोजन पक्ष यह साबित करने में विफल रहा कि पीड़ित की हत्या इन्हीं आरोपियों ने ही की थी। अदालत ने कहा कि उन पर आरोप साबित नहीं हुए इसलिए तीनों इन अपराधों के लिए दोषी नहीं हैं।

हालांकि अभियोजन पक्ष ने फैसले पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वे आदेश के खिलाफ अपील करेंगे। अभियोजकों ने कहा कि मामले में मजबूत सबूत पेश किए गए थे। एक आरोपी के कपड़ों पर मौलवी का खून भी मिला था। आरोपियों और अभियोजन पक्ष के गवाहों से जब्त किए गए फोन से भी कुछ भी उपयोगी नहीं मिला। कोर्ट ने कहा कि

जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश करने पर हिरासत में ब्रिटिश नागरिक

पूरी, 31 मार्च (एजेंसियां)।

ओड़ीसा पुलिस ने एक ब्रिटिश नागरिक को हिरासत में लिया है। उस पर आरोप है कि पहले उसने जगन्नाथ मंदिर में अनाधिकृत तरीके से प्रवेश किया। जब पुलिसकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की तो उसने पुलिस की टीम पर ही हमला कर दिया।

इसके बाद पुलिसकर्मियों ने उसे हिरासत में ले लिया। रविवार को एक पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विदेशी पर्यटक की पहचान थॉमस क्रेग शेल्डन के रूप में की गई है। थॉमस दक्षिण लंदन के वंड्सवर्थ का रहने वाला है। आपको बता दें कि 12वीं सदी के जगन्नाथ मंदिर में गैर हिंदुओं का प्रवेश वर्जित हैं। इसके बाद भी थॉमस ने मंदिर में प्रवेश किया। जब पुलिस कर्मियों ने उसे रोका और मंदिर परिसर छोड़ने के लिए कहा तो थॉमस ने कथित तौर पर पुलिस पर हमला कर दिया।

बीआरएस नेता कडियम श्रीहरि व उनकी बेटी काव्या कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 31 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वरिष्ठ नेता और विधायक कडियम श्रीहरि अपनी बेटी कडियम काव्या के साथ रविवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और एआईसीसी प्रभारी दीपा दासमुंशी ने उनका पार्टी में स्वागत किया। कांग्रेस नेताओं ने दो दिन पूर्व पिता-पुत्री की जोड़ी को सत्तारूढ़ पार्टी में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया था। तेलंगाना के पूर्व उपमुख्यमंत्री श्रीहरि ने अपने समार्थकों के साथ बैठक के बाद यह निर्णय लिया। श्रीहरि हाल के चुनावों में स्टेशन घनपुर निर्वाचन क्षेत्र से विधानसभा के लिए चुने गए थे। उनकी बेटी को वारंगल लोकसभा सीट के लिए बीआरएस उम्मीदवार घोषित किया गया था, लेकिन 28 मार्च को उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया। अभी यह स्पष्ट नहीं कि कांग्रेस वारंगल लोकसभा सीट से श्रीहरि या उनकी बेटी को मैदान में उतारेगी या नहीं।

स्वदेशीकरण और तकनीकी समावेश होगा सेना का फोकस : एके सिंह

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां)।

भारतीय सेना लगातार अपने खेमे को मजबूत करने पर ध्यान दे रही है। दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने सेना की मजबूती पर बात की। उन्होंने कहा कि स्वदेशीकरण, तकनीकी समावेश और परिचालन क्षमता में वृद्धि सेना की दक्षिणी कमान के फोकस क्षेत्र होंगे। बताते चलें कि दक्षिणी कमान भारतीय सेना की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी कमान है। यह 11 राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में फैले भारत के 41 प्रतिशत भूभाग को कवर करती है। दक्षिणी कमान एक अप्रैल को 130वां स्थापना दिवस मनाएगी।

लेफ्टिनेंट जनरल अजय कुमार सिंह ने साल 2024 के दौरान बदलाव लाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने की कमान की प्रतिबद्धता के बारे में भी बात की, जिसे सेना द्वारा प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। गौरतलब है, भारतीय सेना साल 2024 को प्रौद्योगिकी अवशोषण वर्ष के रूप में मना रही है क्योंकि यह धीरे-धीरे एक आधुनिक बल में परिपक्व होने की कोशिश कर रही है। इनमें पैदल सेना, तोपखाने और सभी क्षेत्रों में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन प्रणालियों को शामिल करने के लिए एक नया परिचालन दर्शन होगा। बख्तरबंद बटालियनें और अन्य पारंपरिक विषमताओं को पाटने के अलावा, कमांड साइबर ऑपरेशंस सपोर्ट विंग की स्थापना की गई है।

विपक्षी गठबंधन में रार! असम कांग्रेस अध्यक्ष ने रणनीति पर उठाए सवाल

आपा का अलग चुनाव लड़ना उसकी सबसे बड़ी भूल

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)।

देश के विपक्षी गठबंधन इंडिया में रार जैसे संकेत दिखाई दे रहे हैं। अब असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि राज्य में लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने की विपक्षी पार्टियों की कोशिश राष्ट्रीय राजनीति के कारण नाकाम हो गई। उन्होंने दावा किया कि आम जनता पार्टी (आपा) का राज्य में अलग चुनाव लड़ना उसकी सबसे बड़ी भूल होगी। जबकि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस को कोई सीट देने से इनकार करने से पूर्वोत्तर राज्य में गठबंधन पर प्रतिकूल असर पड़ा है।

बोरा ने कहा, हमने इंडिया गठबंधन के बनने से आठ महीने पहले संयुक्त विपक्षी मंच असम (यूओएफए) का गठन किया था।

भूपेन कुमार बोरा

हमारा 16 दलों का मंच है। इनमें से तीन सीधे लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन यह राज्य में मेरे नेतृत्व या राजनीति के कारण नहीं, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति के कारण है। बता दें, राज्य की कुल 14 सीटों में से कांग्रेस 13 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और एक सीट उसने यूओएफए के सदस्य असम जैत्य परिषद के लिए छोड़ी है। राज्य में यूओएफए के जिन अन्य घटकों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं उनमें आम आदमी पार्टी (आपा), तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और माकपा शामिल हैं। बोरा ने कहा कि आप और कांग्रेस के बीच दिल्ली में सीटों का बंटवारा हो रहा है, लेकिन पंजाब में वे सभी सीटों पर अलग-अलग लड़ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा, असम में आप ने तीन सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया, लेकिन बाद में गुवाहाटी से उन्होंने नाम वापस ले लिया। मैंने आपा के प्रदेश अध्यक्ष भाबेश चौधरी से आग्रह किया था कि उन्हें अकेले नहीं लड़ना चाहिए और हम उन्हें एक सीट देने के लिए तैयार थे, लेकिन उन्होंने तीन पर जोर दिया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) प्रमुख ने दावा किया, मुझे लगता है कि यह आम आदमी पार्टी के लिए सबसे बड़ी राजनीतिक भूल होगी क्योंकि नतीजों के बाद यह साबित हो जाएगा कि वह राज्य में कुछ नहीं है।

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 25^0

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अग्रवाल समाज ने धूमधाम से मनाया होली स्नेह मिलन

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

बेल्लारी रोड स्थित पैलेश ग्राउंड के गेट नम्बर 9 के प्रिंसेस श्राइन के सभागार में शनिवार को सायं 3.30 बजे से होली स्नेह मिलन का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर स्नेह मिलन कार्यक्रम की शुरुआत की गई । सचिव सतीश गोयल ने सभी समाज बंधुओं को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए स्वागत भाषण से स्वागत किया । तत्पश्चात हाउजी म्यूजिकल तम्बोला गेम्स खिलाया गया जिसमे गायक बिमल पंवार ने फ़िल्मी गीतों व राजथानी गीतों की प्रस्तुति पर सभी को आनन्द दिलाया। सभी समाज बंधुओं ने अनेक स्वादिष्ट व्यंजनों का परिवार सहित लुप्त उठाया । इस अवसर पर अध्यक्ष रतन लाला सिंघल, सचिव सतीश गोयल, उपाध्यक्ष संजय जालान, कोषाध्यक्ष ऋषि गुप्ता सहित अंकित मोदी, गणेश मित्तल, कुणाल गोयल , संजय तायल महिला मंडल अध्यक्षा अंजू अग्रवाल ,सचिव नीरू तायल ने उपस्थित होकर स्नेह मिलन को सफल बनाया।

होली स्नेह मिलन मनाया

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो। राजगढ़ सादुलपुर नागरिक परिषद बैंगलोर द्वारा अग्रसेन भवन जयनगर में होली स्नेह मिलन मनाया गया। मोनू गाड़िया ने राजस्थानी लोकगीतों की प्रस्तुति दी। सभी ने संगीत का आनंद लिया और उसके साथ नृत्य भी किया। परिषद ने बेंगलूरु में रहने वाली राजगढ़ की बेटियों को भी आमंत्रित किया और उन्हें उपहार दिए। भोजन की व्यवस्था सुनील सुराणा द्वारा की गई। समारोह में मुरारीलाल सरावगी संरक्षक, प्रभात किशनपुरिया अध्यक्ष, रतन कंदोई, राजकुमार कंदोई, महेश गोयल, नरपत सुराणा, संतोष अग्रवाल, संदीप अग्रवाल आदि ने भाग लिया। परिषद ने कुछ अतिथियों को भी आमंत्रित किया जिनमें जय प्रकाश गुप्ता, सुरेश कुमार मोदी, रमेश अग्रवाल आदि शामिल रहे। इस कार्यक्रम की व्यवस्था गोपाल गोयल की युवा टीम अध्यक्षता ने संभाली। धन्यवाद ज्ञापन राजकुमार कन्दोई ने तथा संचालन महेश गोयल ने किया।

'होली रे रसिया' कार्यक्रम में श्रोता हुए मंत्रमुग्ध

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हिंद कुटुम्ब परिवार की ओर से एलीटा अपार्टमेंट बेंगलूरु के क्लब हाऊस में शनिवार को हँसी, मस्ती और ठहाकों से भरपूर 'होली रे रसिया' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बेंगलूरु के स्टेंडअप कामेडियन और हास्य कवि डॉ सुनील तरुण, वरिष्ठ कवि डॉ प्रेम तन्मय, कवयित्री डॉ निधि सिंह और युवा कवि लोकेश मिश्रा ने अपनी-अपनी प्रस्तुतियों से समां बांध कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

हिंद कुटुम्ब परिवार की ओर से मनीष अग्रवाल ने सभी कवियों का परिचय देते हुए उन्हें मंच पर आमंत्रित किया और आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा कवियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। उसके बाद डॉ सुनील तरुण ने मंच संभाला और अपने चिर परिचित अंदाज में हँसी-ठहाकों के बीच मंच-संचालन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ निधि सिंह की सरस्वती वंदना से हुआ। उन्होंने होली के अवसर पर गीत सुनाकर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। युवा कवि लोकेश मिश्रा ने भी अपनी सुमधुर आवाज में गीत सुनाकर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। वरिष्ठ कवि डॉ प्रेम तन्मय ने हास्य-व्यंग्य के साथ-साथ राजस्थानी गीत सुनाकर श्रोताओं की खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम के अंत में मंच-संचालन कर रहे हास्य कवि डॉ सुनील तरुण ने अपनी हास्य रचनाओं के साथ-साथ होली के अवसर पर गाया जाने वाला पारम्परिक जोगीरा सुनाकर श्रोताओं को पूरी तरह से होली की मस्ती के रंग में सराबोर कर दिया।

कार्यक्रम के आयोजन में शेखर भंसाली, मनीष अग्रवाल, शिवा प्रजापति, योगेश, अमित, सुनील, प्रमिला, रमा, प्रीति, पूनम, अनुभा और संगीता का विशेष योगदान रहा। श्रोताओं में बच्चे, बूढ़े, महिला और युवा हर आयु वर्ग के लोग थे और सभी ने कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया।

मित्र ज्योति के 34वें वार्षिकोत्सव में दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने सबका मन मोहा

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

दृष्टिबाधितों के जीवन उत्थान एवं सशक्तिकरण के लिए उम्मीद की किरण संस्था 'मित्र ज्योति' ने शनिवार को विद्यार्थियों की मनमोहक रंगारंग प्रस्तुतियों के बीच अपना 34वां वार्षिकोत्सव उत्साह धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की मनमोहक गीत-संगीत व नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध करने के साथ जमकर तालियाँ बटोरी।

वार्षिकोत्सव की शुरुआत विशिष्ट अतिथि सिंधी कॉलेज के शैक्षणिक अनुसंधान प्रमुख डॉ. राजदीप मनवानी, मित्र-ज्योति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश गोयल, संस्था की संस्थापक और प्रबंध न्यासी मधु सिंघल एवं डॉ. संजय जैन सहित अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुई। छात्र प्रतिनिधि लक्ष्मी, सदस्य ट्रस्टी

तथा मित्र ज्योति की कार्यकारी निदेशक आशा श्रीधर ने मंगलाचरण गीत की सुमधुर प्रस्तुति दी। इसके पश्चात प्रबंध न्यासी मधु सिंघल ने अतिथियों एवं आगन्तुकों का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए अपने सभी प्रायोजकों, स्वयंसेवकों और शुभचिंतकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से ही संस्था ने अब तक का यह सफर तय किया है।

मित्र ज्योति की कार्यकारी निदेशक आशा श्रीधर ने संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दृष्टिबाधित समुदाय के लोगों को सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए वर्ष 2023-24 में संगठन की उल्लेखनीय उपलब्धियों और प्रमुख गतिविधियों के बारे में जानकारी दी।

वार्षिकोत्सव का मुख्य आकर्षण संस्था के संकल्पनिष्ठ समर्पित स्वयंसेवकों का उनके विशिष्ट योगदान के लिए सम्मान करने का कार्यक्रम रहा। इन स्वयंसेवकों का नि:स्वार्थ सेवा भाव से दिये जाने वाले योगदान की संगठन की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम के दौरान संस्था द्वारा संचालित डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम के 55वें बैच के सफल विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। इस पाठ्यक्रम की मदद से उन्हें सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निपुण बनने और उनके जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाने की दिशा में आसानी होगी।

34वें वार्षिकोत्सव कार्यक्रम के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों तथा संस्था से जुड़े स्वयंसेवकों ने मित्र ज्योति से जुड़े अपने अनुभवों को साझा किया। विद्यार्थियों ने कहा कि यहाँ आकर ज्ञानार्जन और प्रशिक्षण हासिल करने से उनके जीवन में सकारात्मक एवं प्रभावी बदलाव आया है।

मित्र ज्योति के दृष्टिबाधित विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने सबका मन मोह लिया।

गीत-संगीत से लेकर नृत्य और सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर केन्द्रित लघु नाटिकाओं के मंचन के माध्यम से सामाजिक उत्तरदायित्व का संदेश देने का सफल प्रयास किया गया। इस अवसर पर विद्यासागर गुप्ता, कांता सिंघल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

ऑनलाइन काव्य गोष्ठी में बरसे होली के रंग

मैसूर / शुभ लाभ ब्यूरो।

मैसूर की संस्था साहित्य मधुशाला द्वारा शनिवार को होली मिलन पर ऑनलाइन काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें देश विदेश के रचनाकारों ने अपनी रचनाओं से मंच को रंगीन बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बैंगलुरु के जाने माने साहित्यकार जैन राजेंद्र गुलेच्छा 'राज' ने दीप प्रज्वलन करके की । माँ सरस्वती की सुंदर वंदना जय माँ शारदे , संगीता चौधरी ने अपने कोकिल कंठ से की। कार्यक्रम का सुंदर संचालन संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती उषा जैन केडिया ने अपने चिर-परिचित अन्दाज़ में चार पंक्तियों के माध्यम से सबको बारी बारी से रचना प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित करके किया। कोलकाता से जुड़ी कवयित्री संगीता चौधरी ने 'फाग रमाओ रे' रचना के माध्यम से मंच को रंग दिया। कोलकाता से जुड़ी वरिष्ठ लेखिका हिम्मत चोरडिया ने 'हमे पीला दी भंग ' रचना प्रस्तुत कर मंच को हास्यरंग से सराबोर कर दिया।मशहूर बाँसुरी वादक दिलीप गांधी ने अपनी रचना 'तपती ये धरती' के माध्यम से पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश दिया। काठमाण्डू नेपाल के वरिष्ठ कवि जयप्रकाश अग्रवाल ने अपनी रचना के माध्यम से बताया 'नहीं सिर्फ़ त्यौहार है होली' । भिलाई से जुड़े कवि हरिप्रकाश गुप्ता ने 'आँखो से आँखो को देखा' रचना की सुंदर प्रस्तुति दी।जमशेदपुर से जुड़ी लक्ष्मीसिंग रूबी ने अपनी रचना में कृष्ण को प्रीत का रंग लगाने बरसाने बुलाया। नागपुर की लेखिका मीरा रायकवार ने 'भुला ना पाई रचना की सुंदर प्रस्तुति दी।

धूमधाम से मनाया होली स्नेह मिलन

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

माहेश्वरी सभा ने अपना पारंपारिक होली स्नेह मिलन कार्यक्रम बड़े ही धूम धाम से पैलेस ग्राउंड्स गेट नंबर 9 प्रिंसेस श्राइन में आयोजित किया। माहेश्वरी सभा के कार्यसमिति सदस्य मनमोहन बाहेती,अशोक भुतड़ा, माहेश्वरी युवा संघ के अध्यक्ष दीपक मंत्री,माहेश्वरी महिला संगठन की अध्यक्षा श्वेता बियानी, माहेश्वरी सौहार्द क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी लिमिटेड के उपाध्यक्ष महेशचंद रांधड़, माहेश्वरी फाउण्डेशन के चेयरमेन राजगोपाल भुतड़ा,माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के चेयरमेनमोहनलालज माहेश्वरी, माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष नवलकिशोर मालु एवम सभा के सम्माननीय वरिष्ठ सदस्य जगदीश प्रसाद बियाणी एवम तुलसीराम बजाज नेसर्व प्रथम भगवान महेश का पूजन किया,दीप प्रज्वलित

कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

श्वेता झंवर, मिनाक्षी झंवर, वंदना दरक, माधूरी सारड़ा, निधि साबू, श्रद्धा बागड़ी ने बहुत ही सुन्दर भगवान महेश की वन्दना प्रस्तुत की जिससे पूरा सभागार भाव विभोर हो गया।

नवल किशोर मालू ने अपने अध्यक्षीय उद्बोदन में कार्यक्रम में पधारे हुए सभी स्वजनों को होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा की आजकल एकल परिवार हो जाने के कारण समाज बंधुओ एंव युवाओं का समाज के प्रति लगाव कम होता जा रहा है। मेरा समाज बंधुओ से आग्रह है की समाज के कार्यक्रमों में बच्चों के साथ पधारे तभी हम अपनी संस्कृति को जीवित रख पायेंगे। उन्होंने समाज के स्वर्णिम वर्ष में पदार्पण की घोषणा करते हुए अनेक कार्यक्रमों की जानकारी दें।

माहेश्वरी सभा के स्वर्णिम वर्ष में पदार्पण के उपलक्ष में सभा के सभी पूर्व अध्यक्ष श्रीराम साबू, इन्दरचन्द बागड़ी, रामगोपाल मुंदड़ा, राजाराम भुतड़ा, नन्दकिशोर राठी, गौरीशंकर सारड़ा, विजयकुमार साबू, देवकीनन्दन डागा, बसंतकुमार सारड़ा, निवर्तमान अध्यक्ष नीर्मलकुमार तापड़िया एवम वर्तमान अध्यक्ष नवलकिशोर मालू द्वारा स्वर्णिम वर्ष के सुपर लोगो का अनावरण किया गया।

सभा सदस्य घनश्याम बागड़ी द्वारा सभा के 50 वर्ष का सफर बहुत ही सुंदर तरीके से बयां किया गया जिससे युवा पीढ़ी एवं नए सदस्य को भरपूर जानकारी मिली।

कार्यक्रम में मशहूर गायिका मुंबई से पधारी राखी फलोड टीम की और से होली के मस्ती भरे मधुर गीतों पर आधारित रंगारंग म्यूजिकल कार्यक्रम प्रस्तुत किया। सभागार में उपस्थित सदस्यों ने खूब आनंद लिया और हर एक गीत पर झूम उठे। सह सचिव राजेश मारु ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन पल्लवी गिलड़ा ने किया।

बेसहारा श्वानों को दूधदान

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री जिनदत्त कुशल सूरी जैन सेवा एवं संगीत मंडल बसवनगुडी द्वारा रविवार को रास्ते में फिरते बेसहारा मूक श्वानों के लिए दूधदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंडल के अध्यक्ष अरविन्द कोठारी ने दूधदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान करने वाले सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया। मंडल के मंत्री ललित डाकलिया ने कहा कि भीषण गर्मी के इस काल में जहां मनुष्य भी त्रस्त है वहां मूक बेसहारा प्राणियों के लिए भी जीवदया का भाव मन में रखते हुए श्वानों को एक समय के लिए थोड़ी देर के लिए साता पहुंचाने की भावना से ठण्डा दूध पिलाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जीवदया कार्यक्रम में अध्यक्ष अरविन्द कोठारी, उपाध्यक्ष अनिल भडकतिया, जीवदया संयोजक भरत कोठारी और कुणाल मरलेचा के साथ धीरज गोलेच्छा, हितेश गोलेच्छा, राजा बाबू पारेख, विनोद चोपड़ा, विनोद बाफना, नरेश मेहता, भरत कोठारी, गिरीश बोहरा, विकास बच्छावत, मनीष धारीवाल, राजेन्द्र कोठारी, हेमन्त गुलेच्छा ने सहयोग प्रदान किया।

शूले मित्र मंडल द्वारा होली स्नेह मिलन का आयोजन

मैसूर / शुभ लाभ ब्यूरो।

शूले मित्र मंडल द्वारा रविवार को समस्त शूले वासियों के लिए होली स्नेह मिलन कार्यक्रम, महावीर जैन भवन में आयोजित किया गया। शूले उपनगर के जैन और जैनेतर समाज के सभी स्त्री पुरुष और बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इसमें विशेष अतिथि के रूप में शूले संघ के अध्यक्ष देवराज चोपड़ा, शूले संघ के उपाध्यक्ष उत्तम चंद कोठारी, शांत क्रांति संघ के सज्जन राज चोपड़ा, हिंदी शिक्षण संस्थान के महामंत्री शांतिलाल चोपड़ा, जैन क्रांन्क्रेस के राजेंद्र मरलेचा, रत्न हितैषी संघ के पूर्व अध्यक्ष यशवंत राज सांखला, जैन शिक्षा समिति के इंदरचंद भंसाली, साधुमार्गी संघ कर्णाटक के महामंत्री महावीर चोपड़ा, सुधर्मा श्रावक संघ के कर्मठ कार्यकर्ता मनोहर लाल गादिया, शूले संघ के महामंत्री मनोहर लाल बंब, जीतो के प्रशिक्षक राजेन्द्र दुदेडिया, तेरापंथ समाज के प्रवीण सतीश मूथा, जैन युवा संगठन के प्रथम महामंत्री प्रेम कुमार कोठारी, शूले युवा संगठन के उत्साही युवा यशवंत राज खींचा,

ब्राह्मण समाज के प्रकाश कुमार शर्मा, सैन समाज के पुनमचंद सैन, श्राद्ध समाज के प्रसन्न कुमार श्राद एवं संस्कार जैन महिला मंडल शूले की सदस्याएं और क्रांति शूले बहू मंडल आदि कई गणमान्य सदस्य पधारें। सभी मेहमानों के लिए शूले मित्र मंडल की ओर से पहले ठंडाई पश्चात सुरुचिपूर्ण भोजन की व्यवस्था रहीं।

शूले कार्यालय प्रभारी आनंद शर्मा के सक्रिय सहयोग के लिए धन्यवाद दिया गया। इस शुभ अवसर पर कबूतरो के लिए बहुत से लोगों ने दिल खोलकर दान राशि लिखाई।

'उड़ान सपनों की' कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु / शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद टी दासरहल्ली द्वारा बेंगलूरु स्तरीय व्यक्तित्व विकास कार्यशाला 'उड़ान सपनों की' का आयोजन स्थानीय तेरापंथ सभा भवन में किया गया। आभातेयुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता मे कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यशाला का शुभारंभ सामूहिक मंगलाचारण से हुआ।

विजयगीत का संगान संस्थापक अध्यक्ष कन्हैयालाल गांधी एवं अनिल गादिया ने किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप पूर्व अध्यक्ष विमल कटारिया ने किया। तेयूप अध्यक्ष देवीलाल

गांधी ने पधारे हुए सभी का स्वागत किया। मुख्य वक्ता अमित सुराणा ने एक बच्चें की कहानी के माध्यम से जीवन को केसे जीना चाहिए और कठिनाइयों को पार करके केसे जीवन को संतुलित रखना चाहिए यह सिखाया और फिट युवा हिट युवा पर जोर देते हुए ज्यादा से ज्यादा रनिंग,कसरत, योगा करके अपने आप को फिट रखना चाहिए एवं सकारात्मक सोच के साथ जीवन जीना चाहिए। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने युवाओं को संकल्प लेने को कहा और आज से ही हैल्थ क्लब से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा फिट रहने को कहा। इस अवसर पर संभाग प्रमुख अमित दक, सभा अध्यक्ष लोकेश बोहरा, महिला मंडल अध्यक्षा नेहा चावत ने अपने विचार व्यक्त किए। इस कार्यशाला के प्रायोजक परिवार लादूलाल, रमेशकुमार, हसमुखकुमार, शुभम, सुरज बाबेल का सहयोग रहा। इस अवसर पर तेयूप परामर्शक लादूलाल बाबेल, प्रकाश गांधी, भगवतीलाल मांडोत, प्रवीण बोहरा, सामायिक के राष्ट्रिय प्रभारी राकेश दक, जैन संस्कार विधि के राष्ट्रीय सह प्रभारी विकास बांठिया, समिति सदस्य प्रदीप चोपडा, अभातेयुप परिवार, सभा परिवार, युवक परिषद, महिला मंडल, किशोर मंडल स्थानीय परिषदों के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। कार्यशाला का संचालन कार्यशाला संयोजक कन्हैयालाल गांधी ने किया। आभार ज्ञापन मंत्री दिलीप पितलिया ने किया।

हम जाति और धर्म के बजाय राजनीति के आधार पर कराएंगे चुनाव: शिवकुमार

भाजपा भ्रम का घोंसला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि नेतृत्व एक दिन में नहीं बनता। उन्होंने 40 से 50 साल तक लगातार काम किया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ऐसे नेताओं को अचानक छोड़ना एक कमजोर रणनीति है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, भाजपा भ्रम का घोंसला है। सदानंद गौड़ा जो बेंगलूरु उत्तर निर्वाचन क्षेत्र के सांसद थे, ने क्या गलत किया? टिकट क्यों छूट गया? दक्षिण कन्नड़ लोकसभा क्षेत्र के सांसद नलीन कुमार कटील, मैसूरु-कोडागु के सांसद प्रताप सिन्हा, को अचानक हटा दिया गया है। प्रताप सिम्हा ने हमारे विरुद्ध बहुत संघर्ष किया होगा, हमने भी उनकी आलोचना की होगी। लेकिन प्रताप सिम्हा एक वास्तविक योद्धा हैं। मुझे भाजपा की रणनीति समझ नहीं आ रही। यह बहुत ही कमजोर विचार है। मैं उनकी पार्टी से हटाए गए विभिन्न नामों का उल्लेख नहीं करने जा रहा हूं। उन्होंने कहा कि हमारी कांग्रेस में 30-40 साल की राजनीतिक बुनियाद को ध्यान में रखते हुए युवाओं को लोकसभा में लड़ने की

इजाजत दी गई है। राज्य स्तर पर बीजेपी-जेडीएस का गठबंधन है। लेकिन चन्नापटना विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ता एकजुट नहीं हैं। जब दिन निकलता है तो वे लड़ते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह वहां से रोड शो शुरू कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि राज्य के नेताओं ने स्थानीय स्तर पर दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को एकजुट क्यों नहीं किया और बैठक क्यों नहीं की। कुमारस्वामी मांड्या लोकसभा से चुनाव लड़ रहे हैं। कुमारस्वामी पहले से ही स्थानीय स्तर पर एक और उम्मीदवार तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी रोड शो हो, वहां की जनता जानती है कि डीके सुरेश क्या हैं। इससे पहले, जब निखिल कुमारस्वामी ने मांड्या लोकसभा चुनाव लड़ा था, तो हमने उन्हें जिताने के लिए ईमानदारी से प्रयास किया था। मैंने उन्हें चालुवरायस्वामी के घर जाने की सलाह दी। इस दौरे में सबसे आगे थीं अनिता कुमारस्वामी। लेकिन इन्हीं कुमारस्वामी ने अपनी पत्नी को रोक दिया था। अब कुमारस्वामी सबके घर जा रहे हैं। डीके शिवकुमार ने मुस्कुराते हुए कहा कि यह बदलाव स्वागत योग्य है। मैं मांड्या जिले की राजनीति देखता हूं तो घिन आती है। आज कुमारस्वामी बीजेपी से है, जिसने राज्य में जेडीएस और कांग्रेस की सरकार को हटा दिया था। मैंने कुमारस्वामी को राजनीतिक अमृत दिया। मैंने पीठ में छुरा नहीं मारा। जो लोग इस तरह की आलोचना कर रहे हैं उन्हें अपनी अंतरात्मा पर सवाल उठाने दीजिए। क्या यह जहर है कि 38 विधायकों वाले कुमारस्वामी को मुख्यमंत्री बना दिया गया? मैं बारिश में खड़ा रहा और मुंबई में कुमारस्वामी की सरकार को बचाने के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा भले ही उन्हें यह याद न हो, लेकिन उनकी पार्टी के कार्यकर्ता जानते हैं कि मैंने क्या किया। एक लड़की परिवार की आँख की तरह होती है। कांग्रेस पार्टी ने इस बार छह महिलाओं को टिकट दिया है। श्यामनूर शिवशंकरप्पा बूढ़े हैं। उन्होंने कहा हमने अपनी सरकार के सभी कार्यक्रम बालिकाओं की कठिनाइयों को ध्यान में रखकर बनाये हैं। वर्तमान संदर्भ में श्यामनूर शिवशंकरप्पा का बयान निंदनीय है। उन्होंने कहा कि हम जाति और धर्म के बजाय राजनीति के आधार पर चुनाव कराएंगे। कोलार जिले की सारी शिकायतें एक दिन में ठंडी हो गईं। मंत्री केएच मुनियप्पा समेत जिले के सभी विधायक कांग्रेस प्रत्याशी को जिताने के लिए सहमत हैं और काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी पक्का जीतेगी। उन्होंने कहा कि निजी चैनलों ने हाल ही में एक सर्वे कराया है। सबको यह संकेत मिल गया है कि एनडीए दोबारा सत्ता में नहीं आयेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार और कार्यक्रम लोकप्रिय हो गये हैं।

काम का मेहनताना मांग रहे

हम राजराजेश्वरी नगर निर्वाचन क्षेत्र के मंदिर से बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र के लिए चुनाव अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले विधानसभा चुनाव में हम इस सीट पर मामूली अंतर से हार गये थे। बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से विधायक डीके सुरेश कोविड के दौरान लोगों के बीच थे। उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर काम किया था। देश का कोई भी राजनेता घर से बाहर नहीं निकला था। अब आलोचक एचडी कुमारस्वामी भी घर पर थे। लेकिन डीके सुरेश ने सभी पड़ोसी राज्यों से खाना लाकर घर-घर पहुंचाया। उन्होंने न केवल सब्जियां खरीदकर किसानों की मदद की, बल्कि उन्हें लोगों तक पहुंचाया और उनकी दैनिक जरूरतों को भी पूरा किया। हम चुनाव में किसी की आलोचना नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि हम काम का मेहनताना मांग रहे हैं।

कांग्रेस ने चुनाव अधिकारियों को 40 स्टार प्रचारकों की सूची सौंपी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कांग्रेस ने पहले चरण में राज्य की 14 लोकसभा सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव अधिकारियों को सौंप दी है। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रियंका गांधी, रणदीप सिंह सुरजेवाला, जयराम रमेश, केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, पूर्व मुख्यमंत्री वीरप्पा मोइली, विधायक लक्ष्मण सावदी, युवा कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष बीवी श्रीनिवास, अभियान समिति के अध्यक्ष विनयकुमार सोराके, विधान परिषद सदस्य बीके हरिप्रसाद को स्टार प्रचारक नियुक्त किया गया है।

इसके अलावा मंत्रियों में केजे जॉर्ज, डॉ. जी परमेश्वर, एचके पाटिल, एमबी पाटिल, दिनेश गुंडुराव, कृष्णा भैरेगौड़ा, जमीर अहमद खान, मधु बंगारप्पा, सतीश जारकीहोली, ईश्वर खंड्रे प्रचारक हैं। आरवी देशपांडे, एचएम रेवन्ना, सिंधिया, डी. सोमशेखर, एल. हनुमंतैया, सैयद नसिर हुसैन, जीसी चंद्रशेखर, पीटी परमेश्वर नाइक, तनवीर सैत, पुष्पा अमर नाथ, उमाश्री और कुछ एआईसीसी नेता जैसे वरिष्ठ नेता स्टार प्रचारक हैं।

पुलिस बेंगलूरु में ई-स्कूटर के लिए नंबर प्लेट की कर रही मांग

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सड़क सुरक्षा बढ़ाने और चेन-स्नैचिंग और डकैती जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए, सरकार ने सभी वाहनों के लिए उच्च सुरक्षा पंजीकरण प्लेट (एचएसआरपी) अनिवार्य कर दी है। हालाँकि, बिना नंबर प्लेट प्रदर्शित किए चल रहे कुछ इलेक्ट्रिक स्कूटरों को लेकर चिंताएँ पैदा हो गई हैं। ई-बाइक द्वारा अक्सर यातायात नियमों का उल्लंघन करने की घटनाओं के बाद, बेंगलूरु सिटी ट्रैफिक पुलिस ने सरकार को पत्र लिखकर ई-स्कूटर के संबंध में आवश्यक बदलावों का आग्रह किया है। डीसीपी - ट्रैफिक (पूर्व) कुलदीप कुमार जैन ने कहा कम पावर आउटपुट वाले इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य होना चाहिए या विशिष्ट नियमों के अधीन होना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर) के अनुसार, 250 वाट से कम बिजली उत्पादन और 30 किमी प्रति घंटे से अधिक की अधिकतम गति वाले इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन इलेक्ट्रिक स्कूटर के वर्गीकरण के अंतर्गत आते हैं। इन वाहनों को चलाने के लिए लाइसेंस, हेलमेट या नंबर प्लेट की आवश्यकता नहीं होती है और ये आरटीओ के तहत पंजीकृत नहीं होते हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कानून प्रवर्तन अधिकारी ई-स्कूटर, जो ज्यादातर डिलीवरी एजेंटों द्वारा उपयोग किए जाते हैं, के लिए हेलमेट पहनने, यातायात नियमों का पालन करने और फुटपाथ पर सवारी न करने के लिए जागरूकता अभियान चला रहे हैं। चुनौतियों के बारे में बोलते हुए, डीसीपी ने कहा कि यदि ये साइकिलें यातायात नियमों का उल्लंघन करती हैं, तो उन्हें पहचाना नहीं जा सकता क्योंकि उनमें नंबर प्लेट नहीं हैं। उन्हें दंडित नहीं किया जा सकता क्योंकि वे मोटर वाहन नियमों या यातायात कानूनों के अंतर्गत नहीं आते हैं। हालाँकि, सरकार इन वाहनों को ई-स्कूटर मानती है, लेकिन इनसे संबंधित कानून में संशोधन लाने की जरूरत है। डीसीपी ट्रैफिक (पश्चिम) अनीता हदन्नावर ने कहा कि ई-स्कूटर, नियमित साइकिल की तरह, आमतौर पर नंबर प्लेट की आवश्यकता नहीं होती है, फिर भी सवारों को यातायात नियमों का पालन करना बाध्य होता है। उन्होंने आगे कहा, सरकार ई-स्कूटर पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रही है। हालाँकि इन वाहनों में विशिष्ट पहचानकर्ता हो सकते हैं, लेकिन उन्हें ट्रैक करना एक चुनौती हो सकता है, विशेष रूप से दृश्यमान पहचान मार्करों की कमी के कारण। सरकार ने पहुंच बढ़ाने और पेट्रोल और डीजल वाहनों पर निर्भरता कम करने के प्रयासों के तहत ई-स्कूटर की शुरूआत को अधिकृत किया है, जिससे प्रदूषण पर अंकुश लगाया जा सके और पर्यावरण के अनुकूल प्रथाओं को बढ़ावा दिया जा सके। हालाँकि, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाना और यातायात नियमों का उल्लंघन करना गैरकानूनी है। जबकि उच्च शक्ति क्षमताओं वाले इलेक्ट्रिक वाहन नंबर प्लेटों से लैस हैं, आरटीओ और सरकार को ई-स्कूटर के लिए नंबर प्लेट जारी करना अनिवार्य करना चाहिए, खासकर भविष्य में उनके उपयोग में अनुमानित वृद्धि को देखते हुए।

नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर: विजयेंद्र

चुनौती स्वीकार कर इसमें सफल होना होगा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता चरम पर है। हमारे कार्यकर्ताओं को मोदी की लोकप्रियता को वोट में बदलने की चुनौती स्वीकार करनी होगी और इसमें सफल होना होगा। वह रविवार को मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय, जगन्नाथ भवन में आयोजित भाजपा राज्य चुनाव विभाग और कानून विभाग की राज्य स्तरीय कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए बोल रहे थे। किसी कानूनी इकाई के लिए चुनाव के दौरान कांग्रेस के खिलाफ मामला दर्ज करना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। अपने विरोधियों को एक-दूसरे से दूरी पर रखना होगा। अन्यथा हड्डी रहित जीभ जो चाहेगी, वही बोलेगी। प्रदेश में कांग्रेस सरकार बदहाल स्थिति में है। यह कांग्रेस सरकार, जो केवल 9 महीने पहले सत्ता में आई थी, किसी भ्रम में थी। वह पिछले विधानसभा चुनाव में मिले अभूतपूर्व समर्थन से उत्साहित थी। कांग्रेसी आज धीरे-धीरे प्रबुद्ध हो रहे हैं। उन्होंने विश्लेषण किया कि राज्य के मुख्यमंत्रियों को तथ्यों के प्रति आश्वस्त किया जा रहा है। सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें जीतने की तैयारी में मुख्यमंत्री ने 10-15 मंत्रियों को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। हालांकि, कोई भी मंत्री लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार बनने को तैयार नहीं था। उन्होंने कहा कि मोदी की लोकप्रियता के कारण कोई भी मंत्री चुनाव न जीत पाने और जनता द्वारा खारिज किये जाने के डर से चुनाव में खड़ा होने को तैयार नहीं था। कांग्रेस पार्टी को इस बात का ज्ञान है कि वह झूठे प्रचार से लाभ नहीं उठा सकती। महज 9 महीने में ही कांग्रेस सरकार को सबसे खराब सरकार का नाम मिल गया है। लोग हताश हैं। उन्होंने कहा कि हमें केंद्र की बीजेपी सरकार की लोकप्रियता का इस्तेमाल करना चाहिए, क्योंकि कांग्रेस पार्टी डूबते जहाज की तरह है। इस अवसर पर विधि आयोग के राज्य समन्वयक वसंत कुमार ने कहा कि पिछले 12 दिनों में चुनाव आयोग को लगभग 25 शिकायतें सौंपी गई हैं।

कांग्रेसी गारंटी के कारण जीतने के भ्रम में

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के खिलाफ बोलने वाले शिवराज तंगदागी के खिलाफ कराटागी पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक बात करने वाले मुख्यमंत्री के बेटे यतींद्र सिद्धरामैया के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है। कांग्रेसी गारंटी के कारण जीतने के भ्रम में थे। अब कांग्रेस को 28 विधानसभा क्षेत्रों में से किसी पर भी जीत की कोई उम्मीद नहीं है।

विजयेंद्र ने विश्वास जताया कि बीजेपी-जेडीएस को सभी 28 निर्वाचन क्षेत्रों में लोकप्रिय समर्थन मिलेगा। इस मौके पर राष्ट्रीय चुनाव प्रबंधन समिति के सह-संयोजक अनिल कुमार, लक्ष्मण, चुनाव विभाग के प्रदेश प्रमुख दत्तगुरु हेगड़े, विनोद कुमार, राजशेखर, हर्ष मुतालिक और अन्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु में पिछले 15 सालों में सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजधानी बेंगलूरु में सूरज का तापमान 37 डिग्री सेल्सियस तकपहुंच गया, जबकि दोपहर में रायचूर जिले में सबसे अधिक तापमान 44.3 डिग्रीसेल्सियस दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक, बेंगलूरु में पिछले15 सालों में यह रिकॉर्ड तापमान वृद्धि है और अगले तीन दिनों के लिए पूरेकर्नाटक में लू की चेतावनी जारी की गई है। रायचूर जिले में 18 स्थान,कलबुर्गी जिले में 16 स्थान, बेल्लारी और यादगिर जिले में 5-5 स्थान, विजयपुर जिले में 3स्थान, बीदर जिले में 2 स्थान, कोप्पल और बागलकोट में 1-1 स्थान पर तापमान 42डिग्री सेल्सियस से ऊपर दर्ज किया गया। कलबुर्गी, रायचूर, विजयपुर, यादगिर,बागलकोट और कोप्पल समेत अन्य जगहों पर अलर्ट घोषित कर दिया गया है।एकमौसम अधिकारी ने कहा कि अगले दिन पूरे आंतरिक कर्नाटक में तापमान 2 से 3डिग्री सेल्सियस बढ़ जाएगा और राज्य के अधिकांश हिस्सों के लिए लू कीचेतावनी भी जारी की गई है। यह सलाह दी जाती है कि जब बहुत धूप हो तो बहुतअधिक धूम्रपान न करें। अगले महीने बेंगलूरु का सर्वकालिक रिकॉर्ड तापमान38.9 डिग्री सेल्सियस 22, 1931 को दर्ज किया गया था।

आरटीपीएस की 4 इकाइयां बंद, राज्य में बिजली की कमी की आशंका

रायचूर/शुभ लाभ ब्यूरो।

तकनीकी समस्याओं के कारण यहां शक्ति नगर स्थित आरटीपीएस बिजली उत्पादन केंद्र की चार इकाइयां बंद हो गई और बिजली उत्पादन में अंतर आ गया। यहां की 8 इकाइयों में से 4 खराब हो गई और अब दो की मरम्मत का काम चल रहा है। सूत्रों ने कहा कि इकाइयों पर तत्काल काम चल रहा है।

1720 मेगावाट की कुल बिजली उत्पादन क्षमता में से वर्तमान में केवल 903 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया गया है। यहां की इकाइयां, जो राज्य को लगभग 40 प्रतिशत बिजली की आपूर्ति करती हैं, पिछले दो वर्षों से बॉयलर ट्यूब रिसाव और बंकर समस्याओं से पीड़ित हैं। इस प्रक ार कुल चार इकाइयाँ 1, 2, 3 और 6 बंद हैं। फिलहाल कर्मचारी दूसरी 6ठी यूनिट की मरम्मत कर रहे हैं, लेकिन इसकी मरम्मत कब होगी, यह कहना संभव नहीं है। इसलिए अगले कुछ दिनों तक राज्य में बिजली की समस्या रहने की आशंका है।

अगर मंजूनाथ जीते तो देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में होगा अच्छा बदलाव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ. सी.एन. मंजूनाथ की पत्नी ने कहा कि अगर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाता उन्हें वोट देकर सशक्त बनाते हैं, तो देश में स्वास्थ्य क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आना निश्चित है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि उनके पति इस चुनाव में जीत हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अनुरोध और पूर्व सीएम कुमारस्वामी के आग्रह पर वे बीजेपी-जेडीएस गठबंधन के उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव में उतरे हैं। प्रतिस्पर्धा में आनंद भी है और कष्ट भी। राजनीति में आलोचना आती रहती है। वे बेहद संवेदनशील हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की चिंता है कि चुनाव कैसे निपटाया जाएगा। जब जयदेव अस्पताल के निदेशक थे, तब उन्होंने एक बड़ा अभियान चलाया और कई सुधार कदम उठाए। इस उपलब्धि के पीछे उनकी ताकत है। लेकिन लोकसभा चुनाव में उनकी जीत के लिए वे ताकत ही काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता को उन्हें अपनी ताकत देने की जरूरत है। उन्होंने वादा किया कि अगर मंजूनाथ चुनाव जीतते हैं तो वह निश्चित तौर पर जयदेव की तर्ज पर देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में बदलाव लाएंगे। उन्होंने कहा कि मंजूनाथ बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र में अलग तरह से प्रचार करेंगे। मौजूदा चुनाव की प्रचार शैली बदल गयी है। उसी के अनुरूप प्रचार कार्य करने की रणनीति बनाई जा रही है।

देश के 4 राज्यों में बारिश–तूफान से तबाही पश्चिम बंगाल में 4 की मौत, 100 घायल

असम एयरपोर्ट की छत गिरी, मिजोरम में ढही चर्च की इमारत

गुवाहाटी/ कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)।

देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, मिजोरम और मणिपुर में रविवार को अचानक आए तूफान और बारिश से काफी तबाही मची। वेस्ट बंगाल के जलपाईगुड़ी में चार लोगों की मौत हो गई और लगभग 100 लोग घायल हुए हैं। असम के गुवाहाटी में गोपीनाथ बोरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तेज बारिश से काफी नुकसान हुआ। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा गिर गया। फ्लाइट की आवाजाही को कुछ समय के लिए रोक दिया गया। वहीं छह फ्लाइट्स को डायवर्ट करना पड़ा। मिजोरम के चम्फाई जिले के लुंगटन गांव में एक चर्च की इमारत ढह गई। वहीं आइजोल जिले के सियालसुक में एक और चर्च की इमारत को नुकसान पहुंचा। इसके अलावा कुछ घर भी आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हुए हैं। उधर मणिपुर के थौबल और खोंगजोम इलाके में भी कई पेड़ उखड़ गए और घरों की टीन की छतें उड़ गईं।

पश्चिम बंगाल में तूफान और बारिश से काफी नुकसान हुआ है। अधिकारियों ने बताया, मैनागुरी के कई इलाकों में तेज हवाओं के कारण कई घर क्षतिग्रस्त हो गए, पेड़ उखड़ गए और बिजली के खंभे गिर गए। सबसे अधिक प्रभावित इलाकों में राजारहाट, बरनीश, बकाली, जोरपाकडी, माधबडांगा और सप्तीबारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि पुलिस और आपदा प्रबंधन के कर्मियों को तैनात किया गया है। प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, यह जानकर दुख हुआ कि आज दोपहर अचानक भारी बारिश और तूफानी हवाओं ने जलपाईगुड़ी–मयनागुड़ी के कुछ इलाकों में काफी नुकसान पहुंचाया। बनर्जी ने उन्हें आश्वासन देते हुए कहा कि वह प्रभावित परिवारों के साथ हैं। प्रशासन सभी पीड़ितों की हर तरह से सहायता प्रदान करेगी। जिला प्रशासन मौतों के मामले में परिजनों और घायलों को नियमों के अनुसार और एमसीसी (आदर्श आचार संहिता) का पालन करते हुए मुआवजा प्रदान करेगा। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी स्थिति का जायजा लेने और चक्रवात प्रभावित लोगों से मिलने के लिए जलपाईगुड़ी के लिए रवाना हो रही हैं। इसे देखते हुए, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी की कल की जलपाईगुड़ी यात्रा रद्द कर दी गई है। पार्टी ने इस बारे में जानकारी दी है।

गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे के बारे में वहां के सीएओ उत्पल बरुआ ने बताया कि भारी बारिश और तूफान के कारण एक पेड़ उखड़ गया है, जिसे टर्मिनल तक लोगों और ईंधन की आपूर्ति में बाधा आई है। इसके अलावा, मौसम की बदली दशाओं के कारण कुछ देर के लिए परिचालन को भी रोकना पड़ा। इतना ही नहीं, कई उड़ानों को भी डायवर्ट करना पड़ा है। बरुआ ने यह भी कहा कि बारिश और तूफान के कारण फोरकोर्ट एरिया में छत का एक हिस्सा भी टूट गया। इसके कारण पानी भी अंदर भर गया था। हालांकि किसी यात्री को कोई चोट नहीं आई है। सीएओ बरुआ ने कहा कि वे खुद हालात की जानकारी ले रहे हैं जिससे यात्रियों को किसी भी असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि तूफान और भारी बारिश के कारण दृश्यता कम हो गई और हमें छह उड़ानें डायवर्ट करनी पड़ीं हैं। इनमें इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस द्वारा संचालित उड़ानों को अगरतला और कोलकाता की ओर मोड़ दिया गया है।

भाजपा के 370 सीटों का टारगेट दक्षिण भारत करेगा पूरा : गडकरी

नागपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस विश्वास से भाजपा के 370 जीतने की बात कह रहे हैं, ये लक्ष्य दक्षिण भारत पूरा करेगा। भाजपा की देश में सबसे ज्यादा टीआरपी है। देश में विपक्षी नेताओं की तरफ से अपोजिशन को कमजोर करने की बात कही जा रही है। इस पर केंद्रीय मंत्री गडकरी ने कहा कि विपक्ष कमजोर हो या मजबूत, क्या ये हमारी जिम्मेदारी है? गडकरी ने एक न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ये भी कहा कि जब हमारी पार्टी बीजेपी की दो सीटें थीं और हमारी पार्टी की कमजोर स्थिति थी, तब किसी ने भी हमें सहानुभूति नहीं दी थी। अब मेरे दिमाग में कोई संशय नहीं है। भाजपा की अगुआई वाला एनडीए 400 का आंकड़ा पार करेगा। नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे, क्योंकि हमारी सरकार ने 10 साल में ठोस काम किया है।

गडकरी ने इस आरोप को खारिज किया कि केंद्र सरकार जांच एजेंसियों (ईडी, सीबीआई) को हथियार की तरह इस्तेमाल कर विपक्ष को कमजोर कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा के विरोधियों को इस तरह की बातें करने की बजाय लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करनी चाहिए। भाजपा आज जितनी मजबूत है, उसके लिए बीते सालों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की है।

भाजपा को 370 और एनडीए को 400 से ज्यादा सीटें कैसे मिलेंगी, इस पर गडकरी ने कहा कि इसके लिए आपको राज्यवार विश्लेषण की जरूरत नहीं है। भाजपा इस बार दक्षिण से सफलता का स्वाद चखेगी। पीएम मोदी के नेतृत्व में सरकार ने 10 साल में दक्षिण और नॉर्थ–ईस्ट में जबरदस्त काम किया है। इसके नतीजे मिलने शुरू हो गए हैं। गडकरी के मुताबिक, हमने तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में काफी काम किया है। पहले इन राज्यों में काफी कम मौजूदगी थी। अब हम तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में अच्छा करेंगे। उत्तर भारत में तो हम अच्छा कर ही रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, टीवी मीडिया में जिसकी टीआरपी ज्यादा होती है, उसे ज्यादा एडवर्टाइजमेंट, जिसकी टीआरपी कम होती है, उसे कम विज्ञापन मिलते हैं। आज हम सत्ताधारी पार्टी हैं, इसलिए हमें ज्यादा डोनेशन मिले। अगर कल कोई और पार्टी सत्ता में आती है तो उसे ज्यादा डोनेशन मिलेगा।

इलेक्टोरल बॉन्ड पर मैं कुछ नहीं बोलना चाहता, क्योंकि ये मुद्दा कोर्ट में है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सभी राजनीतिक दलों को साथ आना चाहिए। कुछ देशों में सरकार राजनीतिक दलों को पैसा देती है। मेरा मानना है कि हमारे पास भी कुछ विकल्प होना चाहिए।

जब कोई विपक्षी नेता भाजपा में आ जाता है तो उस पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप खत्म हो जाते हैं, इस पर गडकरी ने कहा– ऐसा नहीं है। कानून अपना काम कर रहा है।

जांच एजेंसियां सबूतों के आधार पर कार्रवाई करती हैं। एअर इंडिया भ्रष्टाचार मामले में एनडीए में शामिल एनसीपी नेता प्रफुल्ल पटेल को क्लीन चिट मिलने पर गडकरी ने कहा– इसका भाजपा या प्रधानमंत्री से कोई लेना–देना नहीं है। जांच में सच सामने आ जाएगा।

सीएए के नाम पर लोगों को डरा रही ममता बनर्जी : भाजपा

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव से ठीक पहले तमाम राजनीति दलों के बीच बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। जहां टीएमसी लगातार भाजपा सरकार को आड़े हाथ लेती रही हैं।

इस बीच, भाजपा ने रविवार को सीएम ममता बनर्जी पर सीएए के खिलाफ लोगों के मन में डर पैदा कर विभाजनकारी राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद और प्रवक्ता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि भाजपा निर्णायक तरीके से काम करती है, वहीं टीएमसी विभाजनकारी तरीके से काम करती है। उन्होंने कहा कि सीएए का उद्देश्य सही दावेदारों को नागरिकता का अधिकार देना है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, तीन तलाक को खत्म करने और

राम मंदिर की स्थापना की तरह, नरेंद्र मोदी सरकार ने अपने सभी वादे पूरे किए हैं।

भाजपा नेता समिक भट्टाचार्य ने कहा कि चाहे ममता बनर्जी सार्वजनिक रूप से कुछ भी कहें, वह अच्छी तरह से जानती हैं कि सीएए को बदला नहीं जा सकता है। इसके प्रति उनका विरोध वर्षों से बंगाल में काम कर रहे राष्ट्र–विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई न करने के उनके रुख से उपजा है। भाजपा इन सभी का भंडाफोड़ करेगी। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव शुरू होने दीजिए। जैसे–जैसे मतदान कई चरणों में प्रवेश करेगा, टीएमसी अधिक से अधिक असंगठित होगी। लोग अब उनके साथ नहीं हैं। केंद्र ने इस महीने की शुरुआत में नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 लागू किया था, जिसमें पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से भारत आने वाले बिना दस्तावेज वाले गैर मुस्लिम प्रवासियों के लिए तेजी से नागरिकता प्रदान करने के लिए संसद द्वारा कानून पारित किए जाने के चार साल बाद नियमों को अधिसूचित किया गया था। इससे पहले दिन में, ममता बनर्जी ने कृष्णानगर निर्वाचन क्षेत्र से अपने लोकसभा चुनाव अभियान की शुरुआत करते हुए लोगों को चेतावनी दी थी कि सीएए के तहत आवेदन करने पर उन्हें विदेशी के रूप में नामित किया जाएगा।

विश्व भारती यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पर यौन शोषण का आरोप

लड़कियों को मैसेज भेजे, लिखा– रात गुजारो तो एग्जाम पास करवा दूंगा

कोलकाता, 31 मार्च (एजेंसियां)।

विश्वभारती यूनिवर्सिटी की तीन छात्राओं ने एक गेस्ट प्रोफेसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। इनका आरोप है कि इस प्रोफेसर ने सेमेस्टर परीक्षा में पास कराने के बदले में शारीरिक संबंध बनाने की मांग की। यूनिवर्सिटी के फारसी, उर्दू और इस्लामिक स्टडी डिपार्टमेंट में पढ़ने वाली तीनों स्टूडेंट्स ने आरोप लगाया कि प्रोफेसर ने उन्हें वॉट्सएप पर अश्लील मैसेज भी भेजे और कई बार उन्हें गलत तरीके से छुआ। छात्राओं ने 28 मार्च को

शांतिनिकेतन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने बताया कि परीक्षा में फेल होने का डर दिखाकर उन्हें प्रताड़ित किया गया। छात्राएं सबूत लेकर थाने पहुंचीं। उन्होंने पुलिस को प्रोफेसर के भेजे मैसेज दिखाए। जिनमें उसने छात्राओं से अलग से मिलने और रात गुजारने की भी बात लिखी थी।

हालांकि, आरोपी प्रोफेसर ने विश्व भारती के छात्राओं की शिकायत को खारिज कर दिया। प्रोफेसर ने कहा– मैं इस वक्त बोलपुर में नहीं हूं। बाहर हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं जानता। मुझे फंसाया जा रहा है। वॉट्सएप पर अगर किसी छात्र को कोई मैसेज भेजा जाता है तो वह पढ़ाई को लेकर होता है। उनका किसी और से कोई रिश्ता नहीं है। मैं यहां इतने लंबे समय से पढ़ा रहा हूं। पहले कभी भी मेरे खिलाफ इस तरह के आरोप नहीं लगे।

यह पहला मौका नहीं है, जब विश्व भारती का नाम विवादों में आया है। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में स्थित शांतिनिकेतन को सितंबर 2023 में यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल किया गया। नवंबर में यूनिवर्सिटी में एक शिलापट्ट पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वाइस चांसलर का नाम लिखी पट्टिका लगाई गई, जिस पर जमकर विवाद हुआ था। 7 दिसंबर को विवादित पट्टिका को बदल दिया गया।

विश्व भारती यूनिवर्सिटी फैकल्टी एसोसिएशन के प्रवक्ता सुदीप्त भट्टाचार्य ने कहा कि आरोपों की जल्द से जल्द उचित जांच की जानी चाहिए। विश्व भारती के एक अधिकारी ने बताया कि अगर तीनों छात्राएं सेंट्रल यूनिवर्सिटी आईसीसी (आंतरिक शिकायत समिति) से संपर्क करती हैं, तो वह आरोपों पर गौर करेगी और उचित कार्रवाई करेगी। शांतिनिकेतन की शुरुआत रविंद्रनाथ टैगोर के पिता देवेंद्रनाथ टैगोर ने 1863 में एक आश्रम के तौर पर की थी। 1901 में रविंद्रनाथ टैगोर ने गुरुकुल सिस्टम पर आधारित स्कूल और आर्ट सेंटर में बदला। टैगोर ने 1921 में यहां विश्व भारती की स्थापना की, जिसे 1951 में सेंट्रल यूनिवर्सिटी और राष्ट्रीय महत्व का संस्थान घोषित किया गया। रविंद्रनाथ टैगोर ने यहां लंबा वक्त बिताया था। दुनिया भर में 1172 वर्ल्ड हेरिटेज प्रॉपर्टीज हैं। शांतिनिकेतन वर्ल्ड हेरिटेज लिस्ट में शामिल होने वाली भारत की 41वीं धरोहर है।

मुस्लिम लड़कियां और युवा भाजपा को देंगे वोट : सीएम हिमंत

गुवाहाटी, 31 मार्च (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व सरमा ने भरोसा जताया है कि इस लोकसभा चुनाव में मुस्लिम समुदाय की लड़कियां–महिलाएं और युवा भाजपा को वोट देंगे। उन्होंने कहा कि वे मुस्लिम समुदाय की महिलाओं और बच्चों के लिए राज्य में संघर्ष कर रहा हूं। मैं चाहता हूं कि बाल विवाह न हो और महिलाओं को संपत्ति का अधिकार मिले। इसलिए वे भाजपा को वोट करेंगे। आगे बोलते हुए उन्होंने यह भी दावा किया कि भाजपा सरकार में बिना रिश्वत दिए युवाओं को नौकरी मिली है। इसीलिए उनके राज्य के बेरोजगार युवा जिसमें मुस्लिम समुदाय के युवा भी शामिल हैं, वे भी उनकी पार्टी को वोट देंगे।

इस दौरान उन्होंने धुबरी लोकसभा सीट से वर्तमान सांसद बदरुद्दीन अजमल और कांग्रेस नेता कीबुल हुसैन पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि अगर संभव हो तो कांग्रेस और ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) दोनों के उम्मीदवार जीतें और असम के भविष्य के लिए दिल्ली जाएं। गैंडे के अवैध शिकार में कांग्रेस नेता की कथित संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए सीएम हिमंता ने कहा कि मैं रकीबुल हुसैन की जीत की उम्मीद कर रहा हूं। यदि वह दिल्ली जाते हैं, तो हमें काजीरंगा में इतनी बटालियन की जरूरत नहीं होगी। वहीं, अगर अजमल दिल्ली जाते हैं, तो हमारी कई मुस्लिम लड़कियों को कम उम्र में शादी नहीं करनी पड़ेगी।

सीएम हिमंता सरमा ने कहा कि मैंने उनके समाज को सुधारने की कोशिश की है। मुस्लिम समुदाय के युवा मुझे बहुत समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने मेरी बातों का स्वागत किया है, किसी ने आपत्ति नहीं जतायी है। उन्होंने यह भी दावा किया कि विपक्षी कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता इस चुनाव अवधि के दौरान सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल होते रहेंगे। गौरतलब है कि रकीबुल हुसैन असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई के कार्यकाल के दौरान वन मंत्री थे। उन पर काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में गैंडों के अवैध शिकार का आरोप लगाया गया था। वहीं, एआईयूडीएफ प्रमुख और धुबरी के मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल ने हाल ही में बाल विवाह के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सीएम सरमा पर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि भाजपा मुसलमानों को भड़काने की कोशिश कर रही है और यदि वह दोबारा शादी करना चाहते हैं, तो कोई उन्हें नहीं रोक सकता क्योंकि उनका धर्म उन्हें ऐसा करने की अनुमति देता है।

धोखाधड़ी के आरोप में निशिकांत दुबे के खिलाफ एफआईआर दर्ज

रांची, 31 मार्च (एजेंसियां)।

झारखंड के देवघर में धोखाधड़ी से मेडिकल कॉलेज को हड़पने के आरोप में भाजपा के गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे, उनकी पत्नी और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। वहीं, निशिकांत दुबे ने इन आरोपों से इनकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि अगर उनके खिलाफ लगाए गए आरोप साबित हो गए, तो वह राजनीति छोड़ देंगे। भाजपा सांसद पर लगे आरोपों के बारे में थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शिव दत्त शर्मा नामक व्यक्ति ने भाजपा सांसद और उनकी पत्नी समेत अन्य लोगों के खिलाफ जिले की जसीडीह पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि निशिकांत दुबे और उनकी पत्नी ने अपने ट्रस्ट बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट के जरिए उनके संस्थान परिट्रान मेडिकल कॉलेज और अस्पताल से संबंधित दस्तावेजों का दुरुपयोग करके नीलामी के माध्यम से उनके अस्पताल को हड़प लिया।

शर्मा ने एफआईआर में बताया था कि उन्होंने मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के लिए 93 करोड़ रुपये का ऋण लिया था, लेकिन मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा संस्थान के लिए मंजूरी नहीं मिलने के बाद, उनकी ऋण राशि को गैर–निष्पादित संपत्ति घोषित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि दुबे ने उनसे 20 लाख रुपये लिए थे और उन्हें वित्तीय संकट से बाहर निकालने की बात कही थी। लेकिन इसके बजाय उन्होंने पिछले साल दिसंबर में नीलामी के जरिए उसे हड़प लिया। आरोप लगाया गया है कि नीलामी के दौरान अकेले बाबा बैद्यनाथ मेडिकल ट्रस्ट ने बोली लगाई। यह ट्रस्ट भाजपा सांसद का है।

थाना प्रभारी रवि ठाकुर ने बताया कि गोड्डा सांसद और उनकी पत्नी सहित सात लोगों के खिलाफ मामले की सत्यता का पता लगाने के लिए जल्द ही जांच शुरू की जाएगी।

प्रकाश आंबेडकर की वीबीए ने की 11 और उम्मीदवारों की घोषणा

महा विकास आघाड़ी से नहीं बनी बात

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां)।

प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) ने रविवार को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए महाराष्ट्र से 11 उम्मीदवारों की अपनी दूसरी सूची घोषित की। इस सूची के बाद वीबीए के कुल 20 उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं। जिन सीटों पर वंचित बहुजन अघाड़ी (वीबीए) ने अपने

उम्मीदवार उतारे हैं उसमें हिंगोली, लातूर, सोलापुर, माधा, सतारा, धुले, हटकनंगले, रावेर, जालना, मुंबई उत्तर मध्य और रत्नागिरी–सिंधुदुर्ग शामिल हैं। इससे पहले, वीबीए ने पिछले सप्ताह नौ उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की थी। इस सूची में प्रकाश आंबेडकर को अकोला से मैदान में उतारा गया था। बता दें कि 2019 के आम चुनावों में वीबीए उम्मीदवार कई निर्वाचन क्षेत्रों में तीसरे स्थान पर रहे थे। जहां कांग्रेस या एनसीपी (अविभाजित) के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे थे। वहीं, हाल ही में महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाड़ी (एमवीए) के साथ तालमेल नहीं बनने पर वंचित बहुजन आघाड़ी (वीबीए) ने साफ किया था कि वे जल्द ही एक नया गठबंधन बनाएंगे।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आपका साथ और सहयोग हमारा सम्बल है

हिंदी दैनिक 'शुभ–लाभ' के सुधि पाठकों, विज्ञापनदाताओं, सहयोगियों और शुभेच्छुकों को नए वित्तीय वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं...
यह उम्मीद और विश्वास है कि विगत वर्षों की भांति आप सबका स्नेह और सहयोग यथावत बना रहेगा।
सधन्यवाद...

गोपाल अग्रवाल
चेयरमैन,
शुभ–लाभ प्रकाशन समूह

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान आज से

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की शुरुआत पहली अप्रैल (सोमवार) से हो रही है। 30 अप्रैल तक चलने वाले इस अभियान के दौरान संचारी यानी वेक्टरजनित रोगों को नियंत्रित करने के लिए विविध गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसके लिए योगी सरकार ने विभिन्न विभागों को दायित्व सौंपे हैं। स्वास्थ्य विभाग के साथ 12 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से यह अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश सरकार ने लोगों से भी अपील की है कि अभियान को सफल बनाने में सहयोग करें। साथ ही उन स्थानों से भी स्वास्थ्य विभाग की टीम को अवगत कराएं, जहां मच्छर पनपते हैं।

शासन ने बढ़ते तापमान को देखते हुए वेक्टरजनित और जलजनित रोगों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किये हैं। इसके तहत गर्मी से संबंधित रोगों के बारे में विभिन्न विभागों के परस्पर समन्वय से प्राथमिकता के आधार पर भीड़भाड़

वाले स्थानों पर लोगों के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल की व्यवस्था के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही गर्मी से बचाव के लिए शेल्टर्स की सुविधा, व्यस्त स्थानों पर मौसम के पूर्वानुमान तथा तापमान का डिस्प्ले करने को कहा गया है। हीट वेब से बचाव के लिए किए जाने वाले उपायों को विद्यालयों एवं आम जनमानस में भी व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश जारी किये गये हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2025 तक मलेरिया उन्मूलन का लक्ष्य पाने के लिए इस वर्ष 2024 के अंत तक यूपी के 15 जिलों को पूर्ण रूप से मलेरिया मुक्त किया जाना निर्धारित है। यह जिले अमेठी, चंदौली, सहारनपुर, मथुरा, चित्रकूट, महोबा, रायबरेली, मैनपुरी, ललितपुर, बस्ती, गाजीपुर, आजमगढ़, देवरिया, जालौन और अंबेडकरनगर हैं।

प्रदेश के सभी जिलों में 10 से 30 अप्रैल तक दस्तक अभियान भी चलेगा। इसके तहत स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर साफ-सफाई और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करेंगे। आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, इंफ़्लुएंजा लाइक इलनेस (आईएलआई), फाइलेरिया, काला जार, कुष्ठ रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों, कुपोषित बच्चों का नाम, पता, मोबाइल नंबर सहित सम्पूर्ण विवरण ई-कवच पोर्टल पर अपलोड करेंगी। साथ ही क्षेत्रवार घरों की सूची जहां मच्छरों का प्रजनन पाया गया है, इसका विवरण निर्धारित प्रपत्र पर भरकर संबंधित अधिकारी को उपलब्ध कराएंगी। स्वास्थ्य विभाग के साथ 12 अन्य विभागों के संयुक्त प्रयास से संचारी और दस्तक अभियान चलाया जाएगा। इसमें स्वास्थ्य विभाग, ग्राम्य विकास विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज विकास विभाग, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग, सिंचाई विभाग, पशुपालन विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, माध्यमिक शिक्षा विभाग, दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, वाणिज्य कर-मनोरंजन विभाग तथा सूचना जनसम्पर्क विभाग शामिल है। स्वास्थ्य विभाग नोडल विभाग की भूमिका में होगा।

अभियान के दौरान जिलों में आयुष्मान भारत हेल्थ एकाउंट (आभा आईडी) भी बनाई जाएगी। इससे मरीजों के उपचार करने में सुविधा रहेगी। स्वास्थ्य विभाग के पास यह भी जानकारी रहेगी कि मरीज का किस बीमारी का कब इलाज हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ अभियान की लगातार मानीटरिंग करेंगे। किस विभाग ने क्या और कितना काम किया, इस पर भी निगाह रखी जाएगी।

सादाबाद विधायक प्रदीप चौधरी को दो माह कैद की सजा

हाथरस, 31 मार्च (एजेंसियां)। सादाबाद विधायक प्रदीप कुमार चौधरी उर्फ गुड्डू भैया को आदर्श आचार संहिता एवं कोविद-19 के दिशा निर्देशों के उल्लंघन के मामले में अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के न्यायालय ने दोषी करार देते हुए दो माह कैद की सजा सुनाई है। न्यायालय ने विधायक पर अर्थदंड भी लगाया है। अर्थ दंड न देने पर अतिरिक्त कारावास भोगना होगा। हालांकि विधायक को न्यायालय ने उक्त मामले में जमानत दे दी है।

अभियोजन पक्ष की ओर पैरवी करने वाले अभियोजन अधिकारी कृपाशंकर यादव ने बताया कि तत्कालीन एफएसटी प्रभारी सोहन सिंह पुत्र श्याम लाल ने थाना सादाबाद में मुकदमा दर्ज कराया था। इसमें कहा था कि 19 फरवरी 2022 को सुबह समय करीब 10:15 बजे प्रदीप कुमार चौधरी उर्फ गुड्डू भैया पुत्र किरण सिंह निवासी ग्राम टिकैत थाना सादाबाद प्रत्याशी राष्ट्रीय लोक दल विधानसभा सादाबाद के द्वारा अपने समर्थक करीब 100 से 150 व्यक्तियों के साथ प्रचार प्रसार ग्राम अरौठा में किया जा रहा था। इनके द्वारा आदर्श आचार संहिता एवं चुनाव आयोग के दिशा निर्देशों व जिलाधिकारी हाथरस के द्वारा धारा 144 एवं कोविड-19 का उल्लंघन भी किया गया। इस मामले में थाना सादाबाद में मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचक ने विवेचना करते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। इस मामले की सुनवाई अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट इंद्रेश के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने शनिवार को आरोपी प्रदीप चौधरी उर्फ गुड्डू को दोषी करार देते हुए आईपीसी की धारा 188 के तहत एक माह कैद की सजा सौ रुपये का अर्थदंड,आईपीसी की धारा 269 के तहत दो माह का कारावास एक हजार रुपये का अर्थदंड लगाया है।

रामपुर में बोले केशव प्रसाद : सपा होगी सफा

प्रदेश में सभी 80 सीटें जीतेंगे मोदी फिर से बनेंगे पीएम

रामपुर, 31 मार्च (एजेंसियां)। प्रदेश में सपा अब सफा होगी जबकि प्रदेश में सभी 80 सीटें भाजपा जीतेगी। लोकसभा चुनाव में रामपुर क्षेत्र के स्वार विधानसभा की मसवासी नगर पंचायत में बूथ अध्यक्ष व पन्ना प्रमुखों का सम्मेलन में उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ये बात कही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने विपक्षी पार्टी सपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की रीड की हड्डी हैं। आप लोगों पर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। हमारा सबसे मजबूत कार्यकर्ता बूथ का अध्यक्ष होता है, जिसके ऊपर अपना बूथ जीतने की जिम्मेदारी होती है।

मैं पन्ना प्रमुखों को कहना चाहूंगा कि पार्टी के पक्ष में वोट करने के लिए सभी वोटरों को घर से बूथ तक पहुंचाना है। कोई भी वोट छूटना नहीं चाहिए। आपका डलाया एक-एक वोट हमें चुनाव में विजयी बनाएगा और हम भारी मतों से रामपुर लोकसभा की सीट जीतेंगे।

आप सभी के जोश और उत्साह को देखकर मुझे विश्वास हो गया है कि हम लोकसभा का चुनाव तो जीत ही रहे हैं। मोदी को लेकर जो लक्ष्य हम लोगों ने लिया है वह भी निश्चित पूरा करेंगे। हम अपने यूपी की सभी 80 सीट जीतकर नरेंद्र मोदी के दिए हुए 400 प्लस के लक्ष्य को हम निश्चित प्राप्त करेंगे।

सम्मेलन में स्वार विधानसभा के समस्त सम्मानित बूथ अध्यक्षों, बूथ समिति के पदाधिकारी, पन्ना प्रमुखों , सेक्टर संयोजकों , सेक्टर प्रभारी के साथ चुनाव प्रभारी हरि सिंह ढिल्लों, सह प्रभारी मंजू दिलेर, जिला प्रभारी राजा वर्मा, जिला अध्यक्ष हंसराज पप्पू, राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, सांसद प्रत्याशी घनश्याम सिंह लोधी, विधायक राजबाला, आकाश सक्सेना, शफीक अहमद, संयोजक सुरेश गंगवार सहित मौजूद रहे।

टेंपो की टक्कर से सेवानिवृत्त रोडवेजकर्मी की मौत

मैनपुरी, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में शनिवार को टेंपो की टक्कर लगने से घायल हुए सेवानिवृत्त रोडवेजकर्मी की मौत हो गई। रविवार की सुबह शव सीएचसी के बाहर मिला। परिजन की तहरीर पर पुलिस ने टेंपो चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर जांच व कार्रवाई शुरू कर दी है।

मामला बेवर थाना क्षेत्र के सैदपुर रंपुरा गांव का है। गांव निवासी सेवानिवृत्त रोडवेजकर्मी 88 वर्षीय वीरेंद्र सिंह शनिवार की दोपहर कस्बा स्थित एक बैंक में आए थे। दोपहर के समय बैंक आफ इंडिया के सामने खड़े थे। तभी मार्ग से गुजर रहे टेंपो ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में घायल वृद्ध को स्थानीय लोगों ने टेंपो में बैठा सीएचसी भेजा था। लेकिन, टेंपो चालक इधर उधर घुमाता रहा। वीरेंद्र सिंह को भोगांव सीएचसी के बाहर छोड़कर चला

गया।

रविवार की सुबह वृद्ध का शव सीएचसी के पास मिला। जानकारी मिलने के बाद परिजन ने मौके पर पहुंच कर पहचान की। सूचना मिलने के बाद पुलिस भी आ गई। मृतक के पुत्र चंद्र भूषण सिंह ने टेंपो चालक सतीश सिंह निवासी बीलपुर खास के लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। तहरीर के आधार पर पुलिस ने टेंपो चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी है। रविवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद अंतिम संस्कार के लिए परिजन के सुपुर्द कर दिया।

मौलाना की कम नहीं हो रहीं मुश्किलें

तौकीर रजा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कोर्ट में अर्जी

बरेली, 31 मार्च (एजेंसियां)। बरेली में इत्तेहादे मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के खिलाफ धार्मिक भावनाएं भड़काने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए सीजेएम (मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट) कोर्ट में अर्जी दी गई है। कोर्ट ने इस मामले में पुलिस से रिपोर्ट मांगी है।

अधिवक्ता वीरेंद्र पाल गुप्ता ने कोर्ट में अर्जी देकर कहा कि मौलाना तौकीर रजा खां आला हजरत परिवार से ताल्लुक रखते हैं, जिनका समाज में खासा प्रभाव है। हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद विपक्षी ने धार्मिक भावनाएं भड़काने के लिए राष्ट्र विरोधी बयान दिए। नौ फरवरी 2024 को शहर में धारा 144 लागू होने के दौरान जुमे की नमाज के बाद मार्च

व सामूहिक गिरफ्तारी का ऐलान करके भीड़ को इकट्ठा करने की योजना बनाई।

इस दिन शहर में बवाल हुआ जो भड़काऊ बयानों का परिणाम था। कोर्ट से मौलाना तौकीर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराने की प्रार्थना की गई है। कोर्ट ने इस पर पुलिस से रिपोर्ट मांगते हुए सुनवाई के लिए 16 अप्रैल की तारीख तय की है।

बता दें कि 2010 के बरेली दंगे को लेकर मौलाना तौकीर रजा को पिछले दिनों कोर्ट ने मास्टरमाइंड बताया था। उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किए गए थे। वह हाईकोर्ट गए तो वहां से ट्रायल कोर्ट में 27 मार्च को हाजिर होने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद मौलाना कोर्ट में हाजिर नहीं हुए थे। पेशी से एक दिन पहले ही वह दिल्ली के अस्पताल में भर्ती हो गए।

तौकीर रजा ने बीमारी का हवाला देकर अपने अधिवक्ता के जरिए अदालत में अर्जी लगवाई, जिसे कोर्ट ने लेने से इन्कार कर दिया। कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जा सकता है। फिलहाल, न्यायालय ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख एक अप्रैल नियत की है।

आडवाणी जी के राष्ट्र-प्रथम की भावना का सम्मान है भारत-रत्न : योगी

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व उप प्रधानमंत्री व गृहमंत्री लालकृष्ण आडवाणी को रविवार को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी।

योगी ने कहा, यह अलंकरण उनकी लोक-निष्ठा, राष्ट्र-प्रथम की भावना और एक भारत-श्रेष्ठ भारत के निर्माण में उनके अविस्मरणीय योगदानों का सम्मान है।

आज बुलंदशहर आएंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रबुद्ध वर्ग के सम्मेलन को करेंगे संबोधित

बुलंदशहर, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को बुलंदशहर के निकुंज हॉल में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करेंगे। इसके लिए भले ही साढ़े चार हजार लोगों को बुलाने का दावा किया जा रहा है लेकिन कार्यक्रम हॉल में करीब 1700 कुर्सियां ही लगाई गई हैं।

सोमवार को मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ दोपहर एक बजे निकुंज हॉल में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री का हैलीकॉप्टर पुलिस लाइन में उतरेगा और उसके बाद कार से सीधे कार्यक्रम स्थल ले जाया जाएगा।

कार्यक्रम में भाजपाइयों की ओर से चिकित्सक, शिक्षक, चार्टर्ड एकाउंटेंट, अधिवक्ता समेत अन्य वर्ग के लोगों को आमंत्रित किया है। लोकसभा चुनाव के लिए भले ही आचार संहिता लागू है लेकिन प्रशासनिक अधिकारी भी दबे पांव मुख्यमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कराने में जुटे हुए हैं।

कार्यक्रम की तैयारी को लेकर नगर पालिका की स्प्रिंकलर गन से रविवार को कार्यक्रम स्थल के आसपास छिड़काव कराया गया। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों ने भी सफाई कराई गई है। बताया जा रहा है कि दोपहर एक बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पास दिया जाएगा। बिना पास के किसी भी व्यक्ति को कार्यक्रम हॉल में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। भाजपा जिलाध्यक्ष विकास चौहान ने बताया कि कार्यक्रम को लेकर तैयारी पूरी हो चुकी हैं। प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले की सुनवाई आज

प्रयागराज , 31 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट में सोमवार को श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले की सुनवाई होनी है। दोपहर दो बजे से कोर्ट नंबर 89 में सुनवाई होनी है। अभी मुस्लिम पक्ष की ओर दलीलें दी जा रही हैं। इसके बाद हिंदू पक्ष की ओर अपना पक्ष रखा जाएगा। पिछली सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन के समक्ष मुस्लिम पक्ष की ओर से सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता तसनीम अहमदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बहस की थी। सिविल वादों पर मस्जिद पक्ष के अधिवक्ता नसईरूज्जमा, मंदिर पक्ष के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन, अधिवक्ता हरे राम त्रिपाठी, प्रदीप शर्मा, महेंद्र प्रताप सिंह, न्यायमित्र वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष गोयल कोर्ट में मौजूद थे। वाद संख्या चार श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष पांडेय ने दाखिल अर्जी पर पक्ष रखते हुए कहा था कि शाही ईदगाह मस्जिद परिसर में स्थित श्रीकृष्ण कूप में वर्षों से बासोदा पूजा होती आ रही है।

यूपी के ट्रांसजेंडर भी वोटरों को करेंगे जागरूक

इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर-डे पर गोण्डा में हुई पहल

लखनऊ/गोण्डा, 31 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ट्रांसजेंडर भी अब मतदाताओं को जागरूक करेंगे। इसके लिए वो निर्वाचन आयोग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। इस पहल की शुरुआत जनपद गोण्डा से होने जा रही है। रविवार को इंटरनेशनल ट्रांसजेंडर डे ऑफ विजिबिलिटी के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा ट्रांसजेंडर सवांद का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर्स ने अपने विचार भी रखे और मतदाता जागरूकता अभियान में सक्रिय योगदान देने हेतु आश्वासन भी दिया।

अमृता सोनी एवं पूजा मिश्रा ने अपने सभी ग्रुप समेत लगभग 22 ट्रांसजेंडर्स के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के

दौरान ट्रांसजेंडर ग्रुप की मुखिया अमृता सोनी ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विभिन्न प्रकार के सुझाव प्रस्तुत किये।

साथ ही उन्होंने कहा कि हम सभी लोग गांव में शहरों में तथा अन्य सभी स्थानों पर कार्यक्रम के लिए जाते हैं और हम लोग जनपद में अब मतदान प्रतिशत बढ़ाने के संबंध में विभिन्न प्रकार के नुक्कड़ नाटक एवं अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। सभागार में आयोजित स्वीप कार्यक्रम में उपस्थित सभी ट्रांसजेंडरों ने अपने-अपने विभिन्न प्रकार के सुझाव रखे तथा उन्होंने प्रशासन से अपने सुविधाओं के संबंध में कई अन्य मांग को भी प्रस्तुत किया।कार्यक्रम में ट्रांसजेंडर पूजा मिश्रा ने कहा कि हम प्रशासन को आश्वस्त करते हैं कि जिलाधिकारी की इस अनूठी पहल के संबंध में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करेंगे। साथ ही हम सभी लोग भी बढ़-चढ़कर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

ट्रांसजेंडर संवाद में डीएम नेहा शर्मा ने कहा कि ट्रांसजेंडर कम्युनिटी का आम जनता से जुड़ाव बहुत ही अच्छा है। अन्य वालंटियर के मुकाबले ट्रांसजेंडर आमजन से ज्यादा जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा कि जनपद में 25 लाख से अधिक मतदाता है। उसमें से 97 ट्रांसजेंडर कम्युनिटी के मतदाता हैं। उन्होंने कहा कि भारत में होने वाला लोकसभा चुनाव दुनिया का सबसे बड़ा चुनाव है। इसमें ट्रांसजेंडर कम्युनिटी का भी अहम रोल है। उन्होंने सभी ट्रांसजेंडर वोटरों को 20 मई का मतदान करने के अपील की। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग सभी लोगों को चुनाव में शामिल करने पर जोर दे रहा है।

कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रश्मि वर्मा, मुख्य राजस्व अधिकारी महेश प्रकाश, नगर मजिस्ट्रेट विजय शर्मा, उप जिलाधिकारी सदर गोंडा अवनीश त्रिपाठी, डिप्टी कलेक्टर नेहा मिश्रा, जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश चौधरी, नायब तहसीलदार देवेंद्र कुमार, अपर जिला पंचायत राज अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित थे।

चौधरी साहब को भारत रत्न राष्ट्र के नवनिर्माण में असाधारण योगदानों का अभिनंदन है: योगी

लखनऊ, 31 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह, पीवी नरसिंह राव, कृषि वैज्ञानिक डॉ. एमएस स्वामीनाथन व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर को मरणोपरांत उनके परिजनों को शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश की समृद्धि का रास्ता गांव के खेत एवं खलिहानों से होकर जाता है, कहने वाले के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को मरणोपरां नई दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा प्रदान किया गया भारत रत्न सम्मान राष्ट्र के नव-निर्माण में उनके असाधारण योगदानों का अभिनंदन है। गांव, गरीब, वंचित, शोषित और अन्नदाता किसानों के समग्र उत्थान को समर्पित चौधरी साहब के अविस्मरणीय कार्यों ने भारतीय राजनीति को उत्कृष्ट लोकतांत्रिक मूल्यों से सुवासित किया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को भारत रत्न मिलने पर हर्ष जताया। सीएम ने कहा कि

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी द्वारा नई दिल्ली में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव को मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया जाना उनके कुशल नेतृत्व और लोक-कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सम्मान है। उनसे भारत के आर्थिक विकास को नई दिशा प्राप्त हुई। भारत को समृद्ध और उन्नत बनाने में उनके योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान कृषि वैज्ञानिक, हरित क्रांति के जनक डॉ. एमएस स्वामीनाथन को भारत रत्न से विभूषित किए जाने पर कहा कि डॉ. स्वामीनाथन की दृढ़ प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता से भारत में कृषि के उत्थान एवं अन्नदाता किसानों की समृद्धि व खुशहाली के एक नए युग की शुरुआत हुई।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित किए जाने को योगी ने गौरवपूर्ण क्षण बताया। उन्होंने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर का पूरा जीवन सामाजिक न्याय को समर्पित रहा उनका पूरा जीवन भारतीय राजनीति के लिए सदैव एक आदर्श प्रतिमान रहेगा।

पैरासेटामॉल से बेहतर पेनकिलर है बीयर, नई रिसर्च का दावा

लंदन। बियर पीने वालों के लिए एक अच्छी खबर है। नई रिसर्च में दावा किया गया है कि आमतौर पर दर्द में राहत दिलाने के लिए इस्तेमाल होने वाली दवा पैरासेटामॉल से कहीं बेहतर पेनकिलर बियर साबित हो सकती है। यूके स्थित ग्रीनविच यूनिवर्सिटी के 400 लोगों पर किए गए 18 रिसर्च में यह खुलासा हुआ है।

रिसर्च में पाया गया कि बियर पीने से या तो दर्द का अहसास घट जाता है क्योंकि बियर ब्रेन रिसेप्टर्स पर काम करती है या फिर यह चिंता घटाने में मदद करती है। इसकी वजह से परेशानी की तीव्रता कम हो जाती है। यही वजह से कि जितनी ज्यादा बियर पी जाएगी, दर्द का अहसास उतना ही कम होगा।

कोडेन जैसे ड्रग्स से तुलना : 'द सन' को दिए गए बयान में ग्रीनविच यूनिवर्सिटी के ट्रेवर थॉमसन ने कहा, हमने तगड़े सबूत पाए हैं कि ऐल्कॉहॉल प्रभावी पेनकिलर है। इसकी तुलना कोडेन जैसे ओपिऑयड ड्रग्स से की जा सकती है जो कि पैरासेटामॉल की तरह ही असरदार है।

चिंता कम होती है : अगर खून में .08% ऐल्कॉहॉल है, तो दर्द में काफी कमी आती है। विशेषज्ञ इसके पीछे का कारण खोजने में जुटे हैं। इसकी एक वजह उन्हें यह लगती है कि ऐल्कॉहॉल चिंता कम करता है, जिसके कारण दर्द की तरफ हमारा ध्यान नहीं जाता।

सौंदर्य

ब्राइडल हेयरस्टाइल: ट्रेंड बदल रहा है

दुल्हन की हेयरस्टाइल में समय के साथ बदलाव आ रहा है। जहां पहले लहंगा चोली के साथ केवल जूड़ा बांधा जाता था, वहीं अब कई तरह के ट्रेंड छाए हुए हैं। इसमें हिट हैं हेयर कलरिंग और हेयर एक्सटेंशन्स। साथ ही बालों की शाइनिंग बढ़ाने और उन्हें हेल्थी दिखाने के लिए मॉर्डन ब्राइड कैराटिन हेयर स्पा को तवज्जो दे रही हैं।

हेयर कलरिंग और एक्सटेंशन्स

अपने लुक में बिंदास बदलाव लाने के लिए भावी दुल्हनें हेयर कलरिंग और हाइलाइटिंग करवाना पसंद कर रही हैं। अगर आप भी यह करा रही हैं तो इस बात का खयाल रखें कि बालों का कलर आपकी त्वचा और आंखें के रंगों के साथ जंचता हुआ हो। हेयर कलर शादी के दिन से कम से कम 15 दिन पहले करवाया जाना सही रहता है। जो दुल्हनें बालों को कलर नहीं करवाना चाहतीं, वे रंगबिरंगे हेयर एक्स्टेंशन्स का इस्तेमाल करती हैं, जिनमें नैचरल बालों को दूसरे रंग के बालों से जोड़ दिया जाता है।

कैराटिन हेयर स्पा

बालों को तुरंत शाइनिंग देने में काम आता है कैराटिन हेयर स्पा। डैमेज बालों को हेल्दी बनाने में भी यह मदद करता है। इस स्पा के बाद बालों में आई शाइनिंग आपके लुक को कई गुना अट्रैक्टिव बना देती है। हां, इस बात का ध्यान रखें कि कोई भी तरीका अपनाने से पहले उसके बारे में ब्यूटिशियन से पूरी जानकारी लें।

फ्लावर्स और अक्सेसरीज का यूज

इन दिनों झीनी और हल्की चुन्नियों की मांग है, जिन्हें ड्रेस के साथ केवल सिर पर टिका दिया जाता है, इसलिए बालों का खूबसूरत स्टाइल और हेयर अक्सेसरीज़ दोनों ही बातों पर खास ध्यान दिया जा रहा है। बालों को संवारने के लिए ऑर्किड, गुलाब या जैस्मिन जैसे फूलों के अलावा स्टड्स व क्रिस्टल अक्सेसरीज़ का इस्तेमाल किया जा रहा है।

टेक्स्चर्ड हेयर्स

मेहंदी या कॉकटेल के अवसर पर टेक्स्चर्ड हेयर्स और शादी के दिन बालों को पीछे की ओर किए हुए स्टाइल्स पसंद किए जा रहे हैं। अलग-अलग रस्मों के अवसर पर अलग-अलग स्टाइल्स, जैसे- चोटी, जूड़ा या सॉफ़्ट वेव्स का इस्तेमाल बढ़ा है।

विग का ट्रेंड

विग खरीदने से पहले देख लें कि वह आपके सिर में फिट हो रहा है या नहीं। ये दो तरह के होते हैं - इंसानों के बाल से बने विग और सिंथेटिक बाल से बने विग. दोनों के ही अपने-अपने नुकसान और फायदे हैं। अगर आप केवल शादी के पर्पज ही विग खरीदना चाहती हैं सिंथेटिक बालों का ही विग लें। इसकी लाइफ करीब तीन महीने होती है और यह आपको ज्यादा महंगा भी नहीं पड़ेगा।

गर्मी की छुट्टियों में कूल-कूल लर्निंग

बच्चों को समर वेकेशन का इंतजार शिद्दत से रहता है, तो उनके पैरंट्स के लिए ये छुट्टियां बहुत से मौके लेकर आती हैं। होमवर्क और असाइनमेंट की चिंता से दूर बच्चे इस दौरान क्रिएटिव लर्निंग की ओर ध्यान दे सकते हैं।

हर बार की तरह इस बार भी बच्चों की इन वेकेशंस को क्रिएटिविटी से भरपूर बना सकते हैं। हर शहर में बच्चों को डांस से लेकर पेन्टिंग और स्वीमिंग से लेकर क्रिकेट के गुर सिखाने के लिए वर्कशॉप व कैंप ऑर्गनाइज किए जा रहे हैं। गर्मी के माहौल में ये लर्निंग सेंटर टैलंट को कूल तरीके से शेप देंगे। अगर आप भी चाहती हैं कि आपका बच्चा एक्स्ट्रा करिक्युलम ऐक्टिविटीज में आगे बढ़े तो उसे समर कैंप भेजें या समर ऐक्टिविटी क्लासेज में ऐडमिशन दिलाएं। बच्चे से लेकर पैरंट्स के पास इस मौके को भुनाने का सुनहरा अवसर है। कई वर्कशॉप में तो उम्र का भी कोई बंधन नहीं है। ऐसे में अगर आप के मन में भी कोई दबी हुई क्रिएटिव ख्वाहिश है तो वह पूरी की जा सकती है। आप भी अपने बच्चे के साथ इन क्लासेज को जॉइन कर सकती हैं। आप बच्चे को स्वीमिंग, ड्राइंग, सॉफ्ट टॉय मेंकिंग, डांस, कराते या और भी जो कुछ आपका बच्चा सीखना चाहता है, उसे सीखने का मौका दे सकती हैं।

रिलेशन

प्रेम विवाह के लिए इस तरह करें घरवालों को राजी

कॉलेज या ऑफिस में साथ काम करते हुए लड़का-लड़की की आपस में दोस्ती हो जाती है और आगे चलकर यह रिश्ता प्यार में बदल जाता है। एक-साथ काफी समय गुजारने के बाद दोनों शादी करने का फैसला कर लेते हैं लेकिन आज भी कई पेरेंट्स ऐसे हैं जो बच्चों की अपनी पसंद से शादी करवाने में विश्वास रखते हैं। ऐसे पेरेंट्स को लव मैरिज के लिए मनाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसके लिए जब भी अपने प्यार के बारे में घरवालों से बात करें तो कुछ चीजों का ध्यान जरूर रखें।

1.परिवार में भाई-बहन सबसे ज्यादा करीब होते हैं। ऐसे में अपने रिश्ते के बारे में पहले उनसे बात करें ताकि वे पेरेंट्स को मनाने में आपकी मदद कर सकें।

2. अपने पार्टनर को एक अच्छी दोस्त की तरह पेरेंट्स से मिलवाएं ताकि वह घरवालों से अच्छी तरह घुलमिल सके।

3. पेरेंट्स के सामने जब भी मौका मिले अपने उस दोस्त के बारे में बात करते रहें जिससे उसके बारे में घरवालों की राय पता लग सके।

4. जब घरवालों को आपके पार्टनर के बारे में पता लग जाए तो धीरे-धीरे उसके घर परिवार के बारे में भी बताएं।

5. दोनों परिवारों को एक-दूसरे को अच्छी तरह समझने का समय दें और शादी की बात बड़े लोगों पर ही छोड़ दें।

अच्छी पत्नी बनने के लिए आजमाएं ये आसान तरीके

महिलाओं को अपनी जिंदगी में कई भूमिकाएं निभानी पड़ती हैं। उसमें से सबसे खास भूमिका है पत्नी की। हर महिला यही चाहती है कि वह सबसे अच्छी पत्नी साबित हो। इसके लिए वह बहुत सारे तरीके अपनाती हैं लेकिन फिर भी कोई कमी रह जाती है। अच्छी पत्नी बनने के लिए कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

1. इसके लिए हर महिला को अपने सास-ससुर का सम्मान करना होगा। उन्हें अपने माता-पिता जैसे ही समझें। ऐसा करने से पति के मन में आपके लिए प्यार और इज्जत पैदा होगी और एक अच्छी पत्नी साबित हो जाएंगी।

2. हर मर्द में कुछ अच्छी और बुरी आदते होती हैं। ऐसे ही अगर आपके पति में भी कुछ बुरी आदतें हैं तो उसे बदलने की कोशिश न करें बल्कि खुद को समझाएं और उनके स्वभाव और आदतों के अनुसार ही रियैक्ट करें।

3. अच्छी पत्नी बनने के लिए खुद के स्वभाव और गुस्से में बदलाव लाएं। कई बार आपकी किसी बात की वजह से पति को बुरा लग सकता है जिससे रिश्ता खराब हो जाता है।

4. पति की जरूरतों का खास ख्याल रखें। उनके सपनों को पूरा करने के लिए पति का साथ दें और कभी भी उनके सामने नाजायज डिमांड न रखें।

5. अपने पति की बुरी आदतों की बजाए उनकी अच्छी बातों पर ज्यादा ध्यान दें। ऐसे में आपका मन भी शांत रहेगा और बात-बात पर लड़ाई-झगड़ा भी नहीं होगा।

6. एक अच्छी पत्नी बनना नौकरी पाना जैसे है। इसमें भी कड़ी मेहनत करने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में अपना सारा ध्यान पति को संतुष्ट करने और खुश रखने पर लगाना चाहिए।

7. घर का माहौल हमेशा खुशनुमा बना कर रखें ताकि जब भी पति घर आए तो उसका बाहर जाने का मन न करे।

8. खुद को हमेशा फिट रखें और हमेशा पति के आने पर अच्छे से तैयार होकर बैठें। इससे पति हमेशा खुश रहेगा।

केले कि छिलकों में भी छिपे हैं कई कमाल के गुण

केला एक ऐसा फल है जो हर मौसम में पाया जाता है। कई लोगों को यह फल काफी पसंद होता है। इसमें विटामिन,मिनरल्स और प्रोटीन होते हैं जो वजन बढ़ाने और घटाने दोनों के लिए फायदेमंद हैं। अक्सर केला खाने के बाद इसके छिलकों को फेंक दिया जाता है लेकिन इन छिलकों में कई कमाल के गुण छिपे हैं जिनके बारे में बहुत कम लोग ही जानते होंगे। यह त्वचा के साथ-साथ सेहत के लिए काफी मददगार साबित होते हैं। आइए जानिए इनके फायदों के बारें में

स्किन के लिए

1. गर्मियों में अक्सर चेहरे पर एक्ने की समस्या हो जाती है। ऐसे में स्किन पर केले के छिलके का इस्तेमाल करें।
2. ज्यादा टाइट कपड़े पहनने की वजह से बॉडी पर रैशेज हो जाते हैं। इनको दूर करने के लिए छिलकों को रैशेज पर रगड़ें जिससे काफी फायदा होगा।
3. दांतों का पीलपन दूर करने के लिए उन पर केले के छिलके का अंदर वाला भाग रगड़ें। इससे दांत साफ होंगे और उनमें चमक भी आएगी।

परफेक्ट मेकअप चाहती हैं तो चुनें सही फाउंडेशन

सजना-संवरना और खूबसूरत दिखना हर महिला की समझो आदत में शुमार है। कोई भी खूबसूरती के मामले में दूसरी महिला से पीछे नहीं रहना चाहती। यूं तो हर महिला खूबसूरती की मूरत है, लेकिन मात्र हल्का-सा श्रृंगार महिला की खूबसूरती में चार चांद लगा देता है। शादी, पार्टी हो या कहीं घूमने जाना हो, हल्का-फुल्का मेकअप करना आजकल सभी महिलाएं जानती हैं। लेकिन क्या हो अगर मेकअप की नींव ही गलत चुनी गई हो। जी हां, हम बात कर रहे हैं फाउंडेशन की। मेकअप करते वक्त सबसे पहले फाउंडेशन का ही इस्तेमाल होता है। फाउंडेशन ही आपके मेकअप को बेस देता है। लेकिन अगर बेस ही गलत हो तो आपकी स्किन बहुत जल्द निखार खो बैठेगी और चेहरा मुरझाया लगेगा। आजकल बाजार में फाउंडेशन लिक्विड, पाउडर और क्रीम फॉर्म में मौजूद हैं। परफेक्ट मेकअप के लिए स्किन टाइप और टोन के अनुसार फाउंडेशन का चयन करना जरूरी है। फाउंडेशन चुनते वक्त स्किन कॉम्प्लेक्शन और टोन का खासा ध्यान रखा जाता है। रिसर्च के अनुसार, सिर्फ 15% महिलाएं ही सही फाउंडेशन का चयन कर पाती हैं।

आइए बताते हैं कुछ ऐसे नायाब टिप्स जो सही फाउंडेशन का चयन करने में आपकी मदद करेंगे

1. स्किन टाइप पहचानें-

सही फाउंडेशन खोजने के लिए बहुत जरूरी है कि आप अपनी स्किन टाइप के बारे में जानें। मालूम हो, तीन तरह की स्किन टाइप होती है। ऑयली, ड्राइ और नॉर्मल स्किन।

ऑयली स्किन: अगर आपकी स्किन ऑयली है तो हमेशा ऑयल फ्री फाउंडेशन ही चुनें। ऑयली स्किन का तैलीयपन नियंत्रित करने के लिए मैट फाउंडेशन खरीदना बेहतर होगा। ध्यान रखें, ऑयली स्किन होने का ये मतलब नहीं कि आप ज्यादा-ज्यादा फाउंडेशन लगाएं। जितना हो सके चेहरे पर कम मात्रा में फाउंडेशन लगाएं।

ड्राइ स्किन: ड्राइ स्किन के लिए मॉइस्चराइजिंग और हाइड्रेटिंग फाउंडेशन बेहतर है। यह फाउंडेशन आपके स्किन टोन का बैलेंस करेगा। ड्राइ स्किन के लिए हमेशा लिक्विड फाउंडेशन ही चुनें।

नॉर्मल स्किन: सामान्य त्वचा के लिए क्रीम या पाउडर बेस्ड फाउंडेशन बेस्ट ऑप्शन है। क्रीम फाउंडेशन मिश्रित त्वचा वाले भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

2. सही शेड का चयन करें

स्किन टाइप के अनुसार फाउंडेशन चुनने के बाद बारी है स्किन टोन को देखते हुए सही शेड चुनने की। अक्सर हम स्किन टोन ना जानने के कारण गलत फाउंडेशन खरीद लेते हैं। जोकि चेहरे के लिए बहुत हल्का या डार्क साबित होता है। यह जानना बेहद जरूरी है कि आपके चेहरे पर कौन-सा टोन सूट करेगा। हमेशा ऐसा शेड चुनें जो आपके स्किन टोन के सबसे करीब हो और ब्लेंड होने पर चेहरे पर ना दिखे। ऐसा शेड चुनें जो आपकी स्किन में अच्छी तरह मिल जाएं और ऐसा ना लगे कि चेहरे पर अलग-सी परत लगी है। फाउंडेशन का आपकी त्वचा में अच्छे से घुलना बेहद जरूरी है।

3. तो ऐसे लगाएं फाउंडेशन-

फाउंडेशन किसी भी मेकअप का बेस होता है। इसलिए फाउंडेशन को सही तरह से चेहरे पर लगाना चाहिए। फाउंडेशन को चेहरे पर सही तरीके से अप्लाई करना बेहद आवश्यक है। परफेक्ट मेकअप के लिए फाउंडेशन लगाने के लिए कुछ टिप्स:

बीबी क्रीम : इस क्रीम को चेहरे पर हाथ से रब करते हुए लगाएं। क्रीम की एक लेयर ही चेहरे पर लगाएं और उसे चेहरे में घुलने का थोड़ा वक्त दें।

लिक्विड फाउंडेशन: सही तरीके से चेहरे पर फाउंडेशन लगाने से आपका चेहरा खिल उठता है। लिक्विड फाउंडेशन को हमेशा ब्रश की मदद से चेहरे और गले पर लगाएं।

पाउडर: स्पॉन्ज में थोड़ा पाउडर लेकर चेहरे पर धीरे-धीरे लगाएं। ध्यान रखें कि पाउडर समान मात्रा में लें ताकि पाउडर चेहरे पर कहीं ज्यादा कहीं कम ना दिखे। आप चाहें तो पाउडर को ब्रश की मदद से भी लगा सकते हैं।

रेसिपी

मग नी दाल

सामग्री

1 कप पीली मूंग दाल, 2 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून सरसों, 1/4 टी-स्पून हींग
1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 1/2 टी-स्पून धनिया-ज़ीरा पाउडर
1 टी-स्पून नींबू का रस, 1/2 टी-स्पून शक्कर
नमक स्वादअनुसार, **परोसने के लिए,** पुरन पोली, कड़ी

विधि

दाल को धोकर, गुनगुने पानी में कम से कम 11/2 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें और सरसों डालें। जब बीज चटकने लगे, हींग और भिगोई दाल डालकर, मध्यम आंच पर 1 मिनट के लिए भून लें। लाल मिर्च पाउडर, हल्दी पाउडर और धनिया-ज़ीरा पाउडर डालकर, लगातार हिलाते हुए मध्यम आंच पर और 2 मिनट के लिए भून लें। आंच से हठाकर, दाल के मिश्रण को एक बर्तन में निकालकर 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें। इस बर्तन को प्रैशर कुकर में रखकर, 2 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। नींबू का रस, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। पुरन पोली और कड़ी के साथ गरमा गरम परोसें।

डबल बीन्स् करी

सामग्री

1 कप छिलके वाली वाल , रातभर भिगोयी हुई, 2 कप कटे हुए टमाटर, 1 टेबल-स्पून घी, नमक स्वादअनुसार, **पेस्ट के लिए,** 2 मध्यम प्याज़, 5 - 6 लहसुन की कलियां, 6 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , तोड़ी हुई, 1 टेबल-स्पून खड़ा धनिया, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 2 टी-स्पून खस-खस, 4 - 5 कालीमिच, 4 -5 लौंग, 25 मिलीमीटर (1) दालचीनी का टुकड़ा

विधि

पेस्ट के लिए: खुली आंच पर प्याज को छिलके के साथ काला होने तक जला लें। हल्का ठंडा कर, प्याज़ के छिलके निकाल लें। शेष बची सामग्री के साथ प्याज़ मिलाकर, थोड़े पानी के साथ मिक्सर में पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें। एक तरफ रख दें। **आगे बढ़ने की विधी:** भिगे हुए वाल से पानी छानकर, 11/2 कप पानी और नमकमिलाकर 2 सिटी के लिए प्रेशर कुक करें। ढक्कन खोलने से पूर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रखें। एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में टमाटर और 1/2 कप पानी मिलाकर मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। हल्का ठंडा करने के लिए रख दें। मिक्सर मे पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें और छन्नी से छान लें। एक तरफ रख दें। कढ़ाई मे घी गरम करें, तैयार पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 3 से 4 मिनट तक भूनें। पके हुए वाल, तैयार टमाटर का पल्प और नमक डालकर, बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 4 से 5 मिनट तक पकाएं। गरमा गरम परोसें।

इस तरह रखेंगे चमड़े के जूते तो कभी नहीं होंगे खराब

चमड़े के जूते काफी महंगे होते हैं। ज्यादातर पुरूष लैदर शू पहनना ही पसंद करते हैं लेकिन इनको सही ढंग से रखने की बहुत जरूरत होती है। धूल-मिट्टी और गलत पॉलिश की वजह से असली लैदर के जूते सिंपल लगने लगते हैं और उनका रौब खत्म हो जाता है। आइए जानिए किन तरीकों से चमड़े के जूतों की देखभाल की जाए।

सही पॉलिश : जूतों को पॉलिश करने के लिए ज्यादातर पुरूष लिक्विड पॉलिश का इस्तेमाल करते हैं लेकिन चमड़े के जूतों पर यह पॉलिश करने से वह खराब हो जाते हैं इसलिए लैदर शूज पर हमेशा वैक्स बेस पॉलिश ही करें।

पानी और धूल : बारिश के दिनों में चमड़े के जूतों को पानी और धूल-मिट्टी से बचाने के लिए जूतों पर अलसी के तेल की कोटिंग करें। इससे लैदर वाटरप्रूफ हो जाता है और पानी जूतों के बीच में नहीं जाता। इसके अलावा जूते उतारने के बाद उन्हें हमेशा शू-रैक में ही रखें। जहां जूतों पर मिट्टी और सूरज की रोशनी न पड़े।

शेप बनाएं : जूतों की शेप बनाकर रखने से वह जल्दी खराब नहीं होते। इसके लिए जब भी जूतों को उतारें उन्हें बॉक्स में रखें और शू-ट्री का इस्तेमाल करें। शू-ट्री पैर के पंजों की तरह होने के कारण इससे जूतों की शेप बनी रहती है। इसके अलावा एक गत्ते के टुकड़े को मोड़ कर भी जूतों में रख सकते हैं।

खाली डिब्बा : जूतों के डिब्बे को कभी फैंकना नहीं चाहिए। हर रोज जूतों का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें डिब्बे में संभाल कर रख दें। इससे जूतों पर कोई दबाव नहीं पड़ेगा और वे काफी समय तक नए रहेंगे

जूते उतारना : जूतों को ज्यादा समय तक नए रखने के लिए उन्हें सही ढंग से उतारना भी बहुत जरूरी है। कई लोग बिना फीते खोले ऐसे ही जूतों को उतार देते हैं जिससे उनकी शेप खराब हो सकती है और उस पर निशान पड़ जाते हैं।

संपादकीय

सीजेआई की ट्रोलिंग

प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने उनके साथ हाल ही में हुई उस घटना को याद किया जब एक सुनवाई के दौरान कमर दर्द के कारण उन्हें अपनी वुसा ठीक करने की वजह से विवाद खड़ा किया गया और उन्हें ट्रोल किया गया और सोशल मीडिया पर शातिर दुर्व्यंवहार का सामना करना पड़ा। बेंगलूरू में आयोजित एक कार्यव्राम में उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के लिए तनाव प्राबंधन और जीवन शैली व काम के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर जोर डाला। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश के पास काफी काम होता है और परिवार तथा अपनी देखभाल के लिए समय नहीं निकाल पाने के कारण उन्हें उपयुक्त रूप से काम करने की मशक्कत करनी पड़ सकती है। प्राधान न्यायाधीश ने कहा, तनाव का प्राबंधन करना और कामकाज एवं जीवन के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पूरी तरह से न्याय प्रादान करने से जुड़ी हुईं है। दूसरों के घाव भरने से पहले आपको अपने घाव भरना सीखना चाहिए। यह बात न्यायाधीशों पर भी लागू होती है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के 21वें द्विवार्षिक राज्य स्तर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने एक हालिया व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक अहम सुनवाईं की लाइव स्ट्रीमिग के आधार पर हाल में उनकी आलोचना की गईं। उन्होंने कहा, महज चार-पांच दिन पहले जब मैं एक मामले की सुनवाईं कर रहा था, मेरी पीठ में थोड़ा दर्द हो रहा था, इसलिए मैंने बस इतना किया थाकि अपनी कोहनियां अदालत में अपनी वुसा पर रख दीं और मैंने वुर्सा पर अपनी मुद्रा बदल ली। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कईं टिप्पणियां की गईं, जिनमें आरोप लगाया गया कि प्राधान न्यायाधीश इतने अहंकारी हैं कि वह अदालत में एक महत्वपूर्ण बहस के बीच उठ गए। प्राधान न्यायाधीश ने उल्लेख किया उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि मैंने जो वुछ किया वह केवल वुसा पर मुद्रा बदलने के लिए किया था। 24 वर्षो से न्यायिक कार्यं करना थोड़ा श्रमसाध्य हो सकता है जो मैंने किया है। उन्होंने कहा मैं अदालत से बाहर नहीं गया। मैंने केवल अपनी मुद्रा बदली, लेकिन मुझे काफी दुर्व्यंवहार ट्रोलिग का शिकार होना पड़ा.. लेकिन मेरा मानना है कि हमारे वंधे काफी चौड़े हैं और हमारे काम को लेकर आम लोगों का हम पर पूरा विश्वास है। उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालयों में न्यायधीशों के समान ही तालुक अदालतों में (न्यायधीशों को) सुरक्षा नहीं मिलने के संदर्भ में उन्होंने एक घटना को याद किया जिसमें एक युवा दीवानी न्यायाधीश को बार के एक सदस्य ने धमकी दी थी कि अगर उन्होंने उसके साथ ठीक व्यवहार नहीं किया तो वह उनका तबादला करवा देगा। कामकाज और जीवन के बीच संतुलन तथा तनाव प्राबंधन इस दो दिवसीय सम्मेलन के विषयों में से एक था। इस बारे में प्राधान न्यायाधीश ने कहा कि तनाव प्राबंधन की क्षमता एक न्यायाधीश के जीवन में महत्वपूर्ण है। खासकर जिला न्यायाधीशों के लिए। उन्होंने कहा कि अदालतों में आने वाले कईं लोग अपने साथ हुए अन्याय को लेकर तनाव में रहते हैं। उन्होंने कहा प्राधान न्यायाधीश के रूप में मैंने बहुत से वकीलों और वादियों को देखा है, जब वे अदालत में अपनी सीमा पार कर जाते हैं इसका उत्तर यह नहीं कि उन्हें अवमानना का नोटिस दें बल्कि यह समझना जरूरी होता है कि उन्होंने यह सीमा क्यों पार की।

> न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ कर्नाटक राज्य न्यायिक अधिकारी संघ द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश के पास काफी काम होता है और परिवार तथा अपनी देखभाल के लिए समय नहीं निकाल पाने के कारण उन्हें उपयुक्त रूप से काम करने की मशक्कत करनी पड़ सकती है। प्राधान न्यायाधीश ने कहा, तनाव का प्राबंधन करना और कामकाज एवं जीवन के बीच संतुलन बनाने की क्षमता पूरी तरह से न्याय प्रादान करने से जुड़ी हुईं है। दूसरों के घाव भरने से पहले आपको अपने घाव भरना सीखना चाहिए। यह बात न्यायाधीशों पर भी लागू होती है। उन्होंने न्यायिक अधिकारियों के 21वें द्विवार्षिक राज्य स्तर सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद अपने एक हालिया व्यक्तिगत अनुभव को साझा किया। उन्होंने कहा कि एक अहम सुनवाईं की लाइव स्ट्रीमिंग के आधार पर हाल में उनकी आलोचना की गईं। उन्होंने कहा, महज चार-पांच दिन पहले जब मैं एक मामले की सुनवाईं कर रहा था, मेरी पीठ में थोड़ा दर्द हो रहा था, इसलिए मैंने बस इतना किया थाकि अपनी कोहनियां अदालत में अपनी वुसा पर रख दीं और मैंने वुसा पर अपनी मुद्रा बदल ली। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर कईं टिप्पणियां की गईं, जिनमें आरोप लगाया गया कि प्राधान न्यायाधीश इतने अहंकारी हैं कि वह अदालत में एक महत्वपूर्ण बहस के बीच उठ गए। प्राधान न्यायाधीश ने उल्लेख किया उन्होंने आपको यह नहीं बताया कि मैंने जो वुछ किया वह केवल वुसा पर मुद्रा बदलने के लिए किया था। 24 वर्षो से न्यायिक कार्यं करना थोड़ा श्रमसाध्य हो सकता है जो मैंने किया है।

नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रहे हैं

चुनाव में भाषा का संयम एवं वचनों की मर्यादा जरूरी

ललित गर्ग

> चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है।

लोकसभा चुनावों जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, कई नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क है। चुनावी रैलियों में जनता के सामने अपने प्रतिद्वंद्वी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने चुनावी मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? चुनाव की तारीख तय होने एवं चुनावी पारा बढ़ने के बाद नेताओं के बयानों में तीखापन एवं हल्कापन आ गया है। एक तरफ गर्मी चुभन का अहसास करा रही है, तो दूसरी तरफ राजनीतिक हलकों में भाषायी अभद्रता एवं उच्छृंखलता घाव पर नमक छिड़क रही है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है। नेताओं के बयान शालीनता एवं मर्यादा की सारी सीमाएं लांघ रही है। राहुल गांधी की 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' संबंधी टिप्पणी 'शक्ति से जुड़े धार्मिक मूल्यों का अपमान करने और कुछ धार्मिक समुदाय' के तुष्टीकरण के लिए धर्मों के बीच शत्रुता पैदा करने के 'दुर्भावनापूर्ण इरादे' को दर्शाती है। प्रारंभ में लालूप्रसाद यादव का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर परिवार विषयक आरोप भाजपा के लिये रामबाण औषधि बना है। कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कंगना रनौत को लेकर किए पोस्ट में एक्ट्रेस की फोटो के साथ भद्दा कमेंट महिला-शक्ति का अपमान बना है। ईवीएम के बारे में राहुल गांधी की टिप्पणी के लिए निर्वाचन आयोग से उनके खिलाफ कार्रवाई

करने की मांग की जा रही है और कहा जा रहा है कि तथ्यों के सत्यापन के बिना इस तरह का 'दुष्प्रचार और गलत सूचना' राष्ट्रीय अखंडता एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए नुकसानदायक है। ईवीएम और निर्वाचन आयोग के बारे में भ्रामक टिप्पणी 'लोक अव्यवस्था पैदा करने के इरादे' से की गई हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव के चरण आगे बढ़ रहे हैं, विवादास्पद बयानों की झड़ी भी लगने लगी। हमारे देश की राजनीति में संयमित भाषा एवं अनुशासित बोल-बयान एक महत्वपूर्ण अंग होती है। लोकतंत्र में उसी नेता का बोल-बाला होता है, जिसकी भाषा एवं वचनों पर पकड़ मजबूत होती है। आजादी के बाद देश में जिस प्रकार राजनीति में बदलाव आता गया, उसी प्रकार राजनेताओं की भाषा और आरोप-प्रत्यारोप की शैली भी बदलती गई। आज कुछ राजनीतिक दलों के नेता अपने विपक्षी राजनेता को 'पप्पू' जैसे शब्दों से ताना मारते हैं, तो कोई विपक्षी नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिये चौकीदार चोर है या चायवाला जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। क्या हमारे देश की राजनीति में मर्यादा नाम का कोई शब्द बचा है? ऐसी अभद्र भाषा का उपयोग करने से पहले हमारे ये राजनेता जरा भी नहीं सोचते कि उसका उनकी पार्टी पर क्या प्रभाव पड़ सकता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। उस समय जब राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। कांग्रेस के अध्यक्ष खड़गे भी काफी कुछ बोल चुके हैं और उनका पीएम मोदी के लिए रावण वाला बयान काफी चर्चा में रहा है। लेकिन सबसे ज्यादा हल्की बात कहते हैं मणिशंकर अय्यर। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लिए बहुत ही सस्ते शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने तो नीच, कातिल जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया था जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो सूची काफी लंबी है। चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम और प्रियंका गांधी। आम आदमी पार्टी के नेता एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने तो सारी हदें पार कर दी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने ईवीएम की निंदा 'चोर' के रूप में की थी। सभी ने मौका देखकर बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। उन्होंने अपने करोड़ों समर्थकों के सामने इन शब्दों और उन्हें बोलने वालों के खिलाफ माहौल बना दिया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है। मतदाताओं को आकर्षित एवं अपने पक्ष में करने के फेर में राजनीति को रसातल में धकेलने की मानो होड़ मची हुई है। क्षणिक रोमांच एवं तत्काल चुनावी लाभ के लिए मर्यादा को तार-तार करने वाले इन नेताओं को आत्म-चिंतन की सख्त जरूरत है। मर्यादित भाषा में विभिन्न दलों और नेताओं की आलोचना इस देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की खूबसूरती है। भाषा की मर्यादा और वाणी में संयम भारत के लोकतंत्र का आधार है।

दृष्टि कोण

टीकाकरण की गति बढ़ानी होगी

भारत का कोरोना टीकाकरण अभियान विश्व में सबसे बड़ा है। सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क और निजी अस्पतालों में 250 रुपए में टीकाकरण हो रहा है। जिसमें अस्पताल का 100 रुपए शुल्क भी शामिल है। देश में जैसे ही कोरोना के खात्मे के लिए टीकाकरण अभियान शुरू हुआ वैसे ही कोरोना की दूसरी लहर से जुड़ी खबरें प्रकाश में आने लगीं। बीते एक माह में ऐसा लगने लगा कि घूम-फिरकर हालात पिछले साल जैसे ही बनने की दिशा में अग्रसर हैं। देश में कोरोना संव्रामितों का आंकड़ा प्रातिदिन पचास हजार को पार कर रहा है। अनेक शहरों में रात्रिकालीन कफ्र्यू लागू करने के बाद साप्ताहिक लॉकडाउन करना पड़ा और जब उससे भी बात नहीं बनी तब लंबे लॉकडाउन का निर्णय लिया गया। ये स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। वास्तव में घोर संकट की काली छाया से निकलकर धीरे-धीरे ही सही अर्थव्यवस्था के साथ ही जनजीवन भी सामान्य होने लगा था लेकिन बीत वुछ सप्ताहों ने मानों हम दोबारा वहीं खड़े दिख रहे हैं, जहां से हमने कोरोना के विरुद्ध लड़ाई शुरू की थी। प्रश्न ये है कि कोरोना पर विजय हासिल करने के करीब पहुचंने के बाद आखिरकार ये हालात क्यों और वैसे बन गए? इसके यूं तो अनेक जवाब हो सकते हैं किन्तु सीधा और सपाट उत्तर है लोगों की लापरवाही। अमेरिका के बाद भारत दुनिया का दूसरा देश है जहां कोरोना वायरस संव्रामण के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। भारत में कोविड-19 का पहला मामला पिछले साल 30 जनवरी को सामने आया था। उस वक्त चीन के वुहान से केरल की एक मेडिकल छात्रा वापस अपने घर लौटकर आईं थी और उसमें कोविड-19 की पुष्टि हुईं थी। इससे पहले 2019 के आखिर में चीन ने अपने शहर वुहान में कोरोना वायरस के पैलने की जानकारी दी थी। कोरोना काल की काली छाया में देशवासियों ने अदम्स साहस और धैर्य को परिचय दिया। देश के महान वैज्ञानिकों ने कोरोना वैक्सीन का निर्माण किया। 16 जनवरी को भारत ने बड़े पैमाने पर कोविड-19 टीकाकरण शुरू किया गया था। नईं दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान

(एम्स) में सबसे पहले सफाईंकमा मनीष वुमार को कोविड-19 वैक्सीन दी गईं थी। प्राथम पंक्ति में रहकर कोरोना के विरुद्ध लड़ रहे वर्ग को सबसे पहले टीका लगाने के अभियान के बाद सरकार का लक्ष्य जुलाईं तक 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन देने का है। एक मार्च से वरिष्ठ नागरिकों का टीकाकरण प्रारंभ किया गया। आगामी एक अप्रैल से 45 वर्ष से ऊपर की आयु वालों के भी टीकाकरण की शुरुआत होने जा रही है। भारत का कोरोना टीकाकरण अभियान विश्व में सबसे बड़ा है। सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क और निजी अस्पतालों में 250 रुपए में टीकाकरण हो रहा है। जिसमें अस्पताल का 100 रुपए शुल्क भी शामिल है। वैसे वुछ निजी चिकित्सालय टीके की मूल कीमत 150 रुपए ही ले रहे हैं। इस प्राकार लाखों लोगों को प्रातिदिन टीका लगाया जा रहा है। अभी तक वुछ अपवाद छोड़कर टीकाकरण को लेकर सकारात्मक खबरें ही आ रही हैं जिससे लोगों के मन में व्याप्त शंकाएं भी दूर होने लगी हैं। आवर वल्ड इन डेटा की वेबसाइट के अनुसार, टीकाकरण अभियान के दो महीने पूरे होने तक, यानि 16 मार्च तक भारत में कोरोना वैक्सीन के करीब 3.51 डोज लगाए जा चुके थे। जिन 10 देशों में कोरोना संव्रामण के सबसे अधिक मामले दर्ज किए गए हैं उनमें देखा जाए तो भारत केवल अमेरिका से पीछे है जहां अब तक कोरोना के टीके के करीब 11.1 करोड़ डोज लगाए जा चुके हैं। अमेरिका में कोरोना टीकाकरण अभियान की शुरुआत भारत से करीब एक महीने पहले हुईं थी। कोरोना टीकाकरण के आंकड़ों को देखने पर लगता है कि इस मामले में भारत दूसरों के मुकाबले बेहतर कर रहा है, लेकिन अगर प्राति सौ व्यक्ति के आधार पर आंकड़ों को देखा जाए तो प्रात्येक सौ लोगों में केवल 2.54 लोगों को ही कोरोना का टीका लगाया गया है, जो इन दस देशों की तुलना में सबसे कम है। लेकिन अब भारत में कोरोना टीकाकरण की रफ्तार तेज हो रही है। बीते 16 मार्च को खत्म होने वाले सप्ताह के आंकड़ों के अनुसार देश में हर दिन करीब 15 लाख लोगों को कोरोना का टीका लगाया जा रहा है। जनसंख्या के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे अधिक आबादी वाला देश है और पूरी आबादी को कोरोना का टीका लगाना यहां की सरकार के लिए बड़ी चुनौती है। अगर हम ये मानें कि फिलहाल जिस रफ्तार से कोरोना की वैक्सीन लगाईं जा रही है (प्राति दिन 15 लाख डोज) उस रफ्तार को आगे भी कायम रखा जाएगा और हर व्यक्ति को कोरोना वैक्सीन की दो डोज दी जाएगी, तो भी भारत को अपनी आधी आबादी तक टीका पहुंचाने में कम से कम ढाईं साल का वक्त लगेगा। लेकिन जिस तरह से सरकार कोरोना टीकाकरण की रफ्तार बढ़ाती जा रही है, उसके देखते हुए उम्मीद की जा सकती है कि देश की सबसे जोखिम वाली आबादी के एक बड़े हिस्से को अनुमान से पहले वैक्सीन जरूर मिल सकेगी।

कुछ अलग

पानी के बिना जीवन की कल्पना असंभव

जल संरक्षण और रखरखाव को लेकर जागरुकता फैलाने के लिए 'विश्व जल दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस मनाए जाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र द्वारा 1992 में रियो द जेनेरियो में आयोजित 'पर्यावरण तथा विकास का संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन' में की गई थी। यह दिन जल के महत्व को जानने, समय रहते जल संरक्षण को लेकर सचेत होने तथा पानी बचाने का संकल्प लेने का दिन है। दरअसल जल धरती पर मानव जीवन की बुनियादी जरूरतों में सबसे महत्वपूर्ण तत्व है और वर्तमान में पृथ्वी पर पेयजल की उपलब्धता से जुड़े आंकड़ों पर नजर डालने से स्पष्ट हो जाता है कि पानी की एक-एक बूंद बचाना हमारे लिए कितना महत्वपूर्ण है। पानी की समस्या भारत में भी लगातार गंभीर होती जा रही है, जिसका अंदाजा हाल के बेंगलुरु जल संकट से आसानी से लगाया जा सकता है। ऐसे में विश्व जल दिवस की महत्ता हमारे लिए भी कई गुना बढ़ जाती है। देश में हर साल जाने-अनजाने करोड़ों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है।` 'जल शक्ति अभियानः कैच द रेन' की शुरुआत की थी और उस अभियान के तहत देश के सभी शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए नारा दिया गया था 'जहां भी गिरे, जब भी गिरे, वर्षा का पानी इकट्ठा करें।'एक ओर जहां करोड़ों लोग विशेषकर गर्मी के मौसम में बूंद-बूंद पानी के लिए तरसते रहते हैं, वहीं बारिश के मौसम में वर्षा जल का संरक्षण-संचयन नहीं होने के अभाव में प्रतिवर्ष लाखों गैलन पानी व्यर्थ बह जाता है। यदि इस पानी का संरक्षण कर लिया जाए तो देश की बड़ी आबादी की प्यास इसी पानी से बुझाई जा सकती है लेकिन चिंता की बात है कि देश में अभी तक वर्षा जल संरक्षण को लेकर कहीं जागरुकता नहीं दिखती। पर्यावरण संरक्षण पर हिन्दी अकादमी के सहयोग से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार भारत में जल संकट बढ़ने का एक बड़ा कारण यही है कि हम वर्षा जल का बहुत ही कम मात्रा में संरक्षण कर पाते हैं। देश में प्रतिवर्ष करीब तीन हजार अरब घन मीटर पानी की जरूरत होती है जबकि भारत में होने वाली वर्षा की मात्रा करीब चार हजार अरब घन मीटर होती है लेकिन वर्षा जल संग्रहण के पर्याप्त प्रबंध नहीं होने के कारण मामूली से वर्षा जल का ही संग्रहण संभव हो पाता है। एक ओर जहां इजराइल जैसे देश में औसतन दस सेंटीमीटर वर्षा होने के बावजूद भी वह इतने अन्न का उत्पादन कर लेता है कि उसका निर्यात करने में भी सक्षम हो जाता है, वहीं दूसरी ओर भारत में औसतन पचास सेंटीमीटर से भी ज्यादा वर्षा होने के बावजूद अन्न की कमी बनी रहती है। दरअसल नदियों-तालाबों जैसे पवित्र माने जाते रहे जलस्रोतों को सहेजने में लापरवाही और भूमिगत जल में प्रदूषण की बढ़ती मात्रा तथा वर्षा जल संचयन का उचित प्रबंध न होना भारत में जल संकट गहराते जाने की मुख्य वजह बन रहे हैं। देश में आज के आधुनिक युग में भी बहुत से इलाकों में लोगों को दूर-दूर से पानी लाना पड़ता है या लंबी-लंबी कतारों में लगकर कामचलाऊ पानी मिल जाता है। चौंकाने वाला यह तथ्य भी सामने आ चुका है कि कुछ इलाकों में महिलाओं को पीने का पानी लाने के लिए प्रतिदिन औसतन छह किलोमीटर से भी ज्यादा का सफर पैदल तय करना पड़ता है। हालांकि सरकार द्वारा जलशक्ति अभियान के तहत हर घर को पानी मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है लेकिन इस तथ्य को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि देश में 2030 तक पानी की जरूरत दोगुनी हो जाएगी और 2050 तक यह चार गुना बढ़ जाएगी तथा जल संकट का देश के सकल घरेलू उत्पाद पर छह फीसदी तक असर पड़ सकता है।

देश दुनिया से

अब महिला वोट करते हैं बड़ी चोट

> चुनावा आयोग ने सात चरणों में मतदान कार्यक्रम जारी कर दिया है। चार जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनाव में देश की महिला वोटर्स ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के करीब एक दर्जन राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में 18 वीं लोकसभा के चुनाव का बिगुल बज गया है। चुनावा आयोग ने सात चरणों में मतदान कार्यक्रम जारी कर दिया है। चार जून को मतगणना की तारीख तय की गई है। सीधी सी बात है कि दोपहर बाद तक 18 वीं लोकसभा की तस्वीर साफ हो जाएगी। खैर यह सब अलग बात है पर विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत दो चुनाव में देश की महिला वोटर्स ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मजे की बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के करीब एक दर्जन राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनाव में सक्रियता से हिस्सा लेने और उम्मीदवार को जिताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आम चुनाव में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थीं वहीं गत 2019 के आम चुनाव में 78 महिला सांसद चुन कर आईं। हालांकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए-नए

सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते हैं। खैर सबसे अच्छी बात यह है कि गांव हों या शहर, महिलाएं अब घर की चारदीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही हैं। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी हैं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। इस साल देश में 96 करोड़ 88 लाख मतदाता हैं तो इनमें से महिला मतदाताओं की संख्या 47 करोड़ 15 लाख के करीब है। एक मोटे अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में करीब दो करोड़ महिला मतदाता कम हैं। यही स्थिति 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान थी। इस सबके बावजूद पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं के मतदान का आंकड़ा अधिक है। 2019 के चुनाव में पुरुष मतदाताओं का प्रतिशत 67.02 प्रतिशत रहा तो महिलाओं के मतदान का प्रतिशत 67.18 प्रतिशत रहा। पूर्वोत्तर, हिमाचल प्रदेश, गोवा, बिहार सहित बहुत से प्रदेशों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत अधिक रहा। यह तो रही मतदान की बात तो दूसरी और नई सरकार बनाने में भी महिला मतदाताओं की अधिक भूमिका रही है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया उसी की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि 2014 में मोदी सरकार बनने और 2019 में रिपीट होने का प्रमुख कारण भी महिलाओं को भाजपा और खासतौर से नरेन्द्र मोदी पर अधिक भरोसा जताने को जाता है। 2004 के चुनाव में 22 प्रतिशत महिलाओं ने भाजपा और 26 प्रतिशत पुरुषों ने कांग्रेस को वोट दिया था वहीं 2019 के चुनाव आते आते इसमें जबरदस्त बदलाव देखने को मिला। 2019 के चुनाव में महिलाओं द्वारा मोदी में विश्वास व्यक्त करने का आंकड़ा 36 प्रतिशत पहुंच गया। यानी कि 2019 के चुनाव में 36 फीसदी महिलाओं ने भाजपा को वोट दिया। महिलाओं के अधिक मतदान का ही परिणाम रहा कि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा और नरेन्द्र मोदी को जबरदस्त बहुमत प्राप्त हुआ। विगत दो लोकसभा चुनाव परिणामों से सबक लेते हुए अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुट गए हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं की जा रही हैं। केंद्र की उज्ज्वला योजना, मध्य प्रदेश की लाडली योजना, लखपति लाड़ली योजना, महिला मुखिया को नकद राशि और मुफ्त बस यात्रा का करिश्मा देखा जा चुका है। आम आदमी पार्टी महिला सम्मान योजना के माध्यम से महिलाओं को लुभाने का प्रयास कर रही है। लगभग सभी राजनीतिक दल इस दिशा में आगे आ रहे हैं। बहरहाल लोकतंत्र के इस महापर्व में देश की महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाने जा रही हैं। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। चुनाव के दौरान आने वाले दिनों में महिलाओं की और सभी राजनीतिक दलों की नजर रहेगी। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक कहा जा सकता है। दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आएंगी।

आप का नजरिया

परमबीर के आरोप गंभीर हैं

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि इस बात में कोई संदेह नहीं है कि मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिह द्वारा अपनी याचिका में महाराष्ट्र के गृहमंत्री अनिल देशमुख के खिलाफ उठाए गए मुद्दे अत्यंत गंभीर हैं। गृहमंत्री अनिल देशमुख के घर के बाहर लगे सीसीटीवी पुटेज को जब्त कर उसकी जांच करवाने की मांग परमबीर ने अपनी याचिका में की। परमबीर ने कहा कि अगर उनके आरोपों की जल्द जांच नहीं की गईं तो हो सकता है कि अनिल देशमुख सभी सुबूतों को मिटा दें और सीसीटीवी पुटेज को डिलीट कर दें। अनिल देशमुख ने फरवरी में अपने आवास पर कईं मीटिंग की। मुंबई व्राइम इंटेलिजेंस यूनिट (एमसीआईंयू) के इंस्पेक्टर सचिन वाजे भी इसमें शामिल हुए थे। उस दौरान गृहमंत्री अनिल देशमुख ने वाजे को होटल, बार और रेस्टोरेंट से हर महीने 100 करोड़ रुपए की उगाही करने को कहा था। 24-25 अगस्त 2020 को राज्य खुफिया विभाग की इंटेलिजेंस कमिश्नर रश्मि शुक्ला ने डीजीपी को अनिल देशमुख की ओर से ट्रांसफर पोस्टिंग में किए जा रहे भ्रष्टाचार की जानकारी दी थी। डीजीपी ने यह जानकारी गृह मंत्रालय में एडिशनल चीफ सैव्रेटरी को दी थी। यह जानकारी टेलीफोन पर हुईं बातचीत को रिकॉर्ड कर जुटाईं गईं थी। न्यायमूर्ति संजय कौल और न्यायमूर्ति आरएस रेड्डी की पीठ ने परमबीर सिह को अपनी शिकायत लेकर बंबईं उच्च न्यायालय जाने की छूट प्रादान कर दी। शीर्ष अदालत ने कहा कि इसमें कोईं संदेह नहीं है कि यह मामला अत्यंत गंभीर है लेकिन याचिकाकर्ता को बंबईं उच्च न्यायालय जाना चाहिए। सिह का पक्ष रखने के लिए अदालत में पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मुवुल रोहतगी ने कहा कि वह आज ही बंबईं हाईं कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। पीठ ने रोहतगी से कहा कि दो प्राथमिक सवाल हैं—पहला यह कि अनुच्छेद 32 के तहत शीर्ष अदालत में याचिका क्यों दायर की गईं है और याचिकाकर्ता ने अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय से सम्पर्व क्यों नहीं किया? दूसरा सवाल यह है कि सिह ने अपनी याचिका में राज्य के गृहमंत्री को पक्ष क्यों नहीं बनाया है? रोहतगी ने कहा कि वह देशमुख को मामले में पक्ष बनाएंगे और इस संबंध में आवेदन तैयार है। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है जिसने राज्य के प्राशासन को प्राभावित किया है। पीठ ने कहा कि अदालत का मत है कि याचिकाकर्ता को उच्च न्यायालय से सम्पर्व करना चाहिए और यदि वह मामले में किसी स्वतंत्र एजेंसी से जांच करवाना चाहते हैं तो उच्च न्यायालय इस मुद्दे को भी देख सकता है। रोहतगी ने कहा कि वह आज ही उच्च न्यायालय से सम्पर्व करेंगे और शीर्ष अदालत उच्च न्यायालय से मामले को कल देखने के लिए कह सकती है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी पुटेज के रूप में सुबूत हैं जो एटीएस के कब्जे में हैं जिसने इन्हें राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईंए) को नहीं सौंपा है। एनआईंए उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबईं स्थित घर के बाहर 25 फरवरी को मिली एसयूवी से संबंधित मामले की जांच कर रही है जिसमें विस्फोटक सामग्री रखी गईं थी। 1988 बैच के अधिकारी परमबीर सिह ने अदालत से मुंबईं पुलिस आयुक्त पद से हटाने को भी रद्द करने का भी अनुरोध किया था। उनका आरोप है कि यह आदेश मनमाना और गैर-कानूनी है।

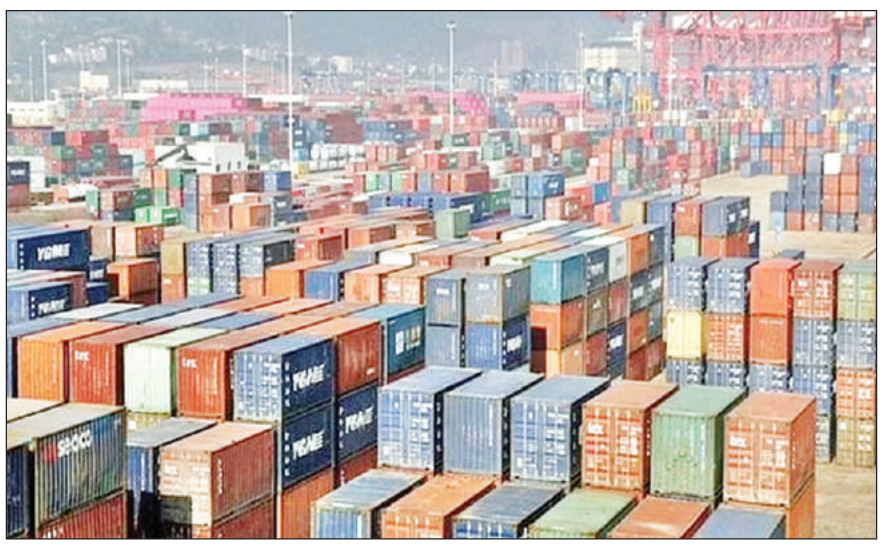

यूरोपीय नॉर्डिक-बाल्टिक देशों में निर्यात 10 तो आयात 9.5 प्रतिशत बढ़ा, स्वीडन भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। यूरोप के नॉर्डिक-बाल्टिक देशों के समूह के साथ भारत का कारोबार लगातार बढ़ रहा है। निर्यात में 10.16 फीसदी, जबकि आयात में 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक, 2022-23 में इन देशों से भारत का आयात 540 करोड़ डॉलर पार हो गया। वहीं, स्वीडन इन देशों के समूह में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बन गया है। स्वीडन के साथ भारत ने करीब 269 करोड़ डॉलर का कारोबार किया, इसमें से 96.16 करोड़ डॉलर का निर्यात और 173 करोड़ डॉलर का आयात शामिल है। इसके बाद फिनलैंड के साथ भारत ने 202 करोड़ डॉलर का कारोबार किया। नॉर्डिक देशों में शामिल डेनमार्क और नॉर्वे के साथ भी भारत के द्विपक्षीय कारोबार में खासी बढ़ोतरी हुई है। 2022-23 में डेनमार्क के साथ भारत का द्विपक्षीय कारोबार 168 करोड़ डॉलर व नॉर्वे के साथ 150 करोड़ डॉलर रहा है। वहीं, इस दौरान आइसलैंड के साथ 1.5 करोड़ डॉलर का द्विपक्षीय कारोबार हुआ है। बाल्टिक देशो में 47.2 करोड़ डॉलर के कारोबार के साथ लिथुआनिया सबसे बड़ा कारोबारी साझेदार बनकर उभरा है। इसमें से भारत ने 35.7 करोड़ डॉलर का निर्यात और 11.4 करोड़ डॉलर का आयात किया है। सीआईआई के मुताबिक 2018-19 की तुलना में 2022-23 में नॉर्डिक-बाल्टिक देशों को भारत के निर्यात में 10.16 फीसदी की वृद्धि हुई है। यह 245 करोड़ डॉलर से बढ़कर इस अवधि में 360 करोड़ डॉलर हो गया है। वहीं, आयात में करीब 9.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो 384 करोड़ डॉलर से बढ़कर 544 करोड़ डॉलर पहुंच गया है।

गूगल दक्षिण कोरिया में चुनाव से पहले राजनीतिक विज्ञापन बंद करेगा

सोल। गूगल ने दक्षिण कोरिया में अगले महीने होने वाले आम चुनाव से पहले अपनी सेवाओं पर राजनीति से संबंधित सभी विज्ञापनों को निलंबित करने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, गूगल ने हाल ही में एक नोटिस पोस्ट कर कहा है कि वह दक्षिण कोरिया के चुनाव के दौरान राजनीतिक विज्ञापनों का समर्थन नहीं करेगा।

क्लियरट्रिप ने महेन्द्र सिंह धोनी को बनाया अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर

बेंगलुरु। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट की एक कंपनी है क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड,ने क्रिकेटर महेन्द्र सिंह धोनी को अपना नया ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। कंपनी के मुताबिक यह गठबंधन क्लियरट्रिप के लिये एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, क्योंकि कंपनी महेन्द्र सिंह धोनी के साथ मिलकर यात्रा के मामले में सही फैसले लेने की हिमायत कर रही है। क्लियरचॉइस के तहत ब्राण्ड का मकसद यात्रियों को आसानी से फैसले लेने के लिये प्रेरित करना है। साथ ही लोगों को बिना किसी परेशानी के यात्रा का शानदार अनुभव प्रदान करना है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में 42 वर्षीय धोनी की इस समय कुल संपत्ति 1040 करोड़ रुपये बताई जाती है। क्लियरट्रिप के ब्राण्ड एम्बेसेडर महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा कि मैंने अपने पूरे करियर में विभिन्न महाद्वीपों की यात्रा की है और मैं सही मायने में एक ग्लोबट्रोटर रहा हूं। इस तरह मुझे सफर के लिये अपने प्यार का पता चला। कई साल बाद ऐसी स्थिति हो गई कि मुझे सफर करने का इंतजार होने लगा और क्लियरट्रिप के साथ भागीदारी करने से ज्यादा रोमांचक मेरे लिये क्या हो सकता था, क्योंकि यह ब्राण्ड सफर का आईना है। यह सफर को मजेदार, यादगार और मायने रखने वाला बनाता है। मैं अपने करियर में रोजाना कड़े फैसले करता हूं, लेकिन क्लियरट्रिप के साथ फैसले करना आसान और स्पष्ट होता है। पारदर्शिता के लिये उनकी प्रतिबद्धता फैसलों को आसान बनाती है और सभी को आत्मविश्वास के साथ अपने सपनों की यात्रा करने देती है। क्लियरट्रिप की लॉन्चिंग जुलाई 2006 में हुई है। क्लियरट्रिप प्राइवेट लिमिटेड भारत की तेजी से आगे बढ़ती हुई ऑनलाइन ट्रैवेल टेक्नोलॉजी कंपनी है। अप्रैल 2021 में ई-कामर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने क्लियरट्रिप की बड़ी हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया। विडेक द्वारा हाल में किए गए अध्ययन के अनुसार क्लियरट्रिप हाल ही में देश में नंबर 2 ओटीए कंपनी के तौर पर उभर कर सामने आई है।

घट रही है नियमित वेतन पाने वालों की मासिक कमाई, 12 वर्षों में 12,100 से घटकर 10,925 रुपये रह गई आय

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय संगठन (आईएलओ) और मानव विकास संस्थान (आईएचडी) की नई रिपोर्ट 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' के अनुसार भारत में नियमित वेतन पाने वालों और स्व-रोजगार में लगे लोगों की वास्तविक कमाई में पिछले एक दशक के दौरान गिरावट आई है। सरकारी आंकड़ों पर आधारित इस रिपोर्ट में वास्तविक कमाई का आकलन महंगाई (मुद्रास्फीति) के आधार पर किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार साल दर साल नियमित कर्मचारियों के औसत मासिक वास्तविक कमाई में लगातार गिरावट आई है। 2012 में नियमित कर्मचारियों की औसत मासिक कमाई 12,100 रुपये थी। अब यह सालाना 1.2 फीसदी की गिरावट के साथ 2019 में घटकर 11,155 रुपये प्रतिमाह हो गई। 2022 में यह 0.7 फीसदी की गिरावट के साथ 10,925 रुपये मासिक रह गया। आकस्मिक श्रमिकों की कमाई में बढ़ोतरी दर्ज की गई रिपोर्ट के अनुसार आकस्मिक श्रमिकों के मामले में उलट स्थिति सामने आई है। यानी पिछले दशक के दौरान उनकी वास्तविक कमाई में वृद्धि दर्ज की गई है। 2012 में इनकी औसत मासिक वास्तविक आय 3,701 रुपये थी जो सालाना 2.4 फीसदी की वृद्धि के साथ 2019 में बढ़कर 4,364 रुपये तथा 2022 में 4712 रुपये हो गई प्रतिमाह हो गई। नियमित कर्मचारियों और स्वरोजगार से संबद्ध लोगों की घटती कमाई के साथ ही आकस्मिक श्रमिकों की आय में हुई बढ़ोतरी का अर्थ यह है कि 2000 से 2022 के बीच पैदा हुई नौकरियों की गुणवत्ता पैमाने पर खरी नहीं थी। खेती-बाड़ी से जुड़े मजदूरों को नहीं मिल रहा न्यूनतम मेहनताना रिपोर्ट कहती है कि भारत में श्रमिकों को उनके कौशल के आधार पर न्यूनतम मेहनताना नहीं मिल है। श्रमिकों के एक बड़े हिस्से, विशेष रूप से आकस्मिक श्रमिकों को न्यूनतम वेतन का भुगतान नहीं किया जा रहा। राष्ट्रीय स्तर पर विशेष रूप से कृषि क्षेत्र में 40.8 फीसदी नियमित श्रमिकों और 51.9 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को उतना पारिश्रमिक नहीं मिल रहा जितना उस क्षेत्र में किसी अकुशल श्रमिक के लिए प्रतिदिन के लिहाज से कम से कम तय किया गया है। इसके अलावा रिपोर्ट में निर्माण क्षेत्र में लगे श्रमिकों की कमाई का भी उल्लेख किया गया है। इस क्षेत्र से जुड़े 39.3 फीसदी नियमित कर्मचारियों और 69.5 फीसदी आकस्मिक श्रमिकों को अकुशल श्रमिकों के लिए प्रतिदिन के हिसाब से निर्धारित औसत न्यूनतम वेतन नहीं मिल रहा है।

टॉप-10 कंपनियों में से 7 की वैल्यू 67,260 करोड़ बढ़ी

रिलायंस का मार्केट कैप 45,263 करोड़ बढ़ा टीसीएस में लगातार दूसरे हफ्ते गिरावट

मुंबई, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

शेयर बाजार में लिस्टेड मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देश टॉप-10 में से सात कंपनियों की कंबाइंड मार्केट-वैल्यू में पिछले हफ्ते 67,259.99 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है। इनमें देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप सबसे ज्यादा 45,262.59 करोड़ बढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप अब 20.14 लाख करोड़ हो गया है। रिलायंस के अलावा, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया , लाइफ इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया बैंक भी पिछले हफ्ते मार्केट के टॉप गेनर रहे हैं। इनके मार्केट कैप में 5,533.26 करोड़, 5,218.12 करोड़ और 4,132.67 करोड़ की बढ़ोतरी हुई है।

टीसीएस का मार्केट कैप 10,691.45 करोड़ गिरा वहीं, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज का मार्केट कैप 10,691.45 करोड़ गिरकर 14.05 लाख करोड़ रह गया है। पिछले हफ्ते कंपनी की वैल्यूएशन में सबसे बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। तब, कंपनी का मार्केट कैप 1,10,134.58 करोड़ गिरा था। टीसीएस के अलाव इंफोसिस और भारती एयरटेल का वैल्यूएशन भी गिरा है।

पिछले हफ्ते मार्केट में तेजी रही थी

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में 819.41 अंक या 1.12 प्रतिशत की तेजी रही थी। वहीं, आखिरी कारोबारी दिन यानी 27 मार्च को सेंसेक्स 526 अंक की बढ़त के साथ 72,996 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 118 अंक की तेजी देखने को मिली, ये 22,123 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 में तेजी और 11 में गिरावट देखने को मिली थी। बाजार में बैंकिंग और ऑटो शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही। रिलायंस इंडस्ट्री के शेयर में 3.49 प्रतिशत की तेजी रही। मारुति सुजुकी का शेयर 2.53 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

मार्केट कैपिटलाइजेशन क्या होता है

मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है

किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है।

मार्केट कैप कैसे घटता-बढ़ता है

मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

अभी और बढ़ेगी सोने की चमक...कीमत 75 हजार तक जा सकती

नई दिल्ली,31 मार्च ।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर अप्रैल के लिए फ्यूचर गोल्ड की कीमतें 67,800 रुपये प्रति 10 ग्राम को खत्म हुई हैं। भारत में वित्त वर्ष का अंतिम कामकाजी दिन था। इसके बाद मार्केट जब काम शुरू करेगा, तब नया वित्त वर्ष शुरू हो जाएगा। खत्म हो रहे वित्तीय साल की आखिरी 2 तिमाही में सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। 6 महीने में गोल्ड प्रति 10 ग्राम 11,000 रुपये तक बढ़ गया है। जानकारों का मानना है कि अभी इसकी कीमत में तेजी थमेगी नहीं। इसका सबसे बड़ा श्रेय यूएस फेडर रिजर्व द्वारा इस साल ब्याज दरों में 3 बार होने वाली कटौती को दिया जा रहा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक परिस्थतियां और यूएस में मुद्रास्फीति में गिरावट भी गोल्ड की चमक के पीछे का कारण बताए जा रहे हैं। केवल गोल्ड ही नहीं सिल्वर भी तेजी दिखने की उम्मीद है। जानकार का कहना है कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड सितंबर 2024 तक 2,350 प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। बता दें कि अभी स्पॉट गोल्ड का प्राइस 2,254 डॉलर है। उन्होंने कहा है कि अगर कोई गोल्ड में निवेश करना चाह रहा है, तब वह फेडरल रिजर्व की मीटिंग और उस बैठक में होने वाली संभावित रेट कटौती को ध्यान में रखकर निवेश करे। बकौल फेडरल रिजर्व की अगली बैठक अप्रैल 30 अप्रैल से 1 मई के निर्धारित है जिसमें ब्याज दरों में कटौती की घोषणा हो सकती है। जानकारों के अनुसार वित्त वर्ष 25 में गोल्ड 72,000 से 75,000 रुपये के रिकॉर्ड हाई तक जा सकता है। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल मार्केट में गोल्ड की कीमत 2,370 से 2,450 तक जा सकती है। एक्सपर्ट के अनुसार फेडरल रिजर्व द्वारा संभावित रेट कट की घोषणा के बाद से बाजार में सोने का भाव और तेज हो गया है। उन्होंने कहा कि बाजार रेट कट से पहले ही उस पर प्रतिक्रिया देने लगा है। इसके अलावा भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति में हल्की गिरावट की वजह से भी सोने को समर्थन मिल रहा है।

भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए, ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा

भारत को हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट के बजाय शिक्षा प्रणाली दुरुस्त करनी चाहिए : रघुराम राजन

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

देश में चार सेमीकंडक्टर यूनिट बनाने का काम शुरू हो चुका है। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच साल में भारत सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाले दुनिया के टॉप 5 देशों की सूची में शामिल होगा। लेकिन आरबीआई के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का कहना है कि भारत को सेमीकंडक्टर चिप बनाने की रेस में शामिल नहीं होना चाहिए। ऐसा करके वह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत के लिए सेमीकंडक्टर चिप बनाने से भी जरूरी कई काम हैं। उसके इस हाई-प्रोफाइल प्रोजेक्ट पर फोकस करने के बजाय अपनी शिक्षा प्रणाली को दुरुस्त करना चाहिए। शिकागो यूनिवर्सिटी के एक कार्यक्रम में फाइनेंस के प्रोफेसर रघुराम राजन ने एक नोट में कहा कि भारत सरकार हायर एजुकेशन के सालाना बजट से ज्यादा पैसा चिप मैन्यूफैक्चरिंग के लिए सब्सिडी के रूप में दे रही है। यह अच्छी बात नहीं है। निश्चित रूप से यह विकसित देश बनने का रास्ता नहीं है। मोदी सरकार की नीतियों के धुर विरोधी रहे राजन ने साफ किया कि उनकी बात का यह मतलब नहीं है कि भारत को कभी भी

सेमीकंडक्टर चिप नहीं बनाना चाहिए। लेकिन आज हर देश यही कर रहा है। इस रेस में पड़ने का मतलब खुद को बर्बाद करना है। भारत ने पिछले महीने तीन सेमीकंडक्टर प्लांट को मंजूरी दी थी। इन पर कुल 1.26 लाख करोड़ रुपये का निवेश होगा जिसमें सरकार की तरफ से 48,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जाएगी। राजन ने अपने नोट में कहा कि वास्तव में चिप सब्सिडी कैपिटल सब्सिडी है। इसका मतलब यह है कि इसका फ्रंट से भुगतान किया जाएगा, यह प्रॉडक्शन पर आधारित नहीं है।

ईवी पंजीकरण फिर 1 लाख के पार, ओला इलेक्ट्रिक सबसे आगे, ग्राहक लुटा रहे ईवी गाड़ियों पर प्यार

मुंबई, 31 मार्च ।

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण एक लाख का जादूई आंकड़ा पार कर गया। देश में शुरुआत होने के बाद से दूसरी बार ऐसा हुआ है। अब कंपनियां मार्च के गिनेचुने दिनों में पंजीकृत वाहनों के सर्वाधिक आंकड़े तक पहुंचकर नया मुकाम हासिल करने की तैयारी में हैं। इसकी वजह यह है कि कंपनियां छूट के द्वारा आक्रामक रूप से इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का अपना स्टॉक खत्म कर रही हैं और 31 मार्च तक वाहन पंजीकरण सुनिश्चित कर रही हैं।

अगर वे ऐसा करने में विफल रहती हैं, तब भारत में फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ (हाइब्रिड ऐंड) इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम-2) के तहत मिलने वाली सब्सिडी की लागत उन्हें ही उठानी पड़ेगी। इस योजना के स्थान पर नई इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस 2024) योजना लाई जा रही है जो केवल चार महीने के लिए है। इसके बाद सभी के लिए सब्सिडी आधी रहेगी और सीमा भी घटेगी। पंजीकृत इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की संख्या 1,00,031 का आंकड़ा पार कर चुकी थी। इसमें पिछले महीने की तुलना में 25 प्रतिशत से ज्यादा का इजाफा हुआ है। पिछले साल मई में भी पंजीकृत ई-दोपहिया वाहनों की संख्या 1,01,372 वाहनों तक पहुंच गई थी। हालांकि मार्च महीना खत्म होने में कुछ ही दिन बचे हैं, लेकिन कंपनियों को उम्मीद है कि इस महीने सबसे ज्यादा पंजीकरण होगा।

वाहन पंजीकरण के लिहाज से ओला इलेक्ट्रिक ने फिर रफ्तार पकड़ी और 41,109 वाहनों का पंजीकरण किया। पिछले माह की तुलना में यह 20 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि है, जो उद्योग में किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) कंपनी की अब तक की सबसे अधिक वृद्धि है। आंकड़ों के आधार पर ओला इलेक्ट्रिक के पास अब 41 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है।

उनकी बिक्री की गतिविधियों पर नजर रखने वाले विश्लेषकों को उम्मीद है कि मार्च के अंत तक पंजीकरण 50,000 के करीब पहुंच जाएगा। फेम 2 योजना इस महीने के आखिर में समाप्त हो जाएगी और इसका स्थान 1 अप्रैल से शुरू होने वाली ईएमपीएस 2024 ले लेगी।

पीएलआई स्कीम से मेड इन इंडिया को मिला बड़ा बूस्ट, फार्मा सेक्टर में आया सबसे ज्यादा पैसा

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

केंद्र सरकार ने देश में मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने चार साल पहले प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव स्कीम शुरू की थी। इसमें कंपनियों को भारत में मैन्युफैक्चरिंग प्लांट लगाने पर बड़ी छूट दी जाती है। यह योजना एक हद तक सफल रही है और इसका कुछ सेक्टर में सकारात्मक असर नजर रहा है। लेकिन, अभी भी कई मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ऐसे हैं, जिनमें सरकार की उम्मीद के मुताबिक निवेश नहीं आ रहा है। आइए जानते हैं कि किन सेक्टर में निवेश बढ़ा है और बाकी सेक्टर में इन्वेस्टमेंट बढ़ाने के लिए सरकार क्या कर रही है। पीएलआई के तहत कितना निवेश आया सरकारी डेटा के मुताबिक, पीएलआई स्कीम के तहत 14 सेक्टरों को दिसंबर 2023 तक 1.06 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मिला। इसमें फार्मा और सोलर मॉड्यूल सेगमेंट का योगदान तकरीबन आधा है। हालांकि, पिछले साल दिसंबर तक आईटी हार्डवेयर, ऑटो और ऑटो कंपोनेंट, टेक्सटाइल और एसीसी बैटरी स्टोरेज जैसे क्षेत्रों में योजना को सुस्त रिस्पॉन्स मिला था। सरकार ने 2021 में टेलीकॉम, व्हाइट गुड्स, कपड़ा, मेडिकल इक्विपमेंट, ऑटोमोबाइल, विशेष इस्पात, खाद्य उत्पाद, सोलर पीवी मॉड्यूल,

अडवांस केमिस्ट्री सेल बैटरी, ड्रोन और फार्मा जैसे 14 क्षेत्रों के लिए पीएलआई स्कीम का एलान किया था। फार्मा सेक्टर में किसने उठाया लाभ फार्मास्युटिकल्स और ड्रग्स सेक्टर में पिछले साल दिसंबर तक 25,813 करोड़ रुपये निवेश आया। सरकार को 17,275 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद थी, लेकिन आंकड़े इससे बेहतर रहे। फार्मा सेक्टर में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, सिप्ला, ग्लेनमार्क फार्मा, बायोकॉन और वॉकहार्ट लिमिटेड ने स्कीम का लाभ उठाया। वहीं, हाई एफिशिएंसी सोलर पीवी मॉड्यूल की बात करें, तो कुल 22,904 करोड़ रुपये का निवेश आया। यहां स्कीम का लाभ उठाने वाली कंपनियों में शिरडी साई इलेक्ट्रिकल्स, रिलायंस न्यू एनर्जी सोलर लिमिटेड, अदाणी इंफ्रास्ट्रक्चर और टाटा पावर सोलर शामिल रहीं। अन्य सेक्टर का क्या रहा हाल फार्मा और पीवी मॉड्यूल के अलावा कई दूसरे सेगमेंट को भी पीएलआई स्कीम के तहत ठीकठाक निवेश मिला। इनमें थोक दवाएं (3,586 करोड़ रुपये), चिकित्सा उपकरण (864 करोड़ रुपये), खाद्य प्रसंस्करण (7,350 रुपये) शामिल हैं। वहीं, टेलीकॉम सेक्टर (2,865 करोड़ रुपये) मिला। सबसे बुरा प्रदर्शन आईटी हार्डवेयर सेक्टर का रहा। इसमें सरकार को 2,517 करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद थी, लेकिन इन्वेस्टमेंट हुआ सिर्फ 270 करोड़ रुपये का। ऑटो और ऑटो कंपोनेंट सेक्टर भी सरकार की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा।

अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती को लेकर जल्दबाजी नहीं, केंद्रीय बैंक ने कहा- इससे महंगाई बढ़ने का खतरा

न्यूयार्क। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व ने संकेत दिया है कि वह ब्याज दरों में कटौती को लेकर किसी प्रकार की जल्दबाजी में नहीं है। सैन फ्रांसिस्को फेड के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल ने कहा कि हमें कटौती को लेकर जल्दबाजी की आवश्यकता नहीं है। पॉवेल ने कहा कि रोजगार का डेटा मजबूत रहा है। इस कारण केंद्रीय बैंक महंगाई दर के दो प्रतिशत के करीब आने का इंतजार कर रहा है। फेड चेयरमैन ने दरों में जल्द कटौती पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि अगर हम दरों को बहुत जल्द कम करते हैं, तो संभावना है कि महंगाई फिर से बढ़ जाएगी और यह अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिकूल होगा। पॉवेल ने ब्याज दरों को उनके मौजूदा स्तर पर छोड़ने के जोखिमों की पहचान की बात भी कही। एक रिपोर्ट के अनुसार, फेडरल रिजर्व दो जोखिमों में संतुलन की कोशिश कर रहा है। पहला यह है कि केंद्रीय बैंक के अधिकारी ब्याज दरों को लंबे समय तक उच्च स्तर पर नहीं रखना चाहते हैं। इससे गैर-आवश्यक मंदी का जोखिम है। दूसरा यह है कि अधिकारी महंगाई के नियंत्रण में आने से पहले जल्दबाजी में दरों में कटौती भी नहीं चाहते हैं। इससे पहले अमेरिका के फेडरल रिजर्व की दो दिवसीय फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के दौरान बेंचमार्क ब्याज दरों में कोई बदलाव न करने का फैसला किया गया था। उस समय भी जेरोम पॉवेल ने कहा था कि हालिया महंगाई दर की वजह से ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने साल के अंत में तीन बार ब्याज दरों में कटौती करने के संकेत दिए थे।

सबसे खराब रिव्यू... नजमुल हसन शांतो के डीआरएस पर क्रिकेट जगत हैरान

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

क्रिकेट जगत उस वक्त हैरान रह गया जब बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हसन शांतो ने श्रीलंका के खिलाफ डीआरएस लिया। क्रिकेट फैंस ने इसे इतिहास में लिए गए सभी रिव्यू में खराब डीआरएस करार दिया है।

चटगांव के जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में दूसरे टेस्ट में, बांग्लादेश के कप्तान द्वारा किए गए फैसले से अंपायर और श्रीलंकाई बल्लेबाज दोनों चकित थे, जिसके बाद सोशल मीडिया पर इस फैसले की खूब अलोचना हुई।

शांतो ने लिया सबसे खराब डीआरएस

दरअसल, 30 मार्च को बांग्लादेश और श्रीलंका दूसरे टेस्ट के दौरान एक दूसरे के सामने आए। श्रीलंका की पहली पारी के दौरान कुसल मेंडिस को आउट करने के लिए नजमुल हसन शांतो ने डीआरएस लिया था। ताइजुल इस्लाम की गेंद पर मेंडिस ने आगे आकर बॉल को डिफेंस किया था। इस पर शांतो ने कुछ देर साथी खिड़ियों से बात की, उसके बाद डीआरएस का इशारा कर दिया।

क्रिकेट रह गया हैरान -

बाद में थर्ड अंपायर ने रिप्ले में देखा की गेंद सीधे जाकर बल्ले पर जाकर लगी थी। थर्ड अंपायर ने मेंडिस को नॉट आउट करार दिया। रिप्ले देखकर मैदान पर उपस्थित सभी खिलाड़ी हंसते हुए दिखाई दिए। वहीं, मेंडिस के साथ-साथ अंपयार भी हैरान रह गए। अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वहीं, फैंस शांतो की जमकर आलोचना कर रहे हैं।

बता दें कि श्रीलंका ने पहले दिन स्टंप्स तक 4 विकेट पर 314 रन बना लिए हैं। दिनेश चंडमल 34 और धनंजय डी सिल्वा 15 रन बनाकर नाबाद लौटे। कुसल मेंडिस ने 93 रन और करुणारत्ने ने 86 रन का योगदान दिया। निसान मदुशका ने 57 बनाए।

न्यूज ब्रीफ

बाबर पाकिस्तान के वनडे और टी-20 के कप्तान बने: बोर्ड ने फिर कमान सौंपी, वनडे वर्ल्ड कप के बाद छोड़ी थी कप्तानी

नई दिल्ली। बाबर आजम फिर पाकिस्तान क्रिकेट टीम के वाइट-बॉल (वनडे और टी-20) के कप्तान नियुक्त किए गए हैं।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इसका ऐलान किया। पाकिस्तान का वनडे वर्ल्ड कप 2023 में खराब प्रदर्शन रहा था। वर्ल्ड कप के बाद ही बाबर आजम ने तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी थी। इसके बाद टेस्ट का कप्तान शान मसूद को और टी-20 फॉर्मेट का कप्तान शाहीन अफरीदी को बनाया गया था। बाबर की कप्तानी में टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंची बाबर की कप्तानी में पाकिस्तान टीम वनडे और टी-20 की टीम रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंची थी। उन्हीं की कप्तानी में टीम टी-20 वर्ल्ड कप 2022 के फाइनल में पहुंची थी, लेकिन टीम को इंग्लैंड के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। न्यूजीलैंड के खिलाफ 4-1 से हार का सामना करना पड़ा शाहीन अफरीदी की कप्तानी में टीम अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई। टीम को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में 4-1 से हार का सामना करना पड़ा। दूसरी ओर, शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार झेलनी पड़ी थी।

पूर्व कोच संजय सेन ने तथाकथित विदेशी कोचों पर साधा निशाना

नई दिल्ली। इस हफ्ते की शुरुआत में गुवाहाटी में 2026 फीफा विश्व कप क्वालीफायर में अफगानिस्तान के खिलाफ ब्लू टाइगर्स की चौंकाने वाली हार के बाद भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक को हटाने की मांग बढ़ रही है, एक पूर्व शीर्ष कोच ने क्रोएशियाई विश्व कप खिलाड़ी को बर्खास्त करने की आवाज उठाई है। एशियाई खेलों और एएफसी एशिया कप में लगातार खराब प्रदर्शन के बाद स्टिमैक की आलोचना हो रही है, इसके बाद आभा, सऊदी अरब में 158वीं रैंकिंग वाले अफगानिस्तान के खिलाफ गोल रहित ड्रा और 26 मार्च को रिटर्न लेग में गुवाहाटी में 1-2 से हार मिली। . 2018-19 में आईएसएल क्लब एटीके के पूर्व तकनीकी निदेशक संजय सेन (63), जो बाद में टीम के सहायक कोच बने, ने स्टिमैक के खिलाफ पूरी तरह से हमला बोलते हुए कहा, भारतीय फुटबॉल उनकी मदद से एक इंच भी आगे नहीं बढ़ पाया है। विशेष रूप से बात करते हुए, मोहन बागान को 13 साल बाद 2014-15 आई-लीग खिताब दिलाने वाले सेन ने हाल के मैचों में राष्ट्रीय टीम की हार के लिए क्रोएशियाई कोच को जिम्मेदार ठहराया। सेन ने कहा, अगर स्टिमैक की जगह कोई भारतीय कोच होता, तो वह बहुत पहले ही अपनी नौकरी खो देता। यह सब हमारे द्वारा विदेशी कोचों को खुश करने के कारण है। यह सोचकर कि भारत को एक विदेशी कोच से क्या हासिल हुआ, सेन ने कहा, मुझे नहीं पता कि हमें मिला या नहीं। क्या फुटबॉल का स्तर सुधर गया है मुझे नहीं पता। मेरी मामूली समझ में, मुझे लगता है कि भारतीय फुटबॉल इन तथाकथित विदेशी कोचों की मदद से एक कदम भी आगे नहीं बढ़ पायी है, चाहे वह स्टीफन कॉन्सटेंटाइन हों, या इगोर स्टिमैक। मुझे यह भी लगता है कि बॉब हॉटन के बाद कोई भी सक्षम विदेशी कोच भारत नहीं आया है। यदि हम अंतर्राष्ट्रीय फुटबॉल को देखें, तो अधिकांश टीमों के पास अपना राष्ट्रीय कोच होता है।

पेरिस ओलंपिक की सुरक्षा के लिए फ्रांस ने मांगी सहायता

पेरिस। आगामी पेरिस ओलंपिक को देखते हुए फ्रांस की सरकार ने अन्य देशों से सहायता मांगी है। फ्रांस ने इन देशों से ओलंपिक की सुरक्षा में सहायता के लिए दो हजार से अधिक पुलिस अधिकारी उपलब्ध कराने को कहा है। फ्रांस ने ऐसा किसी भी संभावित आतंकी हमले से निपटने के लिए कहा है। फ्रांस के आंतरिक मंत्रालय ने कहा कि विदेशी सुरक्षा सहायता के लिए अनुरोध जनवरी में किया गया था जिसमें लगभग दो हजार 185 सुरक्षाकर्मियों की मांग की गई थी। विभिन्न देशों के सुरक्षा अधिकारियों से खेलों की सुरक्षा और 'दर्शकों के अनुभव' तथा 'अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करने' में मदद मांगी गई है। ये भी कहा गया है कि फ्रांस ने भी साल 2022 में कतर में फुटबॉल विश्व कप में अपने सुरक्षाकर्मियों को भेजा था। इसके साथ ही पिछले साल फ्रांस द्वारा आयोजित रग्बी विश्व कप की सुरक्षा में भी यूरोपीय देशों के 160 सुरक्षाकर्मी शामिल हुए थे। फ्रांसीसी रक्षा मंत्रालय ने अन्य देशों से सैन्य कर्मियों के साथ ही खोजी कुत्तों की टीमों की भी मांग की है जो सुरक्षा में अहम भूमिका निभा सकें। हाल के कुछ वर्षों में फ्रांस में आतंकी गतिविधियां बढ़ी हैं।

इंडियन प्रीमियर लीग -2024 में गुजरात की दूसरी जीत

मिलर ने छक्का मारकर जिताया, हैदराबाद को 7 विकेट से मात दी

अहमदाबाद, 31 मार्च (एजेंसियां)।

गुजरात टाइटंस के सबसे अनुभवी गेंदबाजों में से एक मोहित शर्मा अपनी घातक गेंदबाजी से इंडियन प्रीमियर लीग के 17वें सीजन में भी धमाल मचा रहे हैं।

खास तौर से डेथ ओवर्स में तो मोहित अपने स्लोअर गेंद से बल्लेबाजों के लिए काल बने हुए हैं। ऐसा ही कुछ अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ देखने को मिला। 17 वें सीजन के 12वें मैच में मोहित ने सनराइजर्स के लिए अपने चार ओवर के स्पेल में सिर्फ 25 रन देकर 3 विकेट अपने नाम किए। मोहित ने मैच में अभिषेक शर्मा, शहबाज अहमद और वॉशिंगटन सुंदर को अपना शिकार बनाया।

मोहित शर्मा की दमदार गेंदबाजी के अलावा अफगानिस्तान के स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद ने बीच के ओवरों में किफायती गेंदबाजी की जिसके दम पर गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के मैच में रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद को आठ विकेट पर 162 रन पर रोक दिया । पिछले मैच में 277 रन बनाकर विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले सनराजइर्स ने पावरप्ले के भीतर एक विकेट खोकर 56 रन बनाये लेकिन उसके बाद अफगानिस्तान के स्पिनरों ने बीच के ओवरों में खुलकर खेलने नहीं दिया।

नूर ने 32 रन देकर और राशिद ने 33 रन देकर एक एक विकेट लिया। नूर ने फॉर्म में चल रहे सनराजइर्स के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (19) को सस्ते में आउट किया जबकि राशिद ने हेनरिच क्लासेन (24) को पवेलियन भेजा। राशिद ने डाइव करके एडेन मार्कराम का कैच भी लपका। सनराइजर्स ने आखिरी पांच ओवर में पांच विकेट सिर्फ 40 रन के भीतर गंवा दिए।

टॉस जीतकर सनराइजर्स ने लिया था बैटिंग

पिछले मैच में तेजी से रन बनाने के बाद सनराइजर्स ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। ट्रेविस हेड ने अच्छे स्ट्रोक्स लगाए, लेकिन मयंक अग्रवाल (16) सहज नहीं दिखे जिन्हें अजमतुल्लाह उमरजई ने पवेलियन भेजा। पिछले मैच के नायक अभिषेक शर्मा ने राशिद को दो छक्के लगाये लेकिन कलाई के स्पिनर नूर ने सनराइजर्स की रनगति पर अंकुश लगाया। हेड उनकी गेंद पर चकमा खाकर बोल्ड हो गए। इस बीच राशिद ने दूसरे ओवर में सिर्फ चार रन दिये।

शुभमन गिल ने दसवें ओवर में मोहित को गेंद सौंपने का शानदार फैसला लिया। मोहित ने क्रीज पर जम चुके अभिषेक (29) को आउट किया। इस बीच क्लासेन ने नूर को उनके आखिरी ओवर में दो चौके जड़े।

राशिद ने 14वें ओवर में क्लासेन को आउट करके फिर सनराइजर्स पर दबाव बनाया। अगले ओवर में राशिद ने डाइव लगाकर दीप में मार्कराम (17) का कैच लपका।

गोवा में महिला फुटबॉलरों के साथ एआईएफएफ सदस्य दीपक शर्मा ने की मारपीट, अंडे को लेकर शुरू हुआ था विवाद

गगरेट, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

हिमाचल प्रदेश के जिला ऊना के फुटबॉल क्लब खड्ड की दो खिलाड़ियों ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति के सदस्य दीपक शर्मा पर गंभीर आरोप लगाए हैं। खिलाड़ियों के अनुसार, शर्मा ने गोवा में चल रही भारतीय महिला लीग-2 के दौरान एक होटल के कमरे में उनकी पिटाई की। इन खिलाड़ियों ने ऑल इंडिया फुटबाल फेडरेशन के पास शिकायत की है।

घटना के समय नशे में थे दीपक शर्मा

दीपक शर्मा हिमाचल प्रदेश फुटबॉल एसोसिएशन के महासचिव और एआईएफएफ की प्रतियोगिता समिति के उपाध्यक्ष हैं। खिलाड़ियों का यह भी आरोप है कि घटना के समय शर्मा नशे में थे और जब वे हिमाचल प्रदेश से गोवा जा रहे थे तो उनके सामने भी शराब पी रहे थे।

फुटबॉल खिलाड़ी पलक वर्मा ने इस घटना के बारे में बताया कि उस दिन मैं घायल हो गई थी और अपने कमरे में अंडे लेकर आई थी।

अंडे को लेकर शुरू हुई बहस

रात को रूममेट लड़की के साथ रसोई में अंडे बना रही थी। उस समय सर ने हमें अपने कमरे में बुलाया। दूसरी लड़की उनके कमरे में गई और उनसे पूछा कि क्या कर रहे हैं। उसने बताया कि अंडा तैयार किया जा रहा है। सर ने उस लड़की को डांटा और फिर मुझे बुलाया। उन्होंने अभद्र तरीके से पूछा कि अंडा क्यों बना रही हो। इस पर पलक ने कहा कि खाना खत्म हो गया है और इसलिए अंडा बना रही थी। शर्मा उस समय नशे में थे। उन्होंने मुझसे अंडे फेंकने के लिए कहा।

ऑल इंडिया फुटबाल फेडरेशन ने गठित की कमेटी

मैं रोने लगी और अपने कमरे में आकर दरवाजा पीटने लगी। यह सुनते ही सर मेरे कमरे में पहुंचे और मुझे पीटने लगे। मेरी रूममेट ने उन्हें रोका तो वह चले गए। इस मामले पर दीपक शर्मा का पक्ष जानने के लिए उन्हें कई बार फोन करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। हालांकि मामले की जांच के लिए ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन ने चार सदस्यीय कमेटी गठित की है।

कोलिन्स ने रिबाकिना को अपदस्थ कर मियामी ओपन का खिताब जीता

फ्लोरिडा, 30 मार्च (एजेंसियां) ।

गैरवरीय अमेरिकी डेनिएल कोलिन्स ने डब्ल्यूटीए 1000 मियामी ओपन जीतने के लिए नंबर 4 वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना को 7-5, 6-3 से अपदस्थ कर अपने करियर का सर्वोच्च स्तर का खिताब हासिल किया। दोनों खिलाड़ियों द्वारा पावर हिटिंग के 2 घंटे और 2 मिनट के जबरदस्त प्रदर्शन में, 30 वर्षीय कोलिन्स ने अपने करियर का तीसरा डब्ल्यूटीए एकल खिताब, अपना पहला डब्ल्यूटीए 1000 खिताब और 2021 से किसी स्तर पर अपना पहला खिताब अपने नाम किया।

उसने अपने पिछले 21 मैचों में से 17 में जीत हासिल की और जीत के साथ, अमेरिकी अगले सप्ताह तक विश्व में 22वें नंबर पर पहुंच जाएगी। कोलिन्स 2018 में स्लोएन स्टीफंस के बाद मियामी ओपन खिताब जीतने वाली पहली अमेरिकी महिला बनीं। वह मार्टिना नवरातिलोवा, क्रिस एवर्ट, तीन बार की चैंपियन वीनस विलियम्स, आठ बार की चैंपियन सेरेना विलियम्स और स्टीफ़ंस के बाद ताज जीतने वाली कुल मिलाकर छठी अमेरिकी महिला बन गई हैं।

उन्होंने ऑफ-कोर्ट स्वास्थ्य समस्याओं के कारण इस सीज़न के अंत में संन्यास लेने का अपना निर्णय बरकरार रखा है। उन्होंने पेशेवर टेनिस से अपनी विदाई की कोई तारीख तय नहीं की है और कम से कम यूएस ओपन तक खेलने की योजना बना रही हैं। कोलिन्स ने टूर्नामेंट वेबसाइट से कहा,आज बाहर जाना और प्रशंसकों से मुझे जो ऊर्जा महसूस हुई और सचमुच ऐसा महसूस हुआ कि मैं अपने हजारों सबसे अच्छे दोस्तों के सामने खेल रही हूं, यह अद्भुत था, यह बिल्कुल अवास्तविक था।

मैं इस दिन को कभी नहीं भूलूंगी। कोलिन्स ने खुलासा किया कि पिछले सीज़न के लिए उनकी योजनाओं में डब्ल्यूटीए 1000 जीतना शामिल था, और तथ्य यह है कि वह पेशेवर टेनिस नहीं खेलेंगी।

उन्होंने आगे कहा, मुझे लगता है कि आज मैंने इतना अच्छा खेला और अच्छा काम किया, इसका एक कारण यह था कि मेरी मानसिकता यह थी कि मैं इसके हर मिनट का आनंद लूंगी। यह मेरा आखिरी साल है, यह मेरा आखिरी सीजन है , और ये मेरी कुछ अंतिम घटनाएं हैं। मैं इन पलों को याद करना चाहती हूं।

लखनऊ सुपरजायंट्स के पेसर मयंक यादव ने डेब्यू मैच में डाली आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

लखनऊ सुपर जायंट्स के डेब्यटेंट तेज गेंदबाज मयंक यादव ने 30 मार्च को आईपीएल 2024 की सबसे तेज गेंद फेंकने का रिकॉर्ड बनाया। दिल्ली के 21 साल के युवा खिलाड़ी ने लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेलते हुए अपनी तेज गति से पंजाब के बल्लेबाजों को परेशान किया।

मयंक ने पंजाब के खिलाफ अपने दूसरे ओवर में 155.8 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंद फेंकी, जो इस सीजन की सबसे तेज गेंद थी और उन्होंने राजस्थान के नांद्रे बर्गर को पछाड़ दिया। मयंक यादव ने अपने डेब्यू मैच में तीन बल्लेबाजों का शिकार किया और अपनी टीम को जीत दिलाने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेयरस्टो को बनाया पहला शिकार

जब टीम को सबसे ज्यादा विकेट की जरूरत थी तब मयंक ने पहली विकेट के रूप में जॉनी बेयरस्टो को आउट किया। उसके बाद प्रभसिमरन को आउट कर मैच में रोमांच पैदा कर दिया। तीसरी विकेट के रूप में जितेश शर्मा को चलता किया। मयंक ने 147 KMKPH डिलीवरी के साथ शुरुआत की और फिर वहां से आगे बढ़ते गए।

जानें कौन हैं मयंक यादव

एक होनहार युवा क्रिकेटर मयंक यादव को आईपीएल 2022 में लखनऊ ने खरीदा था। 17 जून 2002 को जन्मे मयंक तेज गेंदबाजी के रूप में जाने जाते हैं। मयंक 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने में सक्षम हैं।

पिछले साल हुए अंडर-23 कर्नल सीके नायडु में मयंक ने जोरदार प्रदर्शन किया था। मयंक ने 6 मैच में ही 15 विकेट अपने नाम किए थे। इसमें छत्तीसगढ़ के खिलाफ एक ही मैच में उन्होंने 5 विकेट चटकाए थे। इसके अलावा बल्ले से भी उन्होंने 66 रनों का योगदान दिया था।

ऐसा रहा है घरेलू क्रिकेट

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2023-24 में भी मयंक ने प्रभावी प्रदर्शन किया था। टूर्नामेंट के चार मैचों में मयंक ने पांच विकेट लिए थे। इसके अलावा विजय हजारे ट्रॉफी में भी उन्होंने पांच मैच में 6 विकेट अपने नाम किए थे। 2023 देवधर ट्रॉफी में नॉर्थ जोन के लिए खेलते हुए मयंक ने पांच मैचों में 12 विकेट हासिल किए थे। मयंक यादव के करियर की बात करें तो वह दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अब तक केवल एक ही फर्स्ट क्लास मैच खेला है। मयंक ने 17 लिस्ट-ए और 10 टी20 मैच खेले हैं।

लिस्ट-ए में मयंक के नाम 34 विकेट दर्ज हैं और उनकी इकॉनमी भी 5.35 की रही है। टी20 में मयंक ने 6.44 की शानदार इकॉनमी के साथ 12 विकेट हासिल किए हैं।

हार्दिक-टेटे ने साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड जीता, इनाम में मिले 25-25 लाख

नई दिल्ली, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उपकप्तान और मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने हॉकी इंडिया अवॉर्ड्स में पुरस्कारों की झड़ी लगा दी। इस कड़ी में उन्होंने पीआर श्रीजेश, हरमनप्रीत सिंह और मनप्रीत सिंह जैसे कई खिलाड़ियों को पीछे छोड़ा। हार्दिक ने साल 2023 के लिए भारत के सर्वश्रेष्ठ पुरुष हॉकी खिलाड़ी का पुरस्कार जीता। महिलाओं की श्रेणी में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड सलीमा टेटे ने जीता।

हार्दिक और सलीम को बलबीर सिंह सीनियर पुरस्कार दिया गया। साथ ही 25-25 लाख रुपये भी दिए गए। इतना ही नहीं, हार्दिक ने साल (2023) के सर्वश्रेष्ठ मिडफील्डर होने के लिए अजीत पाल सिंह अवॉर्ड भी जीता। उन्हें इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये भी मिले।

हरमनप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए - भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरममप्रीत सिंह सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर चुने गए और उन्हें परगट सिंह अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। उन्हें भी इनाम के तौर पर पांच लाख रुपये दिए गए। वहीं, भारत के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश को साल का सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर चुना गया। उन्हें बलजीत सिंह गोलकीपर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। श्रीजेश ने इस मामले में भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया को पीछे छोड़ा।

अभिषेक सर्वश्रेष्ठ फॉरवर्ड खिलाड़ी- बेस्ट फॉरवर्ड खिलाड़ी के लिए धनराज पिल्लै अवॉर्ड युवा स्ट्राइकर अभिषेक ने जीता। वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (पुरुष) के लिए जुगराज सिंह पुरस्कार अरायजीत सिंह हुंडल ने जीता। वहीं, वर्ष के सर्वश्रेष्ठ उभरते सितारे (महिला) के लिए असुंता लाकड़ा पुरस्कार दीपिका सोरेंग को मिला। ये अंडर-21 हॉकी खिलाड़ियों के लिए हैं। दोनों विजेता खिलाड़ियों को इनाम के तौर पर 10-10 लाख रुपये मिले।

अशोक कुमार को ध्यानचंद पुरस्कार

इस समारोह में शीर्ष पुरस्कार हॉकी इंडिया मेजर ध्यानचंद लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड का रहा, जिसे उनके (ध्यानचंद) बेटे अशोक कुमार ने जीता। अशोक को 30 लाख रुपये से सम्मानित किया गया। इस साल के लिए कुल इनामी राशि 7.56 करोड़ रुपये की थी।

हार्दिक और सलीमा ने क्या कहा- हार्दिक ने सम्मानित होने के बाद कहा, 'मुझे लगता है कि जब आप कोई व्यक्तिगत पुरस्कार जीतते हैं तो जिम्मेदारी बढ़ जाती है लेकिन यह हमारा पेशा है। हम साल में 300 दिन हॉकी जीते हैं और इन उपलब्धियों को हासिल करने के कारण ही जब किसी व्यक्तिगत खिलाड़ी को इस तरह की प्रशंसा मिलती है, तो उसे पता होना चाहिए कि पूरी टीम उस पर भरोसा कर रही है। मैं बहुत खुश हूं कि मैं अच्छा कर रहा हूं, लेकिन हमारा मुख्य ध्यान टीम पर है क्योंकि हॉकी एक टीम गेम है।'

वहीं, सलीमा ने कहा कि यह सम्मान उन्हें देश के लिए और अधिक सम्मान अर्जित करने के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने कहा- जब भी मुझे भारतीय जर्सी पहनने और देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मैदान पर उतरने का मौका मिलता है तो यह मेरे लिए बहुत गर्व की बात है। यह पुरस्कार मुझे हर दिन और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगा ताकि मैं आगे भी अच्छा प्रदर्शन कर सकूं और देश को गर्व महसूस करा सकूं।

समारोह की ऐसे हुई शुरुआत- समारोह की शुरुआत माइलस्टोन अवार्ड्स 2023 से हुई, जिसमें विवेक सागर प्रसाद, हार्दिक, नीलकंठ शर्मा, सुमित, कृष्ण बहादुर पाठक, उदिता, सलीमा और गुरजंत सिंह ने 100 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी जीती। निक्की प्रधान, अमित रोहिदास, ललित कुमार उपाध्याय और नेहा को भी 150 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए 1.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

इन खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित- हरमनप्रीत सिंह को 200 अंतरराष्ट्रीय कैप पूरे करने के लिए दो लाख रुपये और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया, जबकि भारतीय महिला हॉकी टीम की गोलकीपर सविता को 250वीं कैप हासिल करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ 2.5 लाख रुपये दिए गए। श्रीजेश को 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने के लिए एक ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये दिए गए।

पिछले साल, स्ट्राइकर वंदना कटारिया अपनी 300वीं अंतरराष्ट्रीय कैप अर्जित करने वाली पहली भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी बनीं और इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए उन्हें ट्रॉफी के साथ तीन लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। 350 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए मनप्रीत सिंह को 3.5 लाख रुपये और एक ट्रॉफी प्रदान की गई।

व्यक्तिगत उपलब्धि पुरस्कारों की दूसरी श्रेणी में, दीपिका, मोहित एचएस, अन्नू, अंजलि बरवा, मनिंदर सिंह, दीपिका सोरेंग, मनदीप सिंह, सलीमा, संगीता कुमारी और हरमनप्रीत सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार और एक ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाथ-पैर बंधे बाइडन की तस्वीर की साझा, राष्ट्रपति की टीम ने लगाया बड़ा आरोप

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति जो बाइडन से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था। इस वीडियो में एक ट्रक गुजरता दिख रहा है, जिसके पीछे बाइडन की एक तस्वीर लगी है। अब इस वीडियो को साझा करने के लिए ट्रंप की भारी आलोचना हो रही है। दरअसल, वीडियो में दिखाई गई तस्वीर में हाथ-पैर बंधे हुए राष्ट्रपति बाइडन दिखाए गए है।

बाइडन की टीम का भड़का गुस्सा

यह वीडियो न्यूयॉर्क पुलिस विभाग के दिवंगत अधिकारी जोनाथन डिलर के निधन के बाद ट्रंप के निजी जेट में वापस जाने के बाद पोस्ट किया गया था। इसमें कैप्शन लिखा था कि यह वीडियो न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में बनाया गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो पर बाइडन के प्रचार अभियान का गुस्सा भड़क गया है। उन्होंने मौजूदा डेमोक्रेटिक राष्ट्रपति को शारीरिक नुकसान पहुंचाने का सुझाव देने वाले वीडियो की निंदा की है।

ट्रंप हिंसा को बढ़ावा दे रहे

बाइडन के प्रचार अभियान के संचार निदेशक माइकल टायलर ने कहा, ट्रंप लगातार राजनीतिक हिंसा को भड़का रहे हैं। अब समय आ गया है कि लोग उन्हें गंभीरता से लें। कैपिटल पुलिस के अधिकारियों से पूछें कि छह जनवरी को हुई हिंसा के पीछे किसका हाथ था।

पूर्व राष्ट्रपति की टीम का जवाब

इस पर रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप के अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने जवाब दिया, वीडियो एक पिकअप ट्रक का है, जो राजमार्ग से गुजर रहा था। डेमोक्रेट और पागल लोगों ने न केवल राष्ट्रपति ट्रंप और उनके परिवार के खिलाफ घृणित हिंसा का आह्वान किया बल्कि वास्तव में उनके खिलाफ न्याय प्रणाली को हथियार बना रहे हैं।

यूएस सीक्रेट सर्विस ने एक बयान जारी कर कहा कि यह सुरक्षात्मक खुफिया मामलों की पुष्टि या टिप्पणी नहीं करता है। बता दें, वीडियो में ट्रम्प 2024 के साथ एक गुजरते ट्रक को दिखाया गया है। साथ ही पुलिस के समर्थन का दावा करने वाले झंडे दिखाए गए हैं। वहीं वाहन के पिछले हिस्से पर हाथ-पैर बंधे असहाय हालात में दिखाई दे रहे बाइडन की एक तस्वीर लगी है।

न्यूज ब्रीफ

भारतवंशी राष्ट्रपति ने बंद की पश्चिम की बोलती, कहा- हमारा तेल खनन विनाश, पश्चिम करे तो विकास

जॉर्जटाउन। गुयाना के भारतवंशी राष्ट्रपति इरफान अली ने पर्यावरण संरक्षण पर पश्चिम के पाखंड को लेकर जोरदार प्रहार किया है। बीबीसी को दिए साक्षात्कार में अली ने कहा कि गुयाना जैसे देश तेल-गैस खनन करते हैं, तो इससे पर्यावरण का विनाश होता है, जबकि पश्चिम के इसी काम को विकास कहा जाता है। इस पाखंड को अब बंद करना चाहिए। बीबीसी के पत्रकार स्टीफन सैकुर ने साक्षात्कार के दौरान भारतवंशी अली से गुयाना के तटीय क्षेत्र में तेल और गैस खनन की योजना को लेकर सवाल किया कि इससे करीब 200 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन होगा। वह अपना सवाल पूरा करते इससे पहले ही अली ने फटकार लगाते हुए कहा कि वे इस मुद्दे पर उन्हें उपदेश देने का कोई हक नहीं रखते हैं। पश्चिम को तो गुयाना जैसे देशों से यह सीखना चाहिए कि प्रकृति और पर्यावरण को कैसे बचाया जाता है। उन्होंने कहा कि आप (बीबीसी) उन लोगों (पश्चिमी देशों) की जेब में हैं, जिन्होंने औद्योगिक क्रांति के नाम पर पर्यावरण को क्रूरता से नष्ट किया और इसे विकास का नाम दिया है। गुयाना के जंगल की बात पर सैकुर ने सवाल किया कि क्या इससे गुयाना को कार्बन उत्सर्जन का अधिकार मिल जाता है। इसके जवाब में अली ने कहा कि क्या हमारे उत्सर्जन करने से आपको (पश्चिम) हमें जलवायु परिवर्तन पर उपदेश देने का अधिकार मिल जाता है। नहीं, बल्कि पश्चिम को हमसे उपदेश लेना चाहिए, क्योंकि हमने इन जंगलों को बचाए रखा है, जो 19.5 गीगाटन कार्बन स्टोर करते हैं। इनका पश्चिम और पूरी दुनिया आनंद ले रही है, जिसके बदले गुयाना को फूटी कौड़ी भी नहीं मिलती है। अली ने कहा कि वे कार्बन उत्सर्जन पर उन्हें उपदेश देने से पहले जान लें कि गुयाना में आज भी पूरे इंग्लैंड और स्कॉटलैंड के आकार जितने जंगल हैं। गुयाना में पूरी दुनिया में सबसे कम जंगल काटे गए हैं।

पाकिस्तान के हाल बेहालः कार्यक्रमों में नहीं होगा रेड कार्पेट का इस्तेमाल, आर्थिक तंगी के बीच लेना पड़ा फैसला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की आर्थिक तंगी किसी से छिपी नहीं है। आए दिन अपनी गरीबी का दुख सुनाकर आईएमएफ के सामने हाथ फैला देता है। अब पड़ोसी देश के इतने बुरे दिन आ गए है कि उसने सरकारी कार्यक्रमों में इस्तेमाल होने वाले रेड कार्पेट पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। दरअसल, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने देश में अनावश्यक खर्च में कटौती करने के लिए यह कदम उठाया है। इसके तहत सरकारी कार्यक्रमों में रेड कार्पेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें राजनयिक स्वागत के लिए विशेष रूप से आरक्षित रखा है। शरीफ ने सरकारी कार्यक्रमों में संघीय मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों की यात्राओं के दौरान रेड कार्पेट के इस्तेमाल पर नाराजगी जताई। कैबिनेट डिवीजन द्वारा जारी एक अधिसूचना के अनुसार, प्रधानमंत्री ने निर्देश दिया है कि भविष्य में आधिकारिक कार्यक्रमों में संघीय मंत्रियों और सरकारी हस्तियों के लिए रेड कार्पेट का उपयोग नहीं किया जाएगा। एक रिपोर्ट के अनुसार, इसे सिर्फ विदेशी राजनयिकों के लिए प्रोटोकॉल के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। कहा जा रहा है कि रेड कार्पेट के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने का सरकार का उद्देश्य धन की बचत करना और सार्वजनिक वित्त के लिए अधिक जिम्मेदार और विवेकपूर्ण दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। पिछले सप्ताह प्रधानमंत्री शरीफ और कैबिनेट के सदस्यों ने धन जुटाने के सरकार के प्रयासों के तहत स्वेच्छा से अपना वेतन और भत्ता छोड़ने का फैसला किया था। पिछले महीने प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनकी प्राथमिका बेफिजूली खर्च को रोकना है।

मेडागास्कर में गैमेन तूफान की वजह से मची तबाही,18 लोगों की मौत, विस्थापित किए गए 20 हजार लोग

एंटानानारीवो। मेडागास्कर द्वीप पर आए चक्रवाती तूफान गैमेन की वजह से बड़ी तबाही मची है। इस तूफान की वजह से इस सप्ताह कम से कम 18 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा अब तक 20 हजार लोग विस्थापित किए जा चुके हैं। तीन लोग घायल हैं और चार लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन ब्यूरो (बीएनजीआरसी) ने एक रिपोर्ट में बताया है कि उष्णकटिबंधीय चक्रवात गैमेन ने मेडागास्कर के उत्तर-पूर्व में तबाही मचा दी। बीएनजीआरसी ने बताया कि चक्रवाती तूफान 'गैमेन' ने मेडागास्कर के उत्तरी क्षेत्र में 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तबाही मचा दी। धीरे धीरे यह खत्म तो हुआ लेकिन बाढ़ की वजह से बड़ा नुकसान हो गया। कई सड़कें और पुल ढह चुके हैं। देश के सात क्षेत्रों को तबाह करने वाले चक्रवात से 9,024 घरों सहित कुल 36,307 लोग प्रभावित हुए हैं। बीएनजीआरसी के अनुसार गैमेन चक्रवात की वजह से आई बाढ़ ने देश में व्यापक रूप से क्षति पहुंचाई है। लगभग 6,675 घर जलमग्न हो गए, जबकि 617 घर पूरी तरह से नष्ट हो चुके हैं। मेडागास्कर के उत्तर में सड़कें और पुल ढह चुके हैं। इस साल देश में पहले चक्रवाती तूफान के रूप में गैमेन सबसे ज्यादा प्रभावशाली रहा।

आतंकी हमले के बाद राष्ट्रपति पुतिन को लेकर रूस का बड़ा दावा

अब तक 144 की मौत, 134 लोगों की हुई पहचान, विस्फोट में 551 लोग हुए घायल

मॉस्को, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

22 मार्च को मॉस्को शहर के क्रोकस सिटी कॉन्सर्ट हॉल में घुसे आतंकियों ने गोलीबारी और विस्फोट किया। इस आतंकी हमले में 144 लोग मारे गए थे। इनमें से 134 लोगों की पहचान कर ली गई है, बाकी बचे शवों का आनुवांशिक परीक्षण जारी है। इस हमले में 551 लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी मामले में जांच कर रही समिति के प्रेस कार्यालय टीएएसएस द्वारा दी गई है। उधर देश के राष्ट्रपति पुतिन इस आतंकी हमले के बाद से बेहद परेशान बताए जा रहे हैं।

जांच समिति ने क्या कहा

जांच समिति का कहना है कि सभी लोग दिन रात एक कर काम कर रहे हैं। इस जघन्य अपराध से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में जानकारी इकट्ठा की जा रही है। जांच समिति का कहना है कि आतंकी हमले में मारे गए 144 लोगों में से 134 लोगों की पहचान हो चुकी है और बाकी बचे शवों का परीक्षण लगातार जारी है।

बेहद परेशान हैं पुतिन

टीएएसएस की रिपोर्ट के अनुसार रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बताया कि क्रोकस सिटी हॉल पर घातक आतंकवादी हमले के बाद से पुतिन बेहद परेशान हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी त्रासदियों को देखकर राष्ट्रपति का दिल दुखता है।

पकड़े गए हमलावरों का यूक्रेन से संबंध

जांचकर्ताओं के अनुसार, सभी चार संदिग्ध हमलावरों को पकड़ लिया गया है। जबकि उनकी मदद करने वाले पांच संदिग्ध लोगों से पूछताछ जारी है। रूसी जांच समिति का दावा किया कि हमलावरों के यूक्रेन से संबंध हैं। इस हमले में घायल हुए लोगों की संख्या 551 तक पहुंच गई है।

मॉस्को में क्या हुआ था

22 मार्च को मॉस्को के पास क्रोकस सिटी हॉल में कॉन्सर्ट के दौरान आतंकवादियों ने लोगों पर अंधाधुंध गोलीबारी की थी। आर्तकियों ने विस्फोटक से हॉल में धमाका भी किया, जिससे वहां आग लग गई। वहीं, आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट ने हमले की जिम्मेदारी ली है। इस्लामिक स्टेट ने इसे लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है। हमले में 144 लोगों की मौत हो गई और 550 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

सीरिया में बम धमाका, हमले में 8 लोगों की मौत, 23 घायल

बेरूत। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि अलेप्पो प्रांत के अजाज में एक लोकप्रिय बाजार के बीच में एक कार में बम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में आठ लोग के मारे गए हैं और 23 अन्य घायल हैं। मरने वालों की संख्या अभी और भी बढ़ सकती है। तुर्की समर्थक बलों के कब्जे वाले उत्तरी सीरियाई शहर के एक बाजार में एक बम विस्फोट हो गया। इस विस्फोट में आठ लोगों की मौत हो गई और 23 से अधिक अन्य घायल हो गए हैं। मौके पर मौजूद एक युद्ध निगरानीकर्ता ने इसकी जानकारी दी।ब्रिटेन स्थित ऑब्जर्वेटरी, जिसके पास सीरिया के अंदर स्रोतों का एक नेटवर्क है उसने जानकारी दी कि विस्फोट स्थल पर कई एम्बुलेंस और बचाव कर्मी मौजूद थे।तुर्की सेना और उनके सीरियाई प्रतिनिधियों ने सीमा के बड़े हिस्से पर कब्ज़ा कर लिया है, जिसमें अज़ाज़ जैसे कई प्रमुख शहर और कस्बे शामिल हैं।साल 2011 में सरकार द्वारा शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को दबाने के बाद सीरिया का युद्ध शुरू हुआ और यह एक घातक संघर्ष में बदल गया जिसमें जिहादियों और विदेशी सेनाओं को शामिल किया गया।

बाल्टीमोर हादसे को बीत गए पांच दिन, फिर भी जहाज में अभी भी मौजूद हैं भारतीय

मालवाहक जहाज 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल से टकरा गया था

न्यूयॉर्क, 31 मार्च ।

अमेरिकी शहर बाल्टीमोर में डाली नाम का मालवाहक जहाज 'फ्रांसिस स्कॉट की' पुल से टकरा गया था। इसके बाद पुल पूरी तरह से ढह गया था। इस हादसे को पांच दिन बीत चुके हैं लेकिन जहाज के चालक दल के 20 भारतीय सदस्य अभी भी जहाज पर ही मौजूद हैं।

जहाज में क्या कर रहे हैं 20 भारतीय

एक रिपोर्ट के अनुसार जब तक पुल के क्षतिग्रस्त टुकड़ों को साफ नहीं कर दिया जाता, तब तक चालक दल के सदस्य वहीं रहेंगे। इसके साथ ही वे सभी लोग जहाज की देखभाल भी करेंगे। मैरीलैंड के गवर्नर ने बताया कि अधिकारियों द्वारा सबसे पहले मलबे के टुकड़े हटाने की योजना बनाई गई है। उधर अमेरिका के विदेश मंत्रालय द्वारा बताया गया है कि हादसे के बाद भारतीय चालक दल के एक सदस्य को अस्पताल ले जाया गया था। अब वह जहाज पर लौट आया है। बताया गया है कि चालक दल के सदस्यों को पर्याप्त मात्रा भोजन और पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके अलावा जनरेटर को चालू रखने के लिए पर्याप्त ईंधन भी मौजूद है।

कब लौटेंगे 20 भारतीय

डाली जहाज की प्रबंधन कंपनी सिनर्जी मरीन के साथ काम करने वाले एक अधिकारी का कहना है कि अभी यह नहीं कह सकते कि मलबे को कब तक हटाया जाएगा। जब तक राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) और कोस्ट गार्ड द्वारा पूरी जांच नहीं की जाती, तब तक चालक दल को नहीं भेजा जा सकता।

अधिकारियों ने की भारतीय चालक दल की तारीफ

वहां मौजूद अधिकारियों द्वारा भारतीय चालक दल की तारीफ की गई है। चालक दल द्वारा हादसे से पहले ही स्थानीय अधिकारियों को संदेश भेजे गए थे। इस वजह से तुरंत ही यातायात को रोकने में मदद मिली थी। बता दें कि इस हादसे में पुल पर गड्ढों की मरम्मत कर रहे छह लोगों की मौत हो गई थी।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने बताया है कि चालक दल के 21 सदस्य हैं, जिनमें से 20 भारतीय हैं। सभी सुरक्षित हैं और सभी का स्वास्थ्य ठीक है।

टैक्सास में बर्ड फ्लू के कारण दूध का रंग पड़ा फीका

गायों में सामने आई यह खतरनाक बीमारी

टैक्सास, 31 मार्च ।

सुनने में यह थोड़ा अजीब जरूर लग रहा होगा लेकिन यह सच है कि अमेरिका के टैक्सास में बर्ड फ्लू बीमारी के कारण गायों का दूध अचानक गाढा हो गया और दूध का रंग भी फीका पडने लगा। यह बर्ड फ्लू किसी और को नहीं दूध देने वाली गायों को हुआ है। दुनिया में पहली बार हुआ गाय में बर्ड फ्लू फैल गया है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर की तरफ से इसकी औपचारिक पुष्टि की गई है। अमेरिकी कृषि विभाग के एक बयान में कहा कि टेक्सास, कैनसस और न्यू मैक्सिको में मुख्य रूप से पुरानी डेयरियों में गायों के बीच इस बीमारी की जांच कर रहे, जिसके कारण स्तनपान में कमी, कम भूख और अन्य लक्षण हो रहे हैं। इन इलाकों के कुछ किसानों ने अपने अपने खेतों में बड़ी संख्या में पक्षियों को मरा हुआ पाया। यह सभी पक्षी प्रवासी थे। जो अक्सर इस मौसम में इन इलाकों में आ जाते थे। जांच की गई तो पता चला कि गायों में यह वायरस इन्हीं पक्षियों से पहुंचा है। बताया गया कि अब तक इस वायरस से बहुत कम गायों ने अपनी जान गंवाई है।

हालांकि यह भी कहा जा रहा है कि गाय में बर्ड फ्लू के चलते इन प्रांतों में दूध उत्पादन करीब 40 प्रतिशत तक गिर गया है।कृषि विभाग ने कहा, डेयरियों को केवल स्वस्थ जानवरों के दूध की सप्लाई का निर्देश दिया गया है। बर्ड फ्लू से प्रभावित जानवरों के दूध को तुरंत नष्ट करने का आदेश दिया गया है ताकि यह खाद्य आपूर्ति में प्रवेश न कर सके। इसके अलावा, पाश्चुरीकरण लगातार बैक्टीरिया और वायरस को निष्क्रिय करने में सिद्ध हुआ है, जैसे दूध में इन्फ्लूएंजा। अंतरराज्यीय वाणिज्य में प्रवेश करने वाले किसी भी दूध के लिए पाश्चुरीकरण आवश्यक है।

न्यायाधीश की बेटी पर पोस्ट कर फंसे डोनाल्ड ट्रंप, मैनहट्टन के वकीलों ने लगाया गैग का उल्लंघन करने का आरोप

वॉशिंगटन, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की परेशानियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। वह कई मुकदमे में अदालतों के चक्कर काट रहे हैं। इस बार हश-मनी मामले में डोनॉल्ड ट्रंप मुश्किल में पड़ते नजर आ रहे हैं। दरअसल, मैनहट्टन अभियोजकों ने शुक्रवार को सुझाव दिया कि ट्रंप ने हाल ही में न्यायाधीश की बेटी पर हमला करके और सोशल मीडिया पर उसके बारे में झूठा दावा करके एक गैग आदेश का उल्लंघन किया हैं।

गैग आदेश के दायरे को स्पष्ट करें

न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने मंगलवार को जांच का एक आदेश जारी किया था। साथ ही पूर्व राष्ट्रपति को अदालत से जुड़े कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों पर हमलों से तुरंत बचने का निर्देश दिया गया था।अब मैनहट्टन जिला अटॉर्नी के कार्यालय ने गैग आदेश के दायरे को स्पष्ट करने के लिए कहा है।

सजा दी जानी चाहिए

सहायक जिला अटॉर्नी जोशुआ स्टींगलास ने मर्चन को लिखे एक पत्र में तर्क दिया कि अदालत के कर्मचारियों या उनके परिवारों को परेशान करने वाले बयानों पर प्रतिबंध लगाने से ट्रंप की बयानबाजी बंद हो सकती है।उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अगर आगे उल्लंघन करते हैं तो उन्हें सजा दी जानी चाहिए।

ट्रंप के वकीलों का यह तर्क

इस पर ट्रंप के वकीलों ने तर्क दिया कि जिला अटॉर्नी का कार्यालय आदेश की गलत व्याख्या कर रहा है। यह आदेश उन्हें एक राजनीतिक सलाहकार लॉरेन मर्चन के बारे में टिप्पणी करने से नहीं रोकता है। बता दें, लॉरेन ने ट्रंप के प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रपति जो बाइडन और अन्य डेमोक्रेट के लिए अभियानों पर काम किया है।

ट्रंप के वकील टॉड ब्लैंच और सुसान नेशेल्स ने अभियोजन पक्ष के पत्र के जवाब में मर्चन को लिखा, अदालत राष्ट्रपति ट्रंप को ऐसा कुछ करने का निर्देश नहीं दे सकती, जहां गैग आदेश की जरूरत नहीं है। गैग ऑर्डर के अर्थ को स्पष्ट या पुष्टि करने के लिए जिस तरह से लोग सुझाव देते हैं, उसका विस्तार करना होगा।

यह है मामला

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने कहा था कि मर्चन ट्रंप को लाने के लिए पैसे बनाने का काम कर रही हैं। साथ ही ट्रंप ने गलत तरीके से उन्हें सलाखों के पीछे दिखाते हुए एक फोटो पोस्ट करने का आरोप लगाया। वहीं, न्यूयॉर्क की स्टेट कोर्ट सिस्टम के एक प्रवक्ता का कहना है कि ट्रंप का दावा झूठा है। वह जिस सोशल मीडिया अकाउंट का जिक्र कर रहे हैं, वह अब लॉरेन मर्चन का नहीं है।

आखिर क्या है हश-मनी

आपको बता दें कि किसी को ब्लैकमेल करने या मुंह बंद करने के लिए दी जाने वाली राशि को 'हश-मनी' कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक न्यूयॉर्क के एक न्यायाधीश ने डोनाल्ड जे. ट्रंप के उस प्रयास को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक पोर्न स्टार को चुपचाप पैसे देकर उनके खिलाफ लगाए गए आपराधिक आरोपों को खारिज करने की मांग की थी। इस मामले में अब अगले महीने के लिए सुनवाई की तारीख तय की गई है।

मामले की सुनवाई कर रहे न्यायाधीश जुआन एम. मर्चन ने लोअर मैनहट्टन अदालत कक्ष में सुनवाई के दौरान इस निर्णय की घोषणा की, जब ट्रंप बचाव पक्ष की मेज से कार्यवाही को देख रहे थे।

तुर्किये के नगर निकाय चुनाव में एर्दोगन की असल परीक्षा, इस्तांबुल पर सबकी नजरें

अंकारा, 31 मार्च (एजेंसियां) ।

तुर्किये में आज नगर निकाय चुनाव होने जा रहा है। 31 मार्च को हो रहे इस चुनाव को देश के राजनीतिक भविष्य के रुझान की तरह देखा जा रहा है। सभी 81 प्रांतों में मतदान होगा, लेकिन असली लड़ाई 1.6 करोड़ लोगों वाले शहर इस्तांबुल के लिए है। इस देश की राजनीति में एक कहावत है कि जो भी इस्तांबुल जीतता है उसका मतलब है कि वह तुर्किये जीतता है। यही कारण है कि राष्ट्रपति रेचप तैयप एर्दोगन और विपक्ष दोनों के लिए यह चुनाव बेहद अहम है।

2019 में हुआ था स्थानीय चुनाव

एर्दोगन 2014 से तुर्की के राष्ट्रपति हैं। मई 2023 में हुए आम चुनाव में वह दोबारा जीतकर राष्ट्रपति बने। जीत के बाद दिए गए अपने भाषण में ही उन्होंने स्थानीय चुनावों का बिगुल बजा दिया था। हालांकि, साल 2019 में देश भर में हुआ पिछला स्थानीय चुनाव उनके लिए निराशाजनक रहा था। उनकी जस्टिस ऐंड डेवलपमेंट पार्टी (एकेपी) देश के तीन सबसे बड़े शहरों- इस्तांबुल, अंकारा और इजमीर में हार गई थी। प्रमुख प्रतिद्वंद्वी एक्रेम इमामोग्लू से इस्तांबुल हारना एर्दोगन के लिए बड़ा झटका था। इसके बाद साल 2023 में हुए चुनाव में बहुमत हासिल करके राष्ट्रपति बनकर एक बार फिर अपने विपक्षियों पर पलटवार किया।

यह बदलाव देखे जा सकते हैं

आज होने वाले चुनाव नाटो के सदस्य तुर्किये पर एर्दोगन के नियंत्रण को मजबूत कर सकते हैं या प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्था के विभाजित राजनीतिक परिदृश्य में बदलाव का संकेत दे सकते हैं। वहीं, इमामोग्लू के भविष्य में राष्ट्रीय नेता बनने की उम्मीदों को बल मिल सकता है।

दरअसल, एर्दोगन के मुकाबले इमामोग्लू विपक्ष का मुख्य विकल्प बनकर उभरे हैं। माना जा रहा है कि अगर इस बार भी इमामोग्लू चुनाव जीत जाते हैं, तो वह 2028 के राष्ट्रपति चुनाव में खड़े हो सकते हैं। यह जीत उनकी संभावनाएं बढ़ा देगी, लेकिन अगर वह हारते हैं, तो ये ना केवल उनके राजनीतिक भविष्य बल्कि विपक्ष की संभावनाओं को भी बड़ा झटका दे सकता है।

सुबह सात बजे पड़ेंगे वोट

पूर्वी तुर्किये में मतदान केंद्र स्थानीय समयानुसार सुबह सात बजे खुल जाएंगे। वहीं, अन्य जगह सुबह आठ बजे वोटिंग शुरू होगी। सभी जगह शाम सात बजे तक वोट डाले जाएंगे। इस्तांबुल में इमामोग्लू और एकेपी उम्मीदवार मूरत कुरुम, जो एक पूर्व मंत्री हैं के बीच टक्कर है।

एर्दोगन के राजनीतिक करियर पर नजर

एर्दोगन ने राजनीतिक करियर की शुरुआत इस्तांबुल से ही की है। साल 1994 में तुर्की के पूर्व प्रधानमंत्री नेजमेट्टिन एरबाकां की वेलफेयर पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर एर्दोगन इस्तांबुल के मेयर चुने गए और 1998 तक इस पद पर रहे। इसके बाद 2003 में प्रधानमंत्री बनकर इस पद पर तीन कार्यकाल बिताने के बाद 2014 में वह देश के राष्ट्रपति बने। वह कई मौकों पर कह चुके हैं कि जो भी इस्तांबुल जीतता है, वो तुर्किये को जीतता है।

नौ मई की हिंसा मामले में इमरान के 51 समर्थकों को पांच साल की सजा

लाहौर। बीचे साल नौ मई को हुई हिंसा के मामले में आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने बड़ा फैसला सुनाया है। प्रमुख सैन्य प्रतिष्ठानों पर हमला करने में शामिल होने के लिए दो मामलों में पाकिस्तान की एटीसी अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के 51 समर्थकों को पांच साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। 9 मई को हुए दंगों के संबंध में पीटीआई नेताओं, कार्यकर्ताओं और समर्थकों के खिलाफ दर्ज मामलों में यह पहली सजा है। एटीसी जज नताशा नसीम ने हिंसा के मामले में सजा का एलान किया। उन्होंने जेल के बाहर कड़ी सुरक्षा के बीच सेंट्रल जेल, गुजरांवाला में कार्यवाही की और फैसला सुनाया। दोषियों में पीटीआई विधायक कलीमुल्लाह खान भी शामिल हैं। अदालत के एक अधिकारी ने बताया कि जेल की सजा के साथ ही सभी पर 10,000 पाकिस्तानी रुपये का जुर्माना भी लगाया।

9 अप्रैल से शुरू होगा विक्रम नव संवत्सर 2081

अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और शश राजयोग में शुरू होगा हिंदू नववर्ष

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

हिंदू धर्म में नव वर्ष विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा तिथि से आरंभ होता है। इस बार 9 अप्रैल से नव विक्रम संवत्सर 2081 आरंभ होगा। साथ ही इस दिन से ही चैत्र नवरात्रि भी आरंभ होतीं हैं। इस नवसंवत्सर 2081 को कालयुक्त नामक संवत्सर के रूप में जाना जाएगा। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक करीब 30 वर्षों बाद नववर्ष की शुरुआत शुभ राजयोगों में होगी। 09 अप्रैल को हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2081 का पहला दिन होगा और इस दिन अमृत सिद्धि योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और शश राजयोग का संयोग बन रहा है। इस बार विक्रम संवत 2081 के राजा मंगल होंगे और मंत्री शनिदेव होंगे। ऐसे में पूरे साल शनि और मंगल का प्रभाव बना रहा है। वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार 09 अप्रैल से हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2081 की शुरुआत होने जा रही है। हालांकि अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नए साल की शुरुआत 01 जनवरी से होती है, लेकिन नया हिंदू वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से होती है और सभी व्रत-त्योहार हिंदू कैलेंडर की तिथियों के आधार पर ही मनाया जाता है। इस बार नया हिंदू नववर्ष विक्रम संवत बहुत ही खास रहेगा।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस वर्ष आकाशीय मंडल में 2081 संवत की यदि मंत्रिमंडल की बात करें, तो इस 2081 संवत के वर्ष राजा मंगल रहेंगे। उनके मंत्री शनि होंगे। वही सेनापति का कार्यभार शुक्र संभालेंगे और संवत्सर के वाहन बैल होगा। इस विक्रम संवत का नाम कालयुक्त होगा। इस कालयुक्त संवत के राजा-मंगल, मन्त्री-शनि, सस्येश-मंगल, दुर्गेश- शुक्र, धनेश- चन्द्र, रसेश- गुरु, धान्येश-शनि, नीर-सेश- मंगल, फलेश-शुक्र, मेघेश-शुक्र होंगे। 09 अप्रैल को हिंदू नववर्ष की शुरुआत सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और शश राजयोग में होगी। इसके अलावा साल के पहले दिन रेवती और अश्विनी नक्षत्र भी संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा गुरु की राशि मीन में होंगे। शनि देव स्वयं की राशि कुंभ में विराजमान होकर शश राजयोग का भी निर्माण होगा।

नव संवत्सर विक्रम संवत - 2081
नव संवत्सर आरंभ - 09 अप्रैल 2024
प्रतिपदा तिथि आरंभ - 8 अप्रैल 2024 रात 11:50 बजे से
प्रतिपदा तिथि समाप्त - 9 अप्रैल 2024 रात 08:30 बजे तक

हिंदू नववर्ष पर 3 शुभ योग

09 अप्रैल को हिंदू नववर्ष की शुरुआत सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और शश राजयोग में होगी। इसके अलावा साल के पहले दिन रेवती और अश्विनी नक्षत्र भी संयोग बन रहा है। इस दिन चंद्रमा गुरु की राशि मीन में होंगे। शनि देव स्वयं की राशि कुंभ में विराजमान होकर शश राजयोग का भी निर्माण होगा। वैदिक ज्योतिष शास्त्र की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग सुबह 07:32 मिनट से आरंभ हो जाएगी। नया हिंदू वर्ष के राजा मंगल और मंत्री शनिदेव के होने का प्रभाव सभी 12 राशियों के लोगों पर पड़ेगा लेकिन कुछ राशि के लोगों को भाग्य का अच्छा साथ मिलेगा जिससे उनके जीवन में सुख-शांति और अच्छे परिणाम की प्राप्ति होगी।

राजा मंगल और मंत्री शनि

इस कालयुक्त संवत के राजा-मंगल, मन्त्री-शनि, सस्येश-मंगल, दुर्गेश- शुक्र, धनेश-चन्द्र, रसेश- गुरु, धान्येश-शनि, नीरसेश-मंगल, फलेश-शुक्र, मेघेश-शुक्र होंगे।

भैरव प्रश्न

भैरव माता से कहे, मेरा यही सवाल।
इक्यासी संवत् तों कह दे मैया हाल।।

भवानी उत्तर

इक्यासी की साल में मैं समझावु तोय।
अन होणी होवे नहीं होणी हो सो होय।।
राजा कुज मंत्री शनि इनकी खोटी चाल।
युद्ध उपद्रव जगत् में मांचे घणा बवाल।।
दिवानाथ धान्येश है, सवंत् विश्वा आठ। कहीं धान्य का नाश हो कहीं के होसी ठाठ।।
सागर तट रोहिणी बसी स्तंभ लगे है तीन।
अन्न जल की कमती नहीं इसमें मेष न मीन।।

कालयुक्त सम्वत्सर का फल

रोगवृद्धिः प्रजायेत् कालयुक्ते विशेषतः।
राजयुद्धं भवेद् घोरं वृष्टिर्घोरा वरानने।।

क्लिष्ट रोगों में विशेष वृद्धि के कारण प्रजा में कष्ट से हानि होगी। विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों में क्षुब्धता, वैमनस्य व बिखराव के कारण युद्ध जैसे हालात बनेंगे। भयंकर वर्षा होने से खड़ी फसलों को हानि व बाढ़ से कृषक त्रस्त होंगे। भविष्यफल भास्कर के अनुसार 'कालयुक्त' संवत्सर होने से प्रजा में रोग-शोक फैलता है, परन्तु वर्षा पर्याप्त होने तथा धान्यादि के उत्पादन में वृद्धि होने से साधारण जनता सुखी च आनन्द से रहेगी। राजाओं में परस्पर युद्ध से प्रजा का विनाश भी होगा। कहीं धन-धान्य की वृद्धि तथा वृक्षों पर पुष्प-फल लगेंगे।

राजा मंगल का फल

वर्ष का राजा मंगल है, अतः वायुवेग अर्थात् आँधी - तूफान का प्रकोप बना रहेगा। बायुयान दुर्घटना, अग्निकाण्ड, भूकम्प आदि प्राकृतिक उत्पातों में वृद्धि होगी। आतंकी-धार्मिक उन्माद की घटनाएं बढ़ेगी, तस्करी, ठगी, लूटपाट तथा विभिन्न क्लिष्ट रोगों में वृद्धि से जनता त्रस्त होगी। तीव्र वायुवेग एवं बादल होने पर भी वर्षा की न्यूनता बनी रहेगी। तूफान, चक्रवात, आँधी, ओलावृष्टि आदि प्राकृतिक आपदाओं से कृषि उत्पादन में कमी तथा पशुधन की भी हानि होगी। आरोप-प्रत्यारोप एवं राजनैतिक वातावरण के कारण शासक कर्तव्य से भ्रमित होंगे। प्रजा में पित्त, रक्त एवं विषाणु जनित रोगों की बहुलता रहेगी। बाल अपचारियों के अपराध बढ़ेंगे। अपमृत्यु तथा प्रियजन से विछोह से कष्ट होगा।

अग्नि-तस्कर-रोगाढ्यो नृपो-विग्रहः कारकः।
गतसस्यो बहुव्यालो भीमाब्दो बालहाभृशम् ।।

अथवा

भौमे नृपे वह्निभयं जनक्षयं चौराकुलं पार्थिव-विग्रहश्च।
दुःखं प्रजा-व्याधि-वियोगपीड़ा स्वल्पं पयो मुञ्चति वारिवाहः

मन्त्री शनि का फल

मन्त्री शनि है, अतः राजनेताओं व राष्ट्राध्यक्षों का व्यवहार सामान्य प्रजा के प्रति कठोर होगा, उनकी नीतियों से जनता त्रस्त होकर जनता रोष प्रकट करेगी। देश के कुछ भागों में वर्षा की कमी रहने से खाद्यान्नों में कमी एवं प्राकृतिक प्रकोप का भय व्याप्त रहेगा। आमजन के पास धन-सम्पदा एवं भौतिक संसाधनों की कमी से उनमें असंतोष का भाव व्याप्त होगा। लोहा, स्टील, ताँबा, जस्ता, सिक्का, तेल आदि खाद्यान्न पदार्थ, पेट्रोल- डीजल आदि के भाव तेज होंगे।

हिन्दू कलेंडर 2081 के अनुसार मास
1. चैत्र मास, 2. वैशाख मास, 3. ज्येष्ठ मास, 4. आषाढ़ मास, 5. श्रावण मास, 6. भाद्रपद मास, 7.आश्विन मास, 8. कार्तिक मास, 9. मार्गशीर्ष मास, 10. पौष मास, 11. माघ मास, 12.फाल्गुन मास.

हिंदू कैलेंडर 2024

चैत्र माह 2024 - 26 मार्च 2024 - 23 अप्रैल 2024
वैशाख माह 2024 - 24 अप्रैल 2024 - 23 मई 2024
ज्येष्ठ माह 2024 - 24 मई 2024 - 22 जून 2024
आषाढ़ माह 2024 - 23 जून 2024 - 21 जुलाई 2024
सावन माह 2024 - 22 जुलाई 2024 - 19 अगस्त 2024
अश्विन माह 2024 - 19 सितंबर 2024 - 17 अक्टूबर 2024
कार्तिक माह 2024 - 18 अक्टूबर 2024 - 15 नवंबर 2024
मार्गशीर्ष माह 2024 - 16 नवंबर 2024 - 15 दिसंबर 2024
पौष माह 2024 - 16 दिसंबर 2024 - 13 जनवरी 2025
माघ माह 2025 - 14 जनवरी 2025 - 12 फरवरी 2025
फाल्गुन माह 2025 - 13 फरवरी 2025 - 14 मार्च 2025

हिंदू धर्म सबसे विविध धर्मों में से एक

हिंदू धर्म, दुनिया के सबसे पुराने और सबसे विविध धर्मों में से एक, मान्यताओं, प्रथाओं और दर्शन की एक विस्तृत श्रृंखला को समाहित करता है। हालाँकि इसमें कोई केंद्रीकृत शासी प्राधिकरण या सार्वभौमिक रूप से अनिवार्य नियमों का एक सेट नहीं है, लेकिन कई प्रमुख सिद्धांत और दिशानिर्देश हैं जिनका अनुयायी अक्सर पालन करते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि हिंदू धर्म अविश्वसनीय रूप से विविध है, और सांस्कृतिक, क्षेत्रीय और व्यक्तिगत कारकों के आधार पर प्रथाएं काफी भिन्न हो सकती हैं। यहां हिंदू धर्म के सार्वभौमिक 4 स्तंभ हैं जो किसी व्यक्ति को धार्मिकता और सदाचार के मार्ग पर मार्गदर्शन करते हैं...

धर्मः- धर्म, जिसे अक्सर धार्मिकता या कर्तव्य के रूप में वर्णित किया जाता है, हिंदू धर्म में एक केंद्रीय अवधारणा है। यह इस विचार पर जोर देता है कि व्यक्तियों को जीवन में अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के अनुसार कार्य करना चाहिए। धर्म के मार्ग पर चलने से समाज और ब्रह्मांड में सद्भाव बनाए रखने में मदद मिलती है।

कर्मः- कर्म का नियम बताता है कि प्रत्येक कार्य का परिणाम या तो इस जीवन में या अगले जीवन में होता है। अच्छे कार्यों का परिणाम सकारात्मक होता है, जबकि नकारात्मक कार्यों का परिणाम दुख होता है। हिंदू धर्म अपने अनुयायियों को नैतिक व्यवहार, निस्वार्थ कार्यों और आध्यात्मिक प्रथाओं के माध्यम से अच्छे कर्म संचय करने का प्रयास करना सिखाता है।

भक्तिः- भक्ति का निस्वार्थ कार्य मन और शरीर की आध्यात्मिक और शारीरिक एकता के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। हिंदू धर्म सर्वोच्च शक्ति के साथ एकता का संदेश प्रसारित करता है और व्यक्तियों को अपने भीतर से जुड़ने में मदद करता है।

मोक्षः- मोक्ष जन्म और मृत्यु (संसार) के चक्र से मुक्ति का प्रतीक है। मोक्ष प्राप्त करना हिंदू धर्म में अंतिम लक्ष्य है। इसे भक्ति (भक्ति), ज्ञान (ज्ञान), और अनुशासित कार्रवाई (कर्म) सहित विभिन्न मार्गों के माध्यम से आगे बढ़ाया जाता है।

इस प्रकार, कर्म व्यक्ति को सचेतन कार्य करना और अपनी पसंद की जिम्मेदारी लेना सिखाता है। धर्म के सिद्धांतों को समझना व्यक्तियों को ब्रह्मांडीय व्यवस्था के साथ सद्भाव में रहने के लिए एक मार्गदर्शन प्रदान करता है। भक्ति का मार्ग उन्हें इस नश्वर अवस्था में अपने आंतरिक स्व और सर्वोच्च सर्वशक्तिमान से जोड़ता है। अंत में, मोक्ष की खोज व्यक्तियों को आध्यात्मिक ज्ञान और पुनर्जन्म के चक्र से मुक्ति पाने के लिए प्रोत्साहित करती है।

इन शिक्षाओं के माध्यम से, हिंदू धर्म व्यक्तियों को उद्देश्यपूर्ण, नैतिक जीवन जीने और मुक्ति और शाश्वत आनंद की ओर एक परिवर्तनकारी आध्यात्मिक यात्रा शुरू करने के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है।

बेल वृक्ष के पास प्रभु की पूजा करने के बाद दीपक जलाने से होगा यह लाभ

हिंदू धर्म में कई ऐसे पेड़ या पौधे बताये गए हैं जिनके पास दीया जलाना शुभ माना जाता है । ऐसी मान्यता है कि इन पेड़ या पौधों के पास दीया जलाने से घर में सुख-समृद्धि का वास होता है। हालांकि हर पेड़ या पौधे के पास दीया जलाने से अलग-अलग लाभ मिलते हैं। दरअसल, हिंदू कहानियों में भगवान शिव बहुत महत्वपूर्ण हैं और लोग सोचते हैं कि वे बहुत खास हैं और वे अलग-अलग तरीकों से उनकी पूजा करते हैं और उनसे मदद मांगने के लिए विशेष कार्य करते हैं। एक काम जो वे करते हैं वह है एक विशेष पेड़ के नीचे दीपक जलाना जिसे बेलपत्र का पेड़ कहा जाता है। यह लेख बताता है कि लोग ऐसा क्यों करते हैं, किसे करना चाहिए और भगवान शिव के लिए बेलपत्र का पेड़ क्यों महत्वपूर्ण है।

बेलपत्र का पौधा भगवान शिव को अति प्रिय माना जाता है। साथ ही,कुछ शास्त्रों के अनुसार ऐसा माना जाता है। की माता पार्वती के पसीने से बेलपत्र पेड़ की उत्पति हुई हैं। इसलिए बेलपत्र का पेड़ भगवान शिव को अतिप्रिय हैं। इसी प्रकार बेलपत्र पेड़ में माता पार्वती का वास होता है ।

- बेलपत्र के पौधे के पास दीया जलाने से मां लक्ष्मी का घर में वास होता है और धन अलाभ के योग बनते हैं। घर की आर्थिक स्थिति सुधरने लगती है और तंगी, कर्ज, अधिक खर्च आदि समस्याओं से छुटकारा मिल जाता है।
- बेलपत्र के पौधे के पास दीया जलाने से भगवान शिव का आशीर्वाद मिलता है और उनकी कृपा से जीवन के दुःख दूर हो जाते हैं। जीवन में खुशहाली का आगमन होता है और हर एक काम में सफलता मिलने लग जाती है।
- बेलपत्र का पौधा अगर घर में है तो रोजाना शाम के समय बेलपत्र के पौधे के पास सरसों के तेल का दीया जलाना चाहिए। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा भी दूर होती है और घर में शांति का वास स्थापित होने लग जाता है।
- बेलपत्र के पौधे के पास दीया जलाने से घर में पसरा हुआ पारिवारिक क्लेश दूर होता है. इसके अलावा, ज्योतिष शास्त्र में ऐसा माना जाता है कि बलपत्र के पौधे के पास दीया जलाने से ग्रह दोष एवं वास्तु दोष भी खत्म हो दाता है।

कुबेर मंत्र क्या है, जानें इसके जपते ही कैसे होती है धन की वर्षा

कुबेर मंत्र का महत्व हिंदू धर्म में विशेष माना जाता है। कुबेर मंत्र का उच्चारण और उसके जाप का माना जाता है कि यह धन, संपत्ति, और धन के स्रोत को प्राप्त करने में सहायक होता है। कुबेर वैश्रवण, धन का देवता माना जाता है और उन्हें पूजा और आराधना का विषय बनाया जाता है। कुबेर मंत्र के जाप का उच्चारण करने से व्यक्ति को धन, संपत्ति, और लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है, जो उनके जीवन में समृद्धि और सम्पत्ति की वृद्धि करती है। इस प्रकार, कुबेर मंत्र का महत्व है कि यह व्यक्ति को साधनों की प्राप्ति और आर्थिक स्थिरता की प्राप्ति में सहायक होता है।

कुबेर मंत्रः ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्रीं क्लीं वित्तेश्वराय नमः

अर्थः ॐः पवित्र शब्द जो ब्रह्मांड की ऊर्जा का प्रतीक है।

श्रीं: देवी लक्ष्मी का बीज मंत्र, जो समृद्धि और धन का प्रतीक है।

ह्रीं: भगवान शिव का बीज मंत्र, जो शक्ति और सफलता का प्रतीक है।

क्लीं: देवी सरस्वती का बीज मंत्र, जो ज्ञान और शिक्षा का प्रतीक है।

वित्तेश्वराय: भगवान कुबेर का नाम, जो धन और समृद्धि के देवता हैं।

नमः: भक्ति और सम्मान का प्रतीक।

कुबेर मंत्र के लाभ :- धन और समृद्धि में वृद्धि होती है। कुबेर मंत्र का जप करने से भगवान कुबेर की कृपा प्राप्त होती है, जो धन और समृद्धि के देवता हैं। आर्थिक समस्याओं से मुक्ति मिलती है। यह मंत्र आर्थिक समस्याओं से मुक्ति दिलाने में मददगार माना जाता है। व्यापार और व्यवसाय में सफलता मिलेगी। यह मंत्र व्यापार और व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने में सहायक माना जाता है। नौकरी और करियर में उन्नति होगी। यह मंत्र नौकरी और करियर में उन्नति प्राप्त करने में मददगार माना जाता है। घर में सुख-शांति और समृद्धि यह मंत्र घर में सुख-शांति और समृद्धि लाने में सहायक माना जाता है। यह मंत्र नकारात्मक ऊर्जा से बचाव करने में मददगार माना जाता है।

कुबेर मंत्र जपने की विधि :- सुबह स्नान करने के बाद स्वच्छ वस्त्र पहनें। किसी शांत स्थान पर बैठें। तुलसी की माला या रुद्राक्ष की माला का प्रयोग करें। मंत्र का 108 बार जप करें। जप करते समय ध्यान भगवान कुबेर पर केंद्रित करें। जप के बाद भगवान कुबेर से प्रार्थना करें।

कुबेर मंत्र जपते समय इन बातों का ध्यान रखें। मंत्र का जप नियमित रूप से करें। जप करते समय मन शांत और एकाग्र रखें। जप के बाद भगवान कुबेर को भोग लगाएं। दान और पुण्य कार्य करें।

अन्य मंत्र जो धन और समृद्धि के लिए लाभकारी हैं:

ॐ श्रीं लक्ष्मी नमः
ॐ ह्रीं श्रीं लक्ष्मी वासुदेवाय नमः
ॐ क्लीं श्रीं महालक्ष्मी नमः

इसके अलावा आप धन समृद्धि चाहते हैं तो घर में तुलसी का पौधा लगाएं। शुक्रवार को देवी लक्ष्मी की पूजा करें। दान और पुण्य कार्य करें। सकारात्मक सोच रखें। धन और समृद्धि केवल मंत्र जपने या उपाय करने से नहीं मिलती है। इसके लिए कड़ी मेहनत और लगन भी जरूरी है। धैर्य रखें और निराश न हों।

मैं बहुत खुश हूं कि रजाकार में मेरे किरदार को इतनी सराहना मिल रही है: अभिनेत्री अनुश्री

तेलंगाना के सशस्त्र संघर्ष का इतिहास में एक विशेष स्थान है। सशस्त्र युद्ध के मैदान में कूदे लोगों का संघर्ष आज भी जीवित है। ऐसी कहानी को रजाकार के रूप में भावनात्मक तरीके से पेश करने की कोशिश को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। इस फिल्म में मेरे किरदार को मिली स्वीकृति से मुझे बहुत खुशी मिली है। अभिनेत्री अनुश्री. गुडुरु नारायण रेड्डी द्वारा निर्मित, रजाकर में बॉबी सिम्हा, मकरंद देश पांडे, अनुश्री, अनसूया, प्रेमा मुख्य भूमिका में हैं, और यता सत्यनारायण द्वारा निर्देशित है। शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। ऐसे में इसमें अहम भूमिका निभाने वाली अनुश्री ने फिल्म की खूबियां साझा कीं.उन्होंने कहा फिल्म रजाकार को इतना सपोर्ट करने के लिए दर्शकों को धन्यवाद. रजाकार इसी धरती की कहानी है. फिल्म को मिले रिस्पॉन्स से मुझे काफी खुशी मिली है। फिल्म देखने के बाद दर्शक काफी इमोशनल हो रहे हैं. फिल्म देखते समय दर्शकों की आंखों में देशभक्ति नजर आई। जब मैंने सिनेमाघरों में वंदे मातरम और भारत माथकी जय के नारे लगते देखे, तो मुझे ऐसी फिल्म का हिस्सा बनकर खुशी हुई। मुझे इतनी अच्छी फिल्म में मौका देने के लिए निर्देशक यता सत्यनारायण और निर्माता गुडुरु नारायण रेड्डी को धन्यवाद।मैंने बैंगलोर में कॉलेज की पढ़ाई की। मैं वहां के थिएटर ग्रुप का भी सदस्य हूं. यहीं पर अभिनय में रुचि बढ़ी। मुझे अलग-अलग भूमिकाएं निभाना और उनमें डूब जाना पसंद था। कॉलेज पूरा करने के बाद मेरे पिता चाहते थे कि मैं सिविल की पढ़ाई करूँ। मैं लगभग तीन वर्षों से अध्ययन कर रहा हूं। लेकिन अभिनेत्री बनने की चाहत प्रबल थी. मैं उस सपने को पूरा करने के लिए हैदराबाद आया था। मैंने यहां थिएटर वर्कशॉप कीं। मैंने इस फिल्म में एक भूमिका के लिए निर्देशक से संपर्क किया। तब वह निज़ाम की पत्नी की भूमिका की तलाश में थे। उन्हें लगा कि मैं उस भूमिका के लिए उपयुक्त हूं.इसमें वह निज़ाम की पत्नी के रूप में नजर आईं। यह एक बहुत ही मजबूत लेकिन संवेदनशील किरदार है। वह पात्र जो निज़ाम को वास्तविक स्थिति से अवगत कराता है। जब कहानी सुनाई गई तो मेरी भूमिका चुनौतीपूर्ण लगी। साथ ही इसमें एकमात्र ग्लैमर रोल भी मेरा ही है। इतनी मजबूत कहानी और किरदार के साथ अपना करियर शुरू करना एक सपने के सच होने जैसा है। इस रोल के लिए मैंने तीन महीने तक मेथड ट्रेनिंग भी ली। मकरंद देश पांडे के साथ लुक टेस्ट के बाद मेरा चयन हो गया। मुझे लगता है कि यह भूमिका मेरे करियर के लिए बेहतरीन होगी।रजाकार में अभिनय करना एक बेहतरीन अनुभव था। कई मशहूर एक्टर्स के साथ काम करने का मौका मिल रहा है. बॉबी सिम्हा, राज अर्जुन के साथ मकरंद देश पांडे जैसे अद्भुत अभिनेता के साथ स्क्रीन साझा करना एक शानदार एहसास है। मैंने उनसे बहुत सी चीजें सीखीं।

द प्राइड ऑफ भारत-छत्रपति शिवाजी महाराज में आशा भोसले की पोती आएंगी नजर

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी गायिका आशा भोंसले की पोती और गायिका जनाई भोंसले अभिनय की दुनिया में कदम रखने के लिए तैयार हैं।वह फिल्म द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज में नजर आएंगी।संदीप सिंह इस फिल्म के जरिए हिंदी सिनेमा में बतौर निर्देशन अपनी शुरुआत करने जा रहे हैं, जिसे लेकर वो काफी उत्साहित हैं।फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज में जनाई शिवाजी महाराज की पत्नी महारानी साई भोसले की भूमिका में नजर आएंगी।फिल्म छत्रपति शिवाजी महाराज की रिलीज तारीख से पर्दा उठ चुका है। यह फिल्म 19 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।एक कार्यक्रम में जनाई ने कहा, माफ करना, आज मैं कुछ नहीं बोल पाउंगी। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। आप सब लोगों के साथ ऐसा मौका मिला। सॉरी। धन्यवाद।फिल्म का पहला पोस्टर भी सामना आया है, जिसे दर्शकों का काफी प्यार मिल रहा है।कास्टिंग के बारे में बात करते हुए संदीप ने कहा, मैं जनाई भोसले को लॉन्च करते हुए बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की वंशज हैं। साथ ही वह दिवंगत लता मंगेशकर, और आशा भोसले जैसी प्रतिभा के परिवार से नाता रखती हैं।उन्होंने कहा कि उन्हें पहले से ही एक भावपूर्ण आवाज उपहार में मिली है। साथ ही वह संगीत का शौक भी रखती हैं। उन्होंने कहा कि बहुत कम लोग जानते है कि वह एक अच्छी डांसर भी हैं। वह अपने किरदार रानी साईं बाई के साथ पूरा न्याय करेंगी।इमर्सो स्टूडियो और लीजेंड स्टूडियो द्वारा प्रस्तुत यह फिल्म 19 फरवरी, 2026 को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर रिलीज होगी।

परवीन बॉबी का दीवाना हो गया था ऑस्ट्रेलिया का इंजीनियर

मिलने के लिए आया मुंबई और बन गया हिंदी फिल्मों का विलेन

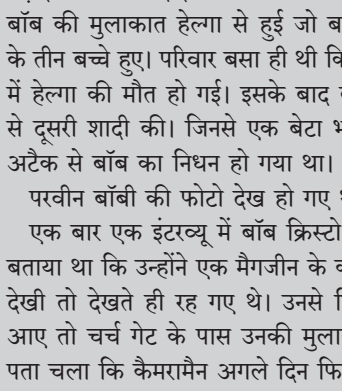

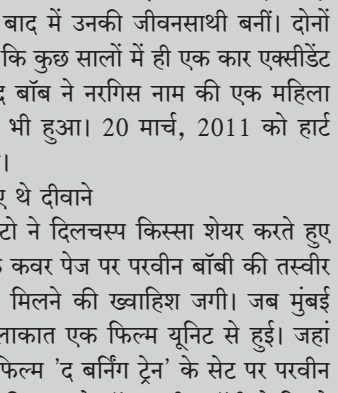

90 के दशक की फिल्मों में अक्सर आपने एक अंग्रेज को विलेन का रोल करते हुए देखा होगा। फिल्म 'मर्द' से लेकर 'कालिया' और 'मिस्टर इंडिया' जैसी बड़ी फिल्मों में इन्होंने कई बड़े रोल निभाए। हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के मशहूर विलेन बॉब क्रिस्टो की। बॉब भले ही फिल्मों में लड़ाई-झगड़े करते थे लेकिन उनकी असल जिंदगी में रोमांस के रंग भी बड़े दिलचस्प थे। बॉब का भारत पहुंचने का किस्सा भी बड़ा मजेदार था। वो मस्कट के लिए ऑस्ट्रेलिया से निकले लेकिन वीजा नहीं मिला तो भारत में ही रुकना पड़ा था। एक दिन बॉब क्रिस्टो ने एक मैगजीन में फेमस एक्ट्रेस परवीन बाबी की एक तस्वीर देखी और उन्हें देखते ही रह गए। परवीन से मिलने की ख्वाहिश लिए बॉब मुंबई पहुंचे। इसके बाद का किस्सा बेहद दिलचस्प है। आइए जानते हैं खतरनाक विदेशी विलेन की स्टोरी।।।

बॉब क्रिस्टो की पर्सनल लाइफ

बॉलीवुड के खतरनाक विदेशी विलेन बॉब क्रिस्टो का जन्म ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में 1938 में हुआ था। वर्ल्ड वॉर-2 में पिता के साथ जर्मनी गए। वहां दादी और बुआ ने इन्हें पाला था। बॉब कुछ समय तक थिएटर में काम करते रहे लेकिन इस फील्ड में करियर नहीं बनाया। सिविल इंजीनियरिंग में पढ़ाई करने के बाद इसी में अपना करियर बनाया। थिएटर करने के दौरान ही बॉब की मुलाकात हेल्गा से हुई जो बाद में उनकी जीवनसाथी बनीं। दोनों के तीन बच्चे हुए। परिवार बसा ही थी कि कुछ सालों में ही एक कार एक्सीडेंट में हेल्गा की मौत हो गई। इसके बाद बॉब ने नरगिस नाम की एक महिला से दूसरी शादी की। जिनसे एक बेटा भी हुआ। 20 मार्च, 2011 को हार्ट अटैक से बॉब का निधन हो गया था।

परवीन बॉबी की फोटो देख हो गए थे दीवाने

एक बार एक इंटरव्यू में बॉब क्रिस्टो ने दिलचस्प किस्सा शेयर करते हुए बताया था कि उन्होंने एक मैगजीन के कवर पेज पर परवीन बॉबी की तस्वीर देखी तो देखते ही रह गए थे। उनसे मिलने की ख्वाहिश जगी। जब मुंबई आए तो चर्च गेट के पास उनकी मुलाकात एक फिल्म यूनिट से हुई। जहां पता चला कि कैमरामैन अगले दिन फिल्म 'द बर्निंग ट्रेन' के सेट पर परवीन बॉबी से मिलेगा। फिर अगले दिन उसकी मदद से बॉब परवीन बॉबी से मिलने पहुंच गए। वो कैमरामैन से परवीन बॉबी को लेकर बात कर ही रहे थे कि तभी पीछे से एक लड़की की आवाज आई। बॉब ने मुड़कर देखा तो परवीन बॉबी वहां थीं। वह उनके पास गए और बोले- आप परवीन बॉबी नहीं हैं। मैगजीन की कवर दिखाते हुए कहा ये लड़की परवीन है।

बॉब-परवीन में इस तरह हुई दोस्ती

बॉब की इस बात को सुनकर परवीन कुछ देर तक हंसती रहीं। फिर थोड़ा रुककर बोलीं- कभी भी शूटिंग के अलावा मेकअप नहीं करती। जिसके बाद दोनों की दोस्ती हो गई। कुछ समय बाद बॉब क्रिस्टो का नाम परवीन के साथ भी जुड़ा था लेकिन इस बात की कभी पुष्टि नहीं हुई। आगे चलकर बॉब को परवीन के साथ फिल्मों में काम करने का मौका मिला और दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया।दोनों एक-दूसरे के पड़ोस में रहते थे। सबसे पहले संजय खान ने बॉब को 1980 में आई फिल्म 'अब्दुल्ला' में विलन का रोल दिया। इसके बाद उन्होंने 'कुर्बानी', 'कालिया', 'नास्तिक', 'मर्द', 'मिस्टर इंडिया' , 'रूप की रानी चोरों का राजा' और 'गुमराह' जैसी फिल्मों में विलेन का किरदार निभाया।

प्रियंका चहर चौधरी ने गोल्डन बॉडीकॉन ड्रेस पहन दिए सेक्सी पोज

अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए मशहूर एक्ट्रेस प्रियंका चहर चौधरी सोशल मीडिया पर बेहद मशहूर हैं। आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के दिलों की धड़कन तेज करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद आपका दिल जोरों से धड़कने लगेगा। प्रियंका चहर चौधरी ने गोल्डन कलर का सेक्सी बॉडीकॉन ड्रेस पहना है। ग्लोइंग मेकअप के साथ बालों को खुला छोड़ा है और कैमरे के सामने सेक्सी पोज देते दिखाई दे रही हैं। एक्ट्रेस की हॉटनेस ने सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया। अपने फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचने वाली एक्ट्रेस प्रियंका चौधरी एक बार फिर अपने फोटोशूट को लेकर चर्चा का विषय बन गई हैं।एक्ट्रेस की इन तस्वीरों को देख कर फैंस अपने होश खो बैठे हैं। बता दें कि उनका हर एक लुक इंस्टा पर पोस्ट होते ही वायरल होने लगता है।बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर कॉमेंट करते हैं।एक्ट्रेस की दिलकश अदाओं ने फैंस के दिल मोह लिया है और वे उनकी हॉटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

सारा अली खान को हाल ही मुंबई में शनि मंदिर के बाहर स्पॉट किया गया, जहां सारा गरीब लोगों की मदद करती नजर आ रही थी, पर जब उन्हें पैपराजी ने अपने कैमरे में शूट कर रहे थे, तो वहां सारा उन्हें मना करती नजर आई, जिसके बाद भी पैपराजी ने अपने कैमरे में उन्हें कैद कर दिया। आउटफिट की बात करें तो सारा ने ऑरेंज कलर का टॉप और ब्लैक कलर की पेंट पहनी थी। हाल ही में सारा की फिल्म मर्डर मुबारक और ए वतन मेरे वतन ओटीटी पर आई थी जिन्हें फैंस का खूब प्यार भी मिला। आपको बता दें कि सारा अपने काइंड नेचर से अक्सर अपने फैंस का दिल जीत लेती है, और इस वीडियो में भी वह कुछ ऐसा ही करती नजर आ रही है।

राम चरण के बर्थडे पर 'गेम चेंजर' का धमाका

लोगों को पसंद आया 'गेम चेंजर' का पहला गाना

मूवी का धांसू गाना। सुपरस्टार राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर मूवी 'गेमचेंजर' का पहला गाना आते ही सोशल मीडिया पर छाने लगा है। इस मूवी के गाने को दर्शकों ने खूब पसंद किया है। खासकर तमिल और तेलुगु भाषा में फिल्म के पहले गाने को अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। हालांकि हिंदी भाषा में इस गाने को उतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला है। तमिल-तेलुगु में जरूर ये गाना आते ही दर्शकों की जुबां पर चढ़ता दिखा। इस गाने पर रिएक्टर करते हुए लोगों ने इसे सुपरहिट बता डाला है। एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में ये गाना इस वक्त खासा चर्चा में हैं। यहां देखें लोगों के रिएक्शन्स।

टॉलीवुड सुपरस्टार राम चरण आज अपना 39वां बर्थडे मना हैं। इस खास मौके पर सुपरस्टार राम चरण की अपकमिंग मूवी 'गेम चेंजर' से मेकर्स ने पहला गाना रिलीज कर दिया है। सुपरस्टार राम चरण और कियारा आडवाणी स्टारर मूवी 'गेम चेंजर' का पहला गाना 'जगरकंदी' रिलीज हुआ है। जो काफी रंगीन और धमाकेदार म्यूजिक से लबरेज है। सामने आए निर्देशक शंकर की अपकमिंग मूवी के इस पहले गाने को मेकर्स ने सुपरस्टार राम चरण के बर्थडे के दिन 3 भाषाओं में रिलीज किया है। फिल्म के गाने को पहले तेलुगु, तमिल के साथ-साथ हिंदी में भी जारी कर दिया है। जो इंटरनेट की दुनिया में आते ही छाने लगा। यहां देखें रिलीज हुआ राम चरण और कियारा आडवाणी की अपकमिंग

कब रिलीज होगी राम चरण की मूवी 'गेम चेंजर'

बता दें कि सुपरस्टार राम चरम और कियारा आडवाणी स्टारर इस मूवी को निर्देशक शंकर ने बनाया है। सुपरस्टार राम चरण की इस फिल्म को मेकर्स इसी साल सितंबर 2024 तक रिलीज करने वाले हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज डेट का मेकर्स ने अभी तक ऐलान नहीं किया है। ये एक सोशल ड्रामा मूवी है। जिसमें पहली दफा राम चरण ने निर्देशक शंकर के साथ काम किया है। यही वजह है कि मूवी को लेकर फैंस का उत्साह सांतवे आसमान पर है। तो क्या आप इस फिल्म को लेकर उत्साहित हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बता सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख–दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप–रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जी–वनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द–गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह–प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम–से–कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा–खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ–बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता–पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार–ही–प्यार फैलाएं–गे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी–सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार–चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली–भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं– लेकिन अपने साथी को छोटी–छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दि–क़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस–पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 01 अप्रैल 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2080
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी रात्रि 09:21 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 11:12 तक
योग : वरियान रात्रि 08:28 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:27 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:10 , सूर्यास्त 06:29 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:15 , सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:20 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– भद्रा प्रातः 09:26 तक , शीतला सप्तमी , गण्डमूल रात्रि 11:12 तक , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की कार्रवाई

जयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)।

जयपुर में इलाज के नाम से युवक से ठगी किए जाने का एक मामला सामने आया है। इलाज करने के बहाने आए कुछ लोगों ने कालवाड़ निवासी ब्रजेश गुप्ता से 25 लाख रुपये ठग लिए। दरअसल ब्रजेश कमर और घुटने के दर्द से परेशान था और उसने इसके लिए एक डॉक्टर से संपर्क किया था। एक दिन डॉक्टर और उसके सहायक ने ब्रजेश के घर आकर कमर और घुटने से कफ निकालने की बात कही।

उन्होंने कहा कि एक बार कफ निकालने का खर्च करीब साढ़े सात हजार आएगा। इसके बाद उन्होंने करीब तीन सौ बार उसके कमर और घुटनों से कफ निकाला। इलाज के बाद भी आराम नहीं मिलने पर मरीज जब दिए गए नंबरों पर संपर्क किया तो वे नंबर बंद निकले। इसके बाद ठगी का पता चलने पर पीड़ित ने पुलिस को इस बारे में जानकारी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पड़ोसी महिला से की छेड़छाड़

दूसरी तरफ जवाहर नगर थाना इलाके में एक महिला ने पड़ोसी युवक पर छेड़छाड़ और परेशान करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया है कि उसके मकान के पीछे रहने वाला नीरज कपूर आए दिन उसे परेशान करता रहता है। एक दिन आरोपी ने महिला को अपने घर के पीछे बुलाकर उसके साथ छेड़छाड़ की। किसी तरह वह उसकी चंगुल से निकल भागी। इसके बाद आरोपी उसे फोन पर धमकी देने लगा तो इन धमकियों से परे–शान होकर महिला ने सारी जानकारी परिजनों को बताते हुए पुलिस में मामला दर्ज कराया।

होटल में बुलाकर किया दुष्कर्म

जवाहर सर्किल थाना इलाके में ही एक युवक ने युवती को होटल में मिलने बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और विरोध करने पर अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जगतपुरा निवासी 25 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया कि साल 2020 में बलराम मीणा से मुलाकात के बाद उसने दोस्ती करके शादी करने का ऑफर रखा। कुछ समय बाद मिलने के बहाने जगतपुरा स्थित होटल में बुलाकर जबरन दुष्कर्म किया और शादी करने का झांसा देकर देह शोषण किया। बाद में शादी करने का दबाव बनाने पर आरोपी ने शादी से मना कर अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल किया। पुलिस प्रकरण की जांच कर रही है।

पहाड़ियों में महिला का शव मिला

आमेर थाना इलाके में पहाड़ी पर एक महिला का सड़ा–गला शव मिला है। शव करीब 2 से 3 दिन पुराना बताया जा रहा है। पहाड़ी पर घूमने गए युवकों ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अस्पताल में रखवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

थानाधिकारी अंतिम शर्मा ने बताया कि हाडीपुरा नाड्या कॉलोनी के कुछ युवकों ने पहाड़ी पर झाड़ियों में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मौका मुआयना किया। एफएसएल और डॉग स्क्वायड टीम ने मौके पर पहुंच कर सबूत जुटाए। फिलहाल शव को सवाई मानसिंह अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया है और शव की पहचान करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिसकर्मी बनकर महिलाओं को लूटा

इधर पुलिसकर्मी बनकर महिलाओं को लूटने वाली गैंग ने 27 मार्च को दो महिलाओं से जेवरात ले जाने के बाद 29 मार्च को फिर से चार महिलाओं को अपना शिकार बनाया। इस गैंग के सदस्यों ने मात्र 45 मिनट में आदर्श नगर, जवाहर नगर, मोती डूंगरी और अशोक नगर थाना इलाके में वारदातों को अंजाम दिया है। चारों जगह बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाया गया और उनसे लाखों के गहने लूट लिए गए। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने मॉर्निंग वॉक पर निकली महिलाओं को अपना शिकार बनाया है। घटनाएं सुबह करीब 6.45 से 7.30 बजे के बीच है। बदमाशों की धरपकड़ के लिए बदमाश सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

फैक्ट्री मालिक को चाकू मारने वाले गिरोह का खुलासा

मुहाना थाना पुलिस ने फैक्ट्री मालिक को चाकू मारकर लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए मुख्य सरगना सहित चार लुटेरों को गिरफ्तार किया है और साथ ही वारदात में प्रयुक्त चौपहिया वाहन भी जब्त किया गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि 15 मार्च को फैक्ट्री मालिक को चाकू मारकर लूटपाट करने वाले गिरोह का खुलासा करते हुए पुलिस ने रईस अंसारी उर्फ बिरयानी, सलमान अहमद उर्फ लाल, हसन अली उर्फ दातला और आबिद अली को गिरफ्तार किया है, चारों ही आरोपित सरवाड़ जिला केकड़ी के रहने वाले हैं।

कल नरेंद्र मोदी की जनसभा से होगा चुनाव प्रचार का आगाज

जयपुर,31 मार्च (एजेंसियां)।

बीजेपी अपने चुनाव कैंपेन की शुरुआत ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ करने जा रही है। जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर 2 अप्रैल को मोदी की जनसभा की तैयारियां की जा रही हैं। गृह मंत्री अमित शाह जयपुर पहुंच रहे हैं। वे यहां मोदी की जनसभा की तैयारियों और लोकसभा चुनाव के लिए जमीनी कार्यों की समीक्षा करेंगे।

लोकसभा चुनावों में राजस्थान के प्रत्याशियों की कैंपेनिंग में सबसे बड़ा फैक्टर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बताया गया है। राजस्थान में बीजेपी इस फैक्टर को भुनाने के लिए 2 अप्रैल से पीएम की सभा की तैयारियों में जुट गई है। राजस्थान की जयपुर ग्रामीण लोकसभा सीट पर पीएम की चुनावी सभा 2 अप्रैल को होनी है।

इधर गृह मंत्री अमित शाह आज दोपहर बाद सीकर में बीजेपी प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती के समर्थन में शहर के प्रमुख मार्गों पर एक रोड शो करेंगे। इसके पहले वे प्रदेश में चुनाव की तैयारियों को परखने के लिए वे जयपुर और जोधपुर में प्रमुख क्लस्टर बैठकों की समीक्षा भी करेंगे। साथ ही चूरू, धौलपुर, करौली, दौसा, नागौर और झुंझुनू की समीक्षा बैठक भी लेंगे। जयपुर में रात्रि विश्राम के बाद दूसरे दिन अमित शाह चुनावी समीक्षा बैठक करने के लिए जोधपुर रवाना होंगे।

वारदात के इरादे से घूम रहे बदमाश मजनू को पुलिस ने किया गिरफ्तार

एक देसी तमंचा समेत चार कारतूस बरामद

धौलपुर,31 मार्च (एजेंसियां)।

जिले की सरमथुरा थाना पुलिस ने शनिवार रात को कार्रवाई करते हुए वारदात के इरादे से घूम रहे बदमाश मजनू उर्फ पवन को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से 315 बोर का देसी तमंचा समेत चार कारतूस भी बरामद किए हैं।

सरमथुरा थाना प्रभारी गौरव कुमार ने बताया विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष और शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित मेहरडा के निर्देश में अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने बताया शनिवार रात्रि को सरमथुरा पुलिस थाने के गश्ती दल को जरिए मुखबिर गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्र के झिरी रोड पर एक बदमाश हथियार समेत वारदात के इरादे से संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। पुलिस टीम का गठन कर कार्रवाई करने के लिए मौके पर भेजा गया। पुलिस के जवानों ने मौके पर पहुंच कर घेराबंदी कर 22 वर्षीय मजनू उर्फ पवन पुत्र केदार मीणा निवासी कौनेसा को दबोच लिया। तलाशी लेने पर बदमाश के कब्जे से एक अवैध 315 बोर का देसी तमंचा और चार कारतूस बरामद किए हैं। उन्होंने बताया बदमाश को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

रेलवे माल गोदाम से चोरी का माल खरीदने वाले तीन कबाड़ी गिरफ्तार, माल बरामद

धौलपुर,31 मार्च (एजेंसियां)।

रेलवे लोको शेड से चोरी हुए माल को आरपीएफ पुलिस ने तीन कबाड़ियों से बरामद किया है। तीनों कबाड़ियों ने रेलवे से चोरी हुए सामान को खरीदा था। चोरों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। माल खरीदने वाले आरोपी फरार चल रहे थे।

रेलवे आरपीएफ थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया कि फरवरी माह में चोरों ने लोको शेड से 84 लोहे की कमानी की सेट को चोरी किया था। तत्कालीन समय पर मुकदमा दर्ज कर मामले में अनुसंधान शुरू किया गया। जिस मामले में आरपीएफ पूर्व में 11 चोरों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने आगरा में दबिश देकर चोरी का माल खरीदने वाले तीन कबाड़ी प्रवीण (30) पुत्र रामनाथ निवासी ताजगंज, प्रमोद (39) पुत्र देवलाल निवासी आगरा और राकेश जैन (44) पुत्र मुन्नालाल निवासी नामनेर आगरा को गिरफ्तार किया है। उनके पास से पुलिस ने 60 लोहे की कमानी के सेट को बरामद कर लिया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस अब तक चोरी के मामले में 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। उनके पास से 74 सेट लोहे की कमानी के बरामद किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए तीनों कबाड़ियों से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। थाना प्रभारी राजीव कुमार ने बताया रेलवे माल गोदाम से भारी तादाद में कमानी सहित अन्य उपकरणों का माल चोरी हुआ था। अधिकांश चोरों को पुलिस गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। चोरों की निशान देही पर माल खरीदने वाले आरोपियों को पकड़ा जा रहा है। उन्होंने बताया रविवार को तीन कबाड़ियों को गिरफ्तार कर लिया है। माल खरीदने वाले अन्य कबाड़ी भी रेलवे पुलिस की रडार पर हैं। जिन्हें शीघ्र गिरफ्तार कर माल को बरामद किया जाएगा।

ईडी ने हरियाणा के कुख्यात गैंगस्टर सुरेंद्र उर्फ चीकू की 17.82 करोड़ की संपत्ति की जब्त

चंडीगढ़,31 मार्च (एजेंसियां)।

लॉरेंस बिश्नोई गिरोह और अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत गैंगस्टर सुरेंद्र सिंह उर्फ चीकू के परिवार के सदस्यों की 17.82 करोड़ रुपये की नकदी, बैंक जमा और जमीन कुर्क की गई है। केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में कहा, अचल संपत्तियां हरियाणा के नारनौल और राजस्थान के जयपुर में स्थित हैं। इसमें कहा गया है कि चीकू अपने गिरोह के सदस्यों के माध्यम से लॉरेंस बिश्नोई के अपराध के पैसे का प्रबंधन कर रहा था और अपने परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के नाम पर संपत्ति अर्जित कर रहा था। चीकू वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद है और उसे इस मामले में फरवरी में ईडी द्वारा गिरफ्तार किया गया था, जब एजेंसी ने राजस्थान और हरियाणा में उसके परिवार के सदस्यों और जुड़े व्यक्तियों के खिलाफ तलाशी ली थी। ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि निमावत ग्रेनाइट्स प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से नारनौल में खनन कारोबार में चीकू की कथित अवैध भागीदारी थी।

गैंगस्टर सुरेंद्र चीकू ने अपने आपराधिक प्रभाव का इस्तेमाल किया और अपने बहनोई विकास कुमार को इस कंपनी में एक निदेशक और एक शेयरधारक के रूप में पेश किया, जिसे नारनौल में बखरीजा खदानों में खनन टेंडर दिया गया था। एजेंसी ने दावा किया कि 'इस सौदे के जरिए सुरेंद्र सिंह चीकू और विकास कुमार ने बिना व्यावसायिक निवेश के 2.84 करोड़ रुपये की उगाही की।

यह दावा किया गया कि खनन व्यवसायों से निकाली गई अपराध की आय को कानूनी बैंकिंग चैनल के माध्यम से प्राप्त किया गया, सामान्य अर्थव्यवस्था में लगाया गया और अचल संपत्तियों को खरीदने और व्यक्तिगत उपभोग के लिए इस्तेमाल किया गया। एजेंसी ने कहा कि उसने गैंगस्टर चीकू के संरक्षण में खनन व्यवसायों से उगाही गई धनराशि का कैलिब्रेटेड अनुमान लगाने के लिए खनन और राजस्व अधिकारियों की उपस्थिति में खनन क्षेत्र का ड्रोन सर्वेक्षण किया। ईडी ने कहा कि यह सामने आया है कि उत्खनन के परिणामस्वरूप इन खदानों से 1 लाख मीट्रिक टन से अधिक पत्थर निकाले गए हैं। ईडी का मनी लॉन्ड्रिंग मामला अपहरण, हत्या और जबरन वसूली आदि के आरोपों पर चीकू और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ हरियाणा पुलिस की कई एफआईआर से उपजा है।

क्लर्क की नौकरी लगवाने के नाम पर 14 लाख रुपए की ठगी

पेपर सीट बदलवाने का दिया आश्वासन

नारनौल,31 मार्च (एजेंसियां)।

नारनौल के अटेली क्षेत्र में एक महिला को क्लर्क की नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रुपए ठगने का मामला सामने आया है। अब महिला के पति ने दो नामजद पर ठगी करने का आरोप लगाते हुए एसपी को शिकायत दी है। पुलिस शिकायत में सिलारपुर निवासी सुनील कुमार ने बताया कि उसकी पत्नी सपना ने वर्ष 2019 में हरियाणा सिविल क्लर्क की भर्ती का पेपर दिया था। इस दौरान सिलारपुर निवासी दिनेश ने भी क्लर्क का पेपर दिया था।

शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके एक दोस्त ने सतबीर से जान पहचान करवा दी। सतबीर ने बताया कि उसकी हरियाणा में ऊपर अच्छी चलती है और वह तेरी पत्नी सपना को हरियाणा में क्लर्क की भर्ती में पास करवा देगा। उसने कहा कि वह क्लर्क पद के लिए 10 लाख रुपये लेगा। उस समय उसकी पत्नी सपना व उसके दोस्त दिनेश ने हरियाणा क्लर्क भर्ती की परीक्षा सितंबर 2019 में दी थी। सतबीर ने उसे पूरा आश्वासन भर्ती करवाने का दिया था। जिसकी वजह से उसने और उसके दोस्त दिनेश ने सतबीर से भर्ती करवाने की बात कर ली। सितंबर 2019 में सतबीर गांव सिलारपुर आया और भर्ती करवाने के नाम पर दो लाख रुपये ले गया।

भिवानी में गद्दा फैक्टरी में लगी आग, काले धुएं में घिरा आसमान

भिवानी,31 मार्च (एजेंसियां)।

भिवानी के गांव देवसर के समीप एक गद्दा फैक्टरी में रविवार दोपहर करीब साढ़े 12 बजे अचानक आग लग गई। गद्दा फैक्टरी के अंदर से धुंआ उठता देख आसपास के उद्योगों में काम कर रहे कर्मचारियों ने इसकी सूचना दमकल विभाग को दी। एक के बाद एक करीब आधा दर्जन दमकल की गाड़ियां मौके पर जुटी और आग पर काबू पाने के प्रयास आरंभ कर दिए। लेकिन फैक्टरी के अंदर आग इतनी भयानक तरीके से धधक चुकी थी कि करीब दो किलोमीटर ऊंचाई तक आसमान में सिर्फ काला धुंआ ही नजर आया।

देवसर गांव के समीप लगी गद्दा फैक्टरी में आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग के कर्मचारी करीब दो घंटे तक कड़ी मशक्कत करते रहे, मगर आग शांत होने का नाम नहीं ले रही थी। गद्दा फैक्टरी के पास ही अन्य उद्योग भी चल रहे हैं, जिनमें काम करने वालों ने भी बाहर भागकर अपनी जान बचाई। वहीं आसपास के लोगों ने भी आग पर काबू पाने की कोशिश की, मगर आग दोगुने वेग से प्रचंड होती चली गई।दमकल की गाड़ियां भी एक के बाद एक खाली होकर रिफिलिंग के लिए वापस दमकल स्टेशन पर आती रही। दमकल विभाग के लीडिंग फायरमैन संजय ने बताया कि आधा दर्जन से अधिक गाड़ियां तो मौके पर जा चुकी हैं, जबकि और गाड़ियों को भी भेजा जा रहा है। अभी तक आग लगने के कारणों का पता नहीं चला है।

केंद्रीय मंत्री बोले– दुर्दांत अपराधी था मुख्तार अंसारी

विपक्ष केवल राजनीति कर रहा

पटना (एजेंसियां)।

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि मुख्तार अंसारी एक दुर्दांत अपराधी था।

विपक्ष केवल पोल्टिक्स कर रहा है। विपक्ष के नेता अपनी सियासी फायदे के लिए बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे हैं। जनता सच्चाई जानती है। आरा लोकसभा सीट से भाजपा सांसद आरके सिंह ने शनिवार को ही अपना नामांकन पर्चा दाखिल किया है।

केंद्रीय मंत्री आरके सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि मैं सबसे पहले पार्टी को धन्यवाद देता हूं। नरेंद्र मोदी जी और नड्डा जी को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने पुनः मुझपर विश्वास

जताया और तीसरी बार लोकसभा का उम्मीदवार बनाया। दूसरा धन्यवाद दूंगा का जनता को क्योंकि हमारी पार्टी ने टिकट दिया है सर्वे करवा कर। किसका नेता का कितना जनाधार है, यहां के लोगों ने जरूर बताया होगा उनको मुझपर विश्वास है। इसलिए पार्टी ने मुझे टिकट दिया।

उन्होंने कहा कि आरा की जनता ने स्नेह दिया है और दस वर्षों से स्नेह कर रहे। इसी दौरान एक मुस्लिम व्यक्ति ने आरके सिंह का सिर चूमकर उन्हें आशीष दिया। इसके बाद आरके सिंह ने कहा कि इस स्नेह के बदले में विकास के लिए जितना मुझे समझ में आया और जितना मुझमें क्षमता थी, वो हमने दिया। अभी हमारा विकास का यात्रा पूरा नहीं हुआ है। अभी हमारे दिल में बहुत सारे अरमान है। उन्होंने कहा कि भारत को तो विकसित देश बनाना ही है और आरा को भी विकसित जिला बनाना है। हमलोग विकसित जिला बनाने को लेकर बहुत कुछ आगे बढ़ चुके हैं। अभी और आगे बढ़ना है। हम ग्रेटर पटना का एक अंश बनेंगे।

आरके सिंह ने भाकपा माले के उम्मीदवार सुदामा प्रसाद के द्वारा मांगे गए दस वर्षों के रिपोर्ट को लेकर कहा कि वो अब रिपोर्ट मांग रहे हैं, अरे वाह ! लेकिन उनको हम रिपोर्ट सौंपने वाले नहीं हैं।

हम रिपोर्ट सौंपेंगे जनता को और हमारी जनता जानती है हमने क्या विकास किया है। हम उनसे यहीं कहते हैं कि घूमकर जनता से पूछ लीजिए। ''अ हो राज कुमार सिंह कौनों विकास कईले बारन की न'' पूछ लेंगे आरके सिंह विकास किए है या नहीं। वहीं पिछली चुनाव में एक लाख 47 हजार प्लस वोट से जीत हुई थी। इस चुनाव में लगभग ढाई लाख वोट से जितने वाले हैं।

परीक्षा देकर पिता संग लौट रही छात्रा की सड़क हादसे में मौत

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

बिहार के सीतामढ़ी में बीए की परीक्षा देकर लौट रही छात्रा और उसके पिता को ट्रक ने रौंद दिया। इस हादसे में बीए की छात्रा की मौत हो गई। यह घटना जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के डक87 सुरसंड-पुपरी पथ के बीररख गांव स्थित चाय दुकान के पास की है। जहां अपने पिता के साथ परीक्षा देकर घर लौट रही एक 22 वर्षीय छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, उसके पिता को गंभीर स्थिति में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतका की पहचान सुरसंड थाना क्षेत्र के बीररख वार्ड 4 निवासी हरीकिशोर शाह की बेटी निभा कुमारी के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, जख्मी हरीकिशोर शाह अपनी बेटी को लेकर दरभंगा से लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि मिथिला यूनिवर्सिटी दरभंगा में बीए की परीक्षा चल रही थी। शनिवार को परीक्षा खत्म होने के बाद रविवार को घर लौट रहे थे। पुपरी के रास्ते अपने घर सुरसंड की ओर जा रहे थे। तभी गांव से कुछ दूर पहले ही अनियंत्रित दो हाइवा ट्रकों की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि दोनों ट्रक तेजी में ओवर टेक कर रहे थे। इसी दौरान दोनों का बेलेंस बिगड़ा और पीछे से आ रही बाइक सवार बाप-बेटी को रौंद दिया, जिससे छात्रा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

वहीं, घटना को अंजाम देने के बाद दोनों ट्रक चालक गाड़ी लेकर फरार होने लगे। हालांकि इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने एक हाइवा ट्रक चालक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया है। जबकि, दूसरा ट्रक चालक बाजपट्टी थाना क्षेत्र के रसलपुर बाजार के पास डर से गाड़ी छोड़कर फरार हो गया है। जहां ग्रामीणों ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर पुलिस के हवाले कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष धनंजय कुमार पांडेय समेत अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचे। उसके बाद शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया।

मेले में झूला टूटने से एक युवती की मौत, एक अन्य की हालत नाजुक

मोतिहारी (एजेंसियां)।

बिहार के मोतिहारी में चल रहे मेले में बड़ा हादसा हो गया। जहां झूला टूटने से एक युवती की मौत हो गई है। जबकि एक युवती गंभीर रूप से घायल है, जिसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद झूला वाला झूला छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलने के बाद मौके पर चकिया एसडीप-ीओ सतेंद्र सिंह पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं। घटना कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव की है।

जानकारी के मुताबिक, कल्याणपुर थाना क्षेत्र के खटोलवा गांव में मेला लगा है। जहां लोगों के मनोरंजन के लिए झूला लगाया गया है। इसी बीच गणवंद्री गांव निवासी अजय सिंह की बेटी प्रिया कुमारी (19) अपनी सहेलियों के साथ मेला घूमने गई थी। जहां वह ट्रेंग्र झूला झूलने गई। जैसे ही झूले ने अपनी रफ्तार पकड़ी कि उसकी एक बोगी टूट कर गिर गई। इस

दौरान प्रिया के सिर में गंभीर चोट आई, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उसके साथ उसी बोगी में बैठी भोला सिंह की रूबी कुमारी (18) गंभीर रूप से घायल हो गई। उसके बाद आनन-फानन में घायल युवती को इलाज के लिए निजी डॉक्टर के यहां भर्ती कराया गया है। जहां उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

बताया जा रहा है कि जैसे ही झूला टूटा और युवती की मौत हुई, उसके तुरंत बाद झूला वाला मौके से फरार हो गया। उसके बाद घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

जानकारी के अनुसार, झूला हादसे में जान गंवाने वाली प्रिया की शादी तय हो गई थी। उसकी शादी नवंबर में होनी थी। घर में शादी की तैयारी चल रही थी। वह खुद कई सपने संजो रही थी, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था। इसी बीच वह शनिवार की रात मेला देखने गई थी। जहां यह हादसा हुआ और उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, मेला लगाने के लिए मेला समिति के लोगों ने चकिया एसडीओ से अनुमति ली थी। दो दिन पहले ही मेले की शुरुआत हुई थी और इस बीच यह हादसा हो गया।

कल्याणपुर थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि दो दिन से मेला लगा हुआ था। मेला समिति के सदस्य मेरे पास आए तो हमने कह दिया कि धारा 144 लागू है। एसडीओ से परमिशन लेकर लाइए। एसडीओ ने परमिशन दी थी। हादसा होने के बाद सूचना मिली तो पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं, मृतक के परिजनों का कहना है कि मृतका के पिता उड़ीसा रहते हैं।

भीषण सड़क हादसे में तीन महिला समेत चार लोगों की मौत, 11 घायल

घर लौट रहे थे सभी, पिकअप वैन पलटी

पटना (एजेंसियां)।

बिहार के आरा में भीषण सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। वहीं 11 से अधिक लोग घायल हो गए। घटना जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के रानी सागर मोड़ की है। मजदूरों से भरी पिकअप वैन पलट गई। तीन मजदूरों ने आरा सदर अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं एक मजदूर की मौत पटना पीएमसीएच में हुई। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

मरने वालों में बक्सर जिला के सिकरोल थाना क्षेत्र के डफाडीह टोला गांव निवासी रमुन राम की 51 वर्षीया पत्नी सीता सुंदरी देवी, डफाडीह टोला के नागा राम की 45 वर्षीया पत्नी मंगरी देवी, बक्सर जिले के मुरार थाना क्षेत्र

के चौगाई गांव निवासी शिव कुमार राम की 55 वर्षीया पत्नी राम दुलारी देवी, रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी खुर्द गांव निवासी चिजू राम की 35 वर्षीय पुत्र सरोज कुमार शामिल है। जबकि घायलों में बक्सर जिला के सिकरोल थाना क्षेत्र के डफाडीह टोला गांव निवासी 46 वर्षीया लालमनी देवी, 14 वर्षीय महावीर कुमार, 40 वर्षीय अरविंद राम, 40 वर्षीय किसनोत देवी, 54 वर्षिया मगली देवी, बशाव कला गांव निवासी 50 वर्षीया सोनाक्षी देवी, 42 वर्षीया मालकोनी देवी, 20 वर्षीय गुड़िया कुमारी, 45 वर्षीय रमेश राम, मुरार थाना क्षेत्र के चौगाई गांव निवासी 55 वर्षीय शिव कुमार राम और रोहतास जिला के दिनारा थाना क्षेत्र के बीसी खुर्द गांव निवासी 30 वर्षीय शिव बच्चन राम एवं अरविंद राम शामिल है।

घायलों ने बताया कि सभी मजदूर शाहपुर थाना क्षेत्र के कारनामेपुर ओपी अंतर्गत माधव-पुर (पिपरी) गांव में मसूरी काटने के लिए गए। शनिवार की देर रात जब पिकअप पर सवार होकर सभी मजदूर वापस लौट रहे थे। उसी दौरान रानी सागर मोड़ स्थित डायवर्सन के समीप उनकी पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे सभी मजदूर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद शाहपुर थाना पुलिस द्वारा सभी को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया, जहां इलाज के दौरान सीता सुंदरी देवी, रामदुलारी देवी, सरोज कुमार इलाज के दौरान आरा सदर के इमरजेंसी वार्ड में और मंगरी देवी ने पटना के पीएमसीएच में दम तोड़ दिया।

वहीं घटना की सूचना मिलने के बाद शाहपुर थानाध्यक्ष कुमार रजनीकांत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी जख्मी मजदूरों को पुलिस की मदद से इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उनका इलाज कराया जा रहा है। साथ ही पुलिस के द्वारा तीन मजदूरों की मौत के बाद उनका पोस्टमार्टम भी आरा सदर अस्पताल में करवाया गया है। साथ ही एक मजदूर की मौत पटना पीएमसीएच में हुई है।

बिहार बोर्ड ने जारी किया रिजल्ट, भोजपुर जिले की दो छात्राएं टॉप 10 में शामिल

पटना (एजेंसियां)।

बिहार विद्यालय परीक्षा समिति द्वारा मैट्रिक की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। टॉप 10 की सूची में भोजपुर की दो छात्रों का नाम शामिल है।

बिहार में टॉप सात में प्रिया कुमारी हैं, जिन्होंने यूनिवर्सल 10+2 पब्लिक स्कूल बिहिया भोजपुर से दसवीं की परीक्षा पास की है। उन्होंने मैट्रिक में कुल 482 अंक हासिल किए हैं, जिससे पूरे जिले का नाम रोशन हो गया है। वहीं, दूसरी टॉपर आरजू हैं, जिन्होंने हाई स्कूल भरौली से मैट्रिक की परीक्षा पास की है। उन्हें 479 अंक मिले हैं। आरज़ू ने पर बिहार में 10वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं, बिहार बोर्ड द्वारा रिजल्ट जारी होते ही दोनों ही छात्राओं ने जिले का नाम रोशन किया है। साथ ही रिजल्ट जारी होने के बाद से पूरे परिवार में खुशी की लहर है।

सीएम नीतीश के गृह क्षेत्र के व्यवसायी नहीं करेंगे मतदान, लगातार चौथे दिन बाजार बंद

नालंदा (एजेंसियां)।

बिहार के नालंदा के हरनौत के व्यवसायी अशोक साव की हत्या के विरोध में लगातार चौथे दिन व्यवसायी संघ ने हरनौत बाजार को बंद रखा है। व्यवसायी संघ के बैनर तले दुकानदारों ने रविवार को बिचली बाजार में धरना दिया। 28 मार्च से हरनौत बाजार अशोक साव की हत्या के खुल-ासे तक अनिश्चितकालीन के लिए बंद किया गया है।

व्यावसायिक संघ के अध्यक्ष रंजीत कुमार ने बताया कि अशोक साव की हत्या के विरोध में हम लोग धरना दिए हुए हैं। अभी तक जिला प्रशासन पुलिस के द्वारा किसी प्रकार की पहल नहीं की गई है। हरनौत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह क्षेत्र है। यहां अपराध चरम सीमा पर पहुंचा हुआ है। नित्य दिन आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। आपराधिक घटनाओं को लेकर हम लोग इस बार वोटिंग का बहिष्कार भी करने जा रहे हैं। जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा किसी प्रकार का आश्वासन नहीं मिल रहा है।

सबनहुआ निवासी एक व्यक्ति ने बताया पिछले चार दिनों से हरनौत बाजार बंद है। उन लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा के सामान भी नहीं मिल रहे हैं। अब

उन लोगों को दूसरे बाजार का रुख करना पड़ेगा जो काफी दूर है। वहीं, हरनौत बाजार के बंद रहने से पिछले चार दिनों में 12 करोड़ से अधिक का कारोबार प्रभावित हुआ है। हरनौत बाजार में छोटे बड़े 7 सौ से अधिक दुकान हैं। पिछले चार दिनों से दुकानों में ताले लटक रहे हैं।

सदर एसडीपीओ 2 संजय कुमार जायसवाल ने बताया कि पुलिस व्यवसायी हत्या के खुल-ासे के करीब है। जल्द ही मामले का पर्दाफाश कर लिया जाएगा। कुछ-कुछ दुकानें खुली हुई हैं। लगातार व्यवसायियों से बातचीत चल रही है।

जानकारी के मुताबिक, 21 मार्च को हरनौत के बिचली बाजार निवासी अशोक साव की लूट के दौरान अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। वह सकसोहरा से तकादा कर घर लौट रहे थे। इसी बीच हरनौत थाना क्षेत्र के अलीपुर बीरमपुर गांव के पास लूट के दौरान अपराधियों ने गोली मार दी थी। अशोक साव थोक सूजी और मैदा के व्यवसायी थे।

बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने छोड़ी पार्टी

खरगे को रिमोट से चलने वाला अध्यक्ष बताया

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में कांग्रेस पार्टी को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कांग्रेस के 39 वर्षों का साथ छोड़ते हुए पार्टी को अलविदा कह दिया। अनिल शर्मा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि मैं राजद से गठबंधन का विरोधी हूं। कांग्रेस का राजद से गठबंधन आत्मघाती है। कांग्रेस ने राजद से गठबंधन कर अक्षम अपराध किया है।

इस्तीफा देते हुए अनिल शर्मा ने सबसे पहले कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर हमला किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एक बेचारा अध्यक्ष हैं। कोई छोटे बड़े फैसले खड़गे जी नहीं ले सकते हैं। उनसे कोई मिलने जाता है तो वह कहते हैं आप राहुल जी से बात करो, आप वेणु गोपाल से बात करो। अब आप इससे अच्छी तरह से समझ सकते हैं कि खड़गे जी रिमोट कंट्रोल से कंट्रोल हो रहे हैं बेचारे खड़गे जी।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कहा कि कांग्रेस की कार्यशैली को देखकर ऐसा लगता है कि इनके कथनी और करनी में बहुत अंतर है। उन्होंने कहा कि नाम का तो लोकतांत्रिक चुनाव हुआ, लेकिन सच्चाई में वह चुनाव नहीं हुआ। कम से कम सीताराम केसरी जी बिहार के थे, वह तो 92% वोट से जीते थे, लेकिन आंतरिक लोकतंत्र जिस पार्टी का खुद नहीं है, वह लोकतंत्र बचाने की लड़ाई करती है या लड़ाई लड़ती है। स्वाभाविक है इस बात को जनता समझेगी कि कांग्रेस के कथनी और करनी में कितना अंतर है।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने राहुल गांधी के मोहब्बत की दूकान पर भी खूब बोला। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा नाम देकर

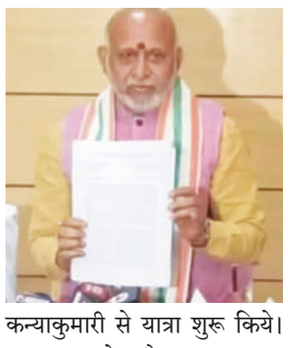

कन्याकुमारी से यात्रा शुरू किये। इस यात्रा के दौरान एक नारा निकला मोहब्बत की दुकान। मैं समझता हूं कि अगर सचमुच में राहुल गांधी जी मोहब्बत की दुकान का असर देखना चाहते थे और उसे जनता को लाभान्वित करना चाहते हैं या चाहते थे तो राहुल गांधी जी को जम्मू कश्मीर, जहां आतंक की पराकाष्ठा है, जहां एक समुदाय सिर्फ और सिर्फ घृणा की राजनीति करता है नफरत की राजनीति करता है, ऐसी सोच रखता है, वहां जाकर राहुल गांधी जी को मोहब्बत की दुकान लगानी चाहिए थी। अनिल शर्मा ने कहा कि अगर एक साल भी कोई आतंकी गतिविधि ना हो, किसी की हत्या नहीं हो तो मुझे लगता है कि एक राज्य में मोहब्बत की दुकान का सामान बेचने से राहुल गांधी को नोबेल प्राइज मिल सकता है। लेकिन सड़क पर मोहब्बत की दुकान का कोई असर दिखना चाहिए ना। जैसे अभी मणिपुर से शुरू हुआ, हमें तो लगता है कि अभी मणिपुर से मुंबई जाने के बजाय राहुल गाँधी को मणिपुर में कैंप करना चाहिए था। जिन दोनों पक्षों में जिनके बीच झगड़ा हो, उनके बीच अपनी मोहब्बत की दुकान लगानी चाहिए थी। मोहब्बत की दुकान का मतलब है दोनों के बीच विश्वास जीतना। दोनों को एक दूसरे के प्रति मोहब्बत पैदा करना और जोड़ना, लेकिन ऐसा हुआ नहीं।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा ने कांग्रेस के बड़े नेताओं पर गंभीर आरोप लगाते हुए पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उनके त्यागपत्र देने पर कांग्रेस ने पटवार किया है। इस संबंध में पार्टी प्रवक्ता राजेश राठौर ने कहा कि आज हमारे पार्टी का कमजोर सिपाही रणछोड़ सिंह निकाला। उन्होंने कहा कि अनिल शर्मा को पार्टी ने इतना सम्मान दिया कि 2000 में पटना जिले के विधानसभा से उन्हें टिकट देकर चुनाव लड़वाया, जिसमें उन्हें मात्र 3 हजार वोट मिले। अनिल शर्मा को पार्टी ने कई अहम पदों पर भी रखा, उनको कई जिम्मेदारियां दी। पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के इतिहास में पहली बार वह किसी भी सदन का सदस्य नहीं थे और पार्टी ने उन्हें प्रदेश अध्यक्ष जैसी बड़ी जिम्मेदारी भी दी। 2009 में जब कांग्रेस पार्टी बिहार में सभी चालीसों सीट पर लोकसभा का चुनाव लड़ने का विचार बना तो उस वक्त अनिल शर्मा कांग्रेस पार्टी के किसी भी सदस्य को टिकट नहीं दिया बल्कि दूसरे दूसरे दल के बाहुबलियों को बुलाकर पार्टी को टिकट दी। उसमें से कुछ अभी तो पार्टी में रह गए और पार्टी का काम कर रहे हैं लेकिन कुछ लोग पार्टी छोड़कर चले भी गए। अनिल शर्मा को आज तक पार्टी सम्मान देती रही लेकिन आज उन्होंने उस सम्मान को दरकिनार करते हुए पार्टी इसलिए छोड़ दी क्योंकि वह पार्टी पर दबाव बना रहे थे कि उन्हें राज्यसभा भेजा जाए। उन्होंने कहा कि अनिल शर्मा को चुनाव लड़ने से डर लगता है, क्योंकि उनके पास ना तो लोग हैं और ना ही जन आधार है। अनिल शर्मा अब वैसे हमारे पार्टी के सिर्फ नेतृत्व पर आरोप लगा रहे हैं, जिन्होंने पार्टी के लिए देश के लिए कुर्बानी दी है। अनिल शर्मा आज कई दिनों से कोप भवन में थे। सत्ता की लालच के लिए कांग्रेस से त्यागपत्र देकर अब वह नरेंद्र मोदी भाजपा की गोद में चले जाएंगे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com